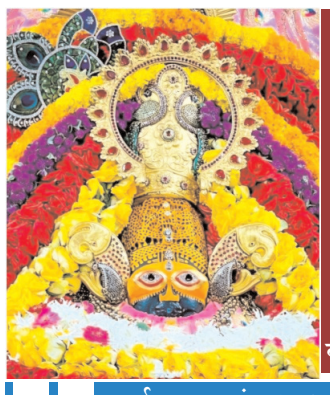

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:286। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 07 जून 2026 (रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी का 5 घंटे प्रदर्शन

● फाउंडर अभिजीत बोले- 5 दिन में शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें

नहीं तो अगले शनिवार फिर जंतर-मंतर आएंगे

एजेंसी

सूरत। NEET पेपर लीक को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान 5 दिन के अंदर इस्तीफा दें नहीं तो अगले शनिवार फिर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

अभिजीत के साथ सोनम वांगचुक भी प्रदर्शन में शामिल

दिल्ली के जंतर-मंतर में प्रदर्शन

ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन किया। CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि करेंगे। अभिजीत शनिवार सुबह ही अमेरिका से दिल्ली लौटे थे। वे एयरपोर्ट से सीधे जंतर-मंतर पहुंचे। अभिजीत दीपके की अगुआई में हुआ था। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए। इसके अलावा CJP के प्रवक्ता आशुतोष रांका भी अभिजीत के साथ नजर आए।

आशुतोष IIT कानपुर से पास आउट हैं। पिछले साल ही लंदन से भारत लौटे थे।

CJP के प्रदर्शन के मद्देनजर इंदिरा गांधी एयरपोर्ट, मुख्य रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और दिल्ली के बॉर्डर पॉइंट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। 1000 से ज्यादा पुलिस जवान पहले से तय पॉइंट्स पर तैनात किए गए थे। बाजारों और संवेदनशील इलाकों में कानून व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी गई थी।

अब आगे क्या...

- कॉकरोच जनता पार्टी अपनी मांग पर अड़ी है। अभिजीत ने कहा- शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें।
- अभिजीत ने धमेंद्र को इस्तीफे के लिए पांच दिन का अल्टीमेटम दिया है।
- अगर कॉकरोच जनता पार्टी की बात नहीं मानी जाती है तो 13 जून को जंतर-मंतर पर दोबारा प्रदर्शन किया जाएगा।

सोशल मीडिया से सड़क तक पहुंचा सीजेपी का आंदोलन

यह प्रदर्शन केवल ऑनलाइन अभियान तक सीमित नहीं रहा। बड़ी संख्या में स्कूल और कॉलेज के छात्र, युवा पेशेवर और अभिभावक जंतर-मंतर पहुंचे। कई प्रदर्शनकारी कॉकरोच मास्क पहनकर आए और हाथों में फूल लिए दिखे। अभिजीत दीपके ने प्रदर्शन को शांतिपूर्ण रखने की अपील की और पुलिसकर्मियों को फूल देने की बात कही। उन्होंने कहा कि आंदोलन संविधान और लोकतंत्र के दायरे में रहेगा। इस प्रदर्शन ने साफ संकेत दिया कि शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को लेकर युवाओं के बीच गुस्सा तेजी से बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने आर्थिक सलाहकार परिषद के साथ की चर्चा

बैठक में परिषद के सदस्यों ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के भारत और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों का भी आकलन प्रस्तुत किया।

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएम-ईएसी) के सदस्यों के साथ बैठक की, जिसमें वैश्विक उथल-पुथल के दौर में भारत की आर्थिक वृद्धि को और गति देने के उपायों पर व्यापक चर्चा की गई। प्रधानमंत्री और परिषद के सदस्यों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न विचारों और नीतिगत उपायों पर विचार-विमर्श किया। इसके साथ ही आम नागरिकों के जीवन को अधिक सुगम बनाने तथा कारोबार करने में आसानी (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) को बढ़ावा देने संबंधी सुधारों पर भी चर्चा हुई।

बैठक में परिषद के सदस्यों ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के भारत और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों का भी आकलन प्रस्तुत किया। ऊर्जा आपूर्ति, व्यापार, निवेश और वैश्विक आर्थिक स्थिरता से जुड़े मुद्दों पर विचार साझा किए गए। सरकार का मानना है कि अनिश्चित वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है और दीर्घकालिक विकास के लिए सुधारों तथा निवेश को प्रोत्साहित करने की दिशा में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं।

ब्रिक्स सीडब्ल्यूजी के प्रतिनिधियों ने काशी विश्वनाथ मंदिर में किया दर्शन पूजन

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक एवं धार्मिक नगरी वाराणसी में आयोजित ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह (सीडब्ल्यूजी) की दो दिवसीय बैठक में भाग लेने के बाद शनिवार को सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ के दरबार में दर्शन पूजन किया। मंदिर में बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग का दर्शन पूजन के बाद विदेशी मेहमानों ने काशी विश्वनाथ धाम में भ्रमण किया। ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों ने इस दौरान मंदिर की भव्यता और दिव्यता के साथ भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का अनुभव किया। धाम में भ्रमण के दौरान प्रतिनिधियों ने वाराणसी की प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं, आध्यात्मिक मूल्यों और ऐतिहासिक महत्व को निकटता से जाना। यह यात्रा उन्हें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, धार्मिक आस्था और सनातन परंपरा से परिचित कराने का महत्वपूर्ण अवसर बनी।

मेहसाणा पुलिस सिस्टम में सड़ांधः एक बड़ा धमाका जिससे खाकी को शर्म आ जाए!

जिला पुलिस चीफ और LCB PI कामड़िया की रहस्यमयी खामोश उंगलीः महानगर मेट्रो की रिपोर्ट के बाद भी ज़ीरो एक्शन, शराब तस्करों ने सेटलमेंट के लिए कॉल करना शुरू कर दिया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा। मेहसाणा जिले से एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिससे साबित होता है कि गुजरात में शराब बैन सिर्फ कागजों पर है। लंगंज पुलिस स्टेशन में तैनात एक आम कांस्टेबल तरुणसिंह डाभी आज पूरे मेहसाणा जिले का अघोषित 'पिता' बना बैठा है। जिला पुलिस चीफ का कथित 'एडमिनिस्ट्रेटर' कहा जाने वाला यह कांस्टेबल मेहसाणा, कडी और नंदासण में कानून-व्यवस्था बिगाड़ रहा है। 'पाको गुजरात न्यूज़' के ये सीधे हमले देखिए, जो मेहसाणा पुलिस की साख मिट्टी में मिला देंगेः

1. पूरे ज़िले में क्राइम के अड्डेः खाकी की छत्र-छाया में मौत का साज़-सामान!

तरुणसिंह डाभी के सीधे संरक्षण में मेहसाणा के कोने-कोने में जुए के अड्डे और शराब के अड्डे फल-फूल रहे हैंः

लंगनाज पंथकः गोज़रिया में बेचर ठाकोर, लिंच में सुरेश ठाकोर और विरसोदा-मंडली में मोसिन खुलेआम विदेशी शराब बेच रहे हैं।

नंदासन इलाकाः इम्तियाज़ और सरफ़राज़ राजपुर गाँव में एक हाई-प्रोफ़ाइल आलीशान जुए का अड्डा चलाते हैं, जबकि कालूसिंह शराब का नेटवर्क चलाता है।

कडी पंथकः मनोज, जावेद, ईश्वर सिंह और किशन ठाकोर जैसे बूटलेगर बेखौफ़ होकर धंधा करते हैं जैसे वे पुलिस के दामाद हों। बावलू पुलिस **स्टेशनः** लोर गांव में ठाकोरवास के पास खुले मैदान में रमेश ठाकोर नाम का एक बूटलेगर करोड़ों रुपये का जुआ खेलता है। P.I. बड़वा को बार-बार बताने के बावजूद, साहब 'गांधीजी के बंदर' बने बैठे हैं!

2. राजस्थान कनेक्शनः इंटरस्टेट माफिया से सीधी सेटिंग!

एक आम कांस्टेबल की पावर इतनी होती है कि वह इंटरस्टेट गैंग चलाता है। तरुण सिंह का राजस्थान के बदनाम माफिया जैसे आशु अग्रवाल (अबू रोड), गुलाब सिंह (दांतीवाड़ा),

छोटू बिश्नोई, सुरेश बिश्नोई और भजनलाल बिश्नोई (सांचोर) से सीधा कनेक्शन है। राजस्थान से आने वाली शराब के पूरे कंटेनर बिना किसी रोक-टोक के मेहसाणा बॉर्डर में स्मगल कर दिए जाते हैं। लोकल छोटे बूटलेगरों को सख्त फतवा जारी किया गया है कि, 'शराब सिर्फ तरुण सिंह के आदमियों से लो, अगर बाहर से लाए तो पुलिस रेड करके जेल में डाल देगी!

'3. तरुण सिंह का काला इतिहासः संतरी ड्यूटी से बचने का खेल!

यह कोई नया गेम नहीं है, तरुण डाभी पुराने खिलाड़ी हैं अपनी अभी की नौकरी पर बूटलेगर से मिलने गए थेः 3 साल पहले, जब वे बावलू पुलिस स्टेशन में थे, तो वे राजस्थान के सांचोर में अपनी अभी की नौकरी पर बूटलेगर आशु अग्रवाल से मिलने गए थे। उस समय के SP ने लोकेशन ट्रैक करके उन्हें पकड़ लिया और सज़ा के तौर पर संतरी ड्यूटी पर लगा दिया।

SMC की रेड से सक्सेसफुल बचावः 9 महीने पहले, जब स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने कडी में शराब का एक कंटेनर पकड़ा था, तो बूटलेगर इमरान का नाम सामने आया था। इस केस में तरुण डाभी का नाम आना ही था, लेकिन मेहसाणा जिले के बाहर के एक लालची PSI और इमरान के बीच बड़ी साठगांठ करके इस एडमिनिस्ट्रेटर को बचा लिया गया!

4. LCB PI कामड़िया और डिस्ट्रिक्ट SP वे बेबस क्यों हैं?

जब 'महानगर मेट्रो' ने LCB PI कामड़िया से कॉन्टैक्ट किया, तो उन्होंने बहुत बेशर्मी से कहा कि, 'जिले में शराब और जुआ नहीं होता और मुझे तो यह भी नहीं पता कि तरुण डाभी कौन है!'

सबसे बड़ा सवालः क्या LCB PI, जो पूरे जिले की सीक्रेट जानकारी रखते हैं, उन्हें उस असमी कांस्टेबल तरुण डाभी के बारे में नहीं पता, जो अपने ही स्टाफ के लिए करोड़ों रुपये का सौदागर है? SP साहब को लिखकर और बोलकर बताने के बाद भी तरुण डाभी के खिलाफ कोई एक्शन क्यों नहीं लिया गया?

शर्मनाक बातः 'पाक्को गुजरात न्यूज़' के ज़रिए LCB PI कामड़िया को सबूतों के साथ जानकारी देने के बाद, उल्टा क्रिमिनल और बूटलेगर हमारे ऑफिस नंबर पर कॉल करके धमकी और लालच दे रहे हैं कि 'मामला सुलझा लो!' इसका मतलब है कि पुलिस खुद पत्रकारों के नंबर लीक करके बूटलेगरों को सेटलमेंट के लिए भेजती है!

5. 'महानगर मेट्रो' के होम मिनिस्टर और डायरेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस से सीधा सवाल

1 डिस्ट्रिक्ट SP सर, क्या ये तरुण सिंह डाभी, जो आपके नाम पर पूरे डिस्ट्रिक्ट से वसूली कर रहे हैं, मेहसाणा के कांस्टेबल हैं या सुपर SP? ये कौन सा बड़ा सेटअप है कि आपकी नाक के नीचे इतना बड़ा काला धंधा चलने के बावजूद आपके हाथ बंधे हुए हैं?

2 LCB P.I. कामड़िया साहब, आपने हमारे नंबर बूटलेगरों को देकर उन्हें सेट्ल करवाने का धंधा कब शुरू किया? अगर मेहसाणा में केमिकल वाली ज़हरीली शराब से भयानक 'लट्ठा कांड' हुआ, तो FIR में पहला नाम डिस्ट्रिक्ट SP और आपका क्यों नहीं होना चाहिए?

आखिरी चेतावनीः

SMC के छापे पड़ने पर सिर्फ़ छोटे जमाकर्ताओं को सस्पेंड करने का ड्रामा बंद करें। मेहसाणा की जनता और 'महानगर मेट्रो' राज्य के होम डिपार्टमेंट से अपील करते हैं कि इस करप्ट सिंडिकेट के असली मास्टरमाइंड तरुणसिंह डाभी, लाचार P.I. कामड़िया और पूरे गैंग के खिलाफ तुरंत सख्त डिपार्टमेंटल एक्शन लें और उन्हें सस्पेंड करें। अगर एक्शन नहीं लिया गया तो इस करप्शन के सबूत गांधीनगर तक पेश किए जाएंगे! देखते रहिए - महानगर मेट्रो ! सच न रुकेगा, न झुकेगा!

लुधियाना स्टेशन पर हादसा

नई दिल्ली-कटरा ट्रेन के स्लीपर कोच का शौचालय धमाके के साथ टूटा, सभी यात्री सुरक्षित

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के लुधियाना में शनिवार सुबह रेलवे स्टेशन पर खड़ी कटरा स्पेशल ट्रेन में जोरदार धमाके साथ दो कोच को आपस में जोड़ने वाली कपलिंग टूट गई और जोरदार धमाके के साथ शौचालय दो हिस्सों में टूट गया। धमाके से रेलवे स्टेशन पर अफरातफरी मच गई। हालांकि सभी सुरक्षित हैं।रेलवे ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। न्यू दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्पेशल (04081) नाम की यह ट्रेन शनिवार सुबह ही नई दिल्ली से वैष्णो देवी के लिए रवाना हुई थी। गर्मी की छुट्टियों के चलते ट्रेन फुल चल रही थी। वैष्णो देवी स्पेशल ट्रेन सुबह 9 बजे लुधियाना रेलवे स्टेशन पर पहुंची। ट्रेन जैसे ही अगले स्टेशन के लिए चलने लगी तो ट्रेन की बोगी एस-टू के शौचालय में जोरदार धमाका हुआ। धमाके की आवाज सुनते ही यात्रियों में भगदड़ मच गई और स्टेशन पर अफरातफरी फैल गई।

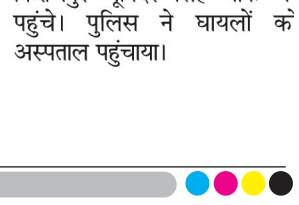

स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए सकारात्मक बदलाव, कांग्रेस इसको स्वीकार करने से बच रहीः जेपी नड्डा

● खरगे की जानकारी अधूरी और खतरनाक है : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषय को राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित करना उचित नहीं है।

खरगे की जानकारी अधूरी और खतरनाक है। सिर्फ चुनिंदा आंकड़ों के आधार पर तस्वीर पेश करने के बजाय पूरे परिदृश्य को देखना चाहिए। जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों का हवाला देते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा कि कांग्रेस

देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए सकारात्मक बदलावों को स्वीकार करने से बच रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक सुधार हुए हैं। एनएफएचएस -3 (2005-06) की तुलना में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े प्रमुख संकेतकों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है।

● स्वास्थ्य क्षेत्र में अभी भी कई चुनौतियां मौजूद हैं और केंद्र सरकार उन्हें दूर करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है'

नड्डा ने कहा कि गर्भावस्था की पहली तिमाही में पंजीकरण कराने वाली महिलाओं का प्रतिशत 43.9 से बढ़कर 76.2 हो गया है। वहीं संस्थागत प्रसव 38.7 से बढ़कर 90.6 प्रतिशत और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी में होने वाले प्रसव 46.6 से बढ़कर 91.3 प्रतिशत तक पहुंच गए हैं।

उन्होंने कहा कि ये आंकड़े केवल संख्या नहीं हैं, बल्कि करोड़ों महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षित प्रसव और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलने का प्रमाण हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत की स्वास्थ्य यात्रा की वास्तविक कहानी निराशा नहीं, बल्कि निरंतर प्रगति और सुधार की है। कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधते हुए नड्डा ने कहा कि सबसे चिंताजनक बात यह है कि वह देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए सकारात्मक बदलावों को स्वीकार करने से बच रही है। दशकों तक भारत कमजोर स्वास्थ्य सेवाओं, सीमित चिकित्सा पहुंच और कमजोर सेवा वितरण प्रणाली की चुनौतियों से जूझता रहा, जिसके प्रभाव कई पीढ़ियों तक दिखाई दिए।

फिरोजपुर में सड़क हादसा

8 की मौत 12 घायल

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के फिरोजपुर-फाजिल्का मार्ग पर शनिवार की सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई जबकि 12 अन्य घायल हो गए। घायलों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। हादसे का शिकार हुए सभी लोग अपने पारिवारिक सदस्य की अस्थियों का विसर्जन करने के लिए जलालाबाद से ब्यास जा रहे थे। रास्ते में फिरोजपुर-फाजिल्का मार्ग जंगा वाला मोड़ के पास यह हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार जलालाबाद के गांव मल्कज़ादे का एक परिवार अपने मृतक परिजन की अस्थियां विसर्जित करने के लिए डेरा ब्यास जा रहा था। परिवार और रिश्तेदारों समेत करीब 25 से 30 लोग पिकअप में सवार थे। जब वाहन गांव हुसैनशाह के पास पहुंचा, तो सामने से आ रहे ट्राले के साथ उसकी जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप के

ऊपर बने टूल बॉक्स में बैठे पांच लोग उछलकर ट्राले का शीशा तोड़ते हुए उसके अंदर जा गिरे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी में सवार कई लोग अंदर ही फंस गए। बताया जा रहा है कि कई लोगों की मौत मौके पर ही हो गई, जबकि घायलों को इलाज के लिए फिरोजपुर के सिविल अस्पताल ले जाया गया। घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी फिरोजपुर भूपिंदर सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

कोऑपरेटिव सेक्टर के दिग्गज दिलीप संघानी को मिला प्रतिष्ठित नेशनल अवॉर्ड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। गुजरात और देश के कोऑपरेटिव मूवमेंट को ग्लोबल लेवल पर नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले जाने-माने लीडर दिलीपभाई संघानी के नाम एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ गई है। देश भर में देश की प्रभावशाली कोऑपरेटिव गतिविधियों में बहुत बड़ा योगदान देने वाले GUJCOMASOL और IFFCO के चेयरमैन दिलीपभाई संघानी को नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज ने देश के सबसे प्रतिष्ठित अवॉर्ड से सम्मानित किया है। उन्हें यह सम्मान दिल्ली में आयोजित एक बड़े समारोह में कृषि और कोऑपरेटिव सेक्टर में उनके बेमिसाल योगदान के लिए दिया गया। चूंकि दिलीपभाई संघानी अभी यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका के दौरे पर हैं, इसलिए दिल्ली में आयोजित एक प्रोग्राम में डिस्ट्रिक्ट परचेज़ एंड सेल यूनियन के प्रेसिडेंट जयंतीभाई पंसुरिया ने उनकी तरफ से यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड स्वीकार किया।

20 साल की सर्विस और 40 ट्रांसफर, फिर भी न झुकीं और न बिकीं, जानें आयरन लेडी IPS डी. रूपा की निडरता की कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। भारत में सिविल सर्वेंट और नेताओं के बीच दुश्मनी के मामले सामने आते रहते हैं। आमतौर पर देखा जाता है कि बड़े-बड़े अधिकारी भी पावर के दबाव के आगे घुटने टेक देते हैं। लेकिन हमारे अपने देश में कुछ ऐसे बहादुर ऑफिसर भी हैं जो सिर्फ अपने पद की गरिमा, ईमानदारी और निडर फैसलों के लिए जीते हैं। खाकी वर्दी की शान बढ़ाने वाला ऐसा ही एक बहुत सम्मानित नाम IPS डी. रूपा हैं। बीस साल के अपने शानदार और बेदाग करियर में चालीस ट्रांसफर झेलने के बावजूद उन्होंने कभी अन्याय या राजनीतिक दबाव के आगे झुकना स्वीकार नहीं किया। मूल रूप से कर्नाटक की रहने वाली डी. रूपा बचपन से ही पढ़ाई में बहुत तेज और होशियार थीं। खाकी वर्दी पहनकर देश की सेवा करने के अपने सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने देश की सबसे कठिन UPSC परीक्षा पास करने के लिए दिन-रात मेहनत की। इस परीक्षा में उन्होंने पूरे भारत में 43वीं रैंक हासिल करके अपनी प्रतिभा साबित की। वे न सिर्फ़ एक एडमिनिस्ट्रेटिव एक्सपर्ट हैं, बल्कि एक कुशल शूटर और क्लासिकल म्यूज़िक के जानकार भी हैं, जो उनकी वर्सेटाइल टैलेंट को दिखाता है। IPS डी. रूपा तब मीडिया और देश भर के लोगों की नज़रों में आए जब उन्होंने कानून की सर्वोच्चता साबित करते हुए एक ऐतिहासिक फ़ैसला लिया। कोर्ट के आदेश पर उन्होंने मध्य प्रदेश की उस समय की मुख्यमंत्री उमा भारती को गिरफ़्तार किया। देश के इतिहास में किसी मौजूदा मुख्यमंत्री को गिरफ़्तार करना लोहे के टुकड़े को चबाने जैसा है, लेकिन डी. रूपा ने बस कानून का पालन किया और किसी भी तरह के पॉलिटिकल प्रेशर या भविष्य के नतीजों की परवाह किए बिना, निडर होकर अपना फ़र्ज़ निभाया। अपने सख्त और ईमानदार रवैये की वजह से, उन्होंने अपनी 20 साल की सर्विस के दौरान लगभग 40 ट्रांसफ़र झेले हैं। औसतन, हर छह महीने में उनका ट्रांसफ़र होता था। एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम में बार-बार होने वाले ट्रांसफ़र को सज़ा के तौर पर देखा जाता है, लेकिन डी. रूपा के लिए ये ट्रांसफ़र उनकी ईमानदारी का जीता-जागता सबूत बन गए।

विसनगर में हैवानियत की हद पार करने वाले नराधम नवीन चौधरी को पुलिस ने गिरफ्तार किया,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा। जिले के विसनगर शहर से एक चौंकाने वाली और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि सतलसाना पंथक के एक बिगड़ी हुई मानसिकता वाले आदमी ने विसनगर में पढ़ने वाली दो बहनों को बार-बार ब्लैकमेल किया और उनके ही परिवार को बर्बाद करने की धमकी देकर उन्हें अपनी हवस का शिकार बनाया। इस मामले में पीड़िता ने हिम्मत दिखाई और पुलिस का दरवाजा खटखटाया, और विसनगर पुलिस ने कुछ ही घंटों में आरोपी को सलाखों के पीछे डाल दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, विसनगर में पढ़ने वाली 18 साल की लड़की को उसके ही इलाके के नवीनभाई कांजीभाई चौधरी नाम के एक आदमी ने कार में बिठाकर जबरन प्रेम संबंध बनाए। जब लड़की ने मना किया, तो इस अपराधी ने उसके माता-पिता और भाई को जान से मारने की धमकी दी और लड़की के साथ गंदा काम किया। इतना ही नहीं, आरोपी ने पीड़िता की अश्लील तस्वीरें ले ली थीं और उन्हें वायरल करने की धमकी देकर उसे लगातार ब्लैकमेल कर रहा था। इस दरिंदे की हवस यहीं नहीं रुकी, उसने अपनी नाबालिग छोटी बहन को भी उसकी बड़ी बहन की फोटो दिखाकर डराया और धमकाया और उसे अपनी हवस का शिकार बनाया। जब दोनों बहनों ने एक-दूसरे से बात की, तो यह भयानक सच सामने आया। दोनों बहनों ने हिम्मत जुटाई और अपराधी नवीन चौधरी से सारे कॉन्टैक्ट तोड़ दिए। इससे गुस्साए इस शातिर अपराधी ने 3 जून को दोनों बहनों की आपत्तिजनक फोटो समाज के एक सोशल मीडिया ग्रुप पर वायरल कर दीं। इस घिनौनी हरकत के बाद, पीड़िता ने बिना किसी डर के विसनगर पुलिस स्टेशन में अपराधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

आज फुटपाथ पर पढ़िए एक बूढ़े आदमी की जिंदगी की दिल दहला देने वाली कहानी।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। समय का पहिया कब घूम जाए और राजा को रंक बना दे, कोई नहीं बता सकता। सोशल मीडिया पर इस वक्त वायरल हो रही एक बेहद इमोशनल और दिल को छू लेने वाली कहानी लाखों लोगों के दिलों को छू रही है। फुटपाथ पर दयनीय हालत में रहने वाले एक बुजुर्ग ने जब अपने अतीत के पन्ने खोले तो सुनने वाले सभी दंग रह गए। कांपती आवाज में इस बुजुर्ग ने कहा, ''मैं 40 साल पहले करोड़पति था, लेकिन वक्त और किस्मत ने ऐसी करवट ली कि आज मैं फुटपाथ पर खड़ा हूं. अपने संघर्षपूर्ण सफर और जीवन की कहानी के बारे में बात करते हुए इस बुजुर्ग ने कहा कि एक समय उनके पास लग्जरी, शानदार कारें और बहुत सारी संपत्ति थी। लेकिन शादी में असफलता और धीरे-धीरे परिवार से बढ़ती दूरियों के कारण वह मानसिक रूप से टूट गए थे। पारिवारिक विवादों और अकेलेपन के कारण, उन्होंने धीरे-धीरे अपनी सारी संपत्ति और व्यवसाय खो दिया और सड़कों पर आ गए। लंबे समय तक जीवन के इस कठिन दौर से जूझने के बाद सोशल मीडिया क्रिएटर तरुण मिश्रा उनके बचाव में आए। मानवता के नाते तरूण मिश्रा ने इस असहाय वृद्ध की मदद के लिए हाथ बढ़ाया। उन्हें फुटपाथ से उठाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उचित इलाज किया गया, पुराने घावों पर नई पट्टियां लगाई गईं और खान-पान से लेकर हर चीज का ख्याल रखा गया। उचित उपचार और देखभाल मिलने के बाद, बूढ़ा न केवल एक बार फिर से अपने पैरों पर खड़ा हो सका, बल्कि वर्षों के बाद उसे एक बार फिर से कार चलाने का अद्भुत आनंद भी मिला, यह दृश्य देखकर देखने वालों की आँखों में आँसू आ गए। ये पूरी घटना और बुजुर्गों की जिंदगी में आया ये बड़ा बदलाव अब सोशल मीडिया पर लोगों के लिए बड़ी प्रेरणा साबित हो रहा है. इस रिपोर्ट के माध्यम से पक्को गुजरात न्यूज़ समाज को यही संदेश देना चाहता है कि दौलत आज है कल नहीं, लेकिन मुश्किल वक्त में किसी असहाय की मदद के लिए हाथ बढ़ाना ही सच्ची इंसानियत है. तरूण मिश्रा जैसे युवाओं के कारण ही आज भी समाज में अच्छाई जीवित है।

गुलबाई टेकरा में केमिकल शराब और हाई-प्रोफाइल स्पा माफिया से सीधी डीलिंग; पी.आई. बावा की रहस्यमयी चुप्पी 'गांधीजी के तीन बंदरों' जैसी!

यूनिवर्सिटी पुलिस का कर्मचारी 'गिरी' वडाज से करोड़ों का पैरेलल एम्पायर चला रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। एक बहुत ही चौंकाने वाला मामला सामने आया है जो अहमदाबाद पुलिस की इमेज और खाकी वर्दी को खराब कर रहा है। सरकारी सैलरी जेब में डालकर, कानून को ठेंगा दिखाते हुए, यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन का एक कथित कर्मचारी 'गिरी' पुलिस स्टेशन जाने के बजाय वडाज पुलिस पोस्ट के बहुत पास बने एक सीक्रेट प्राइवेट ऑफिस से पूरे शहर का काला एडमिनिस्ट्रेशन चला रहा है!

'महानगर मेट्रो' के इस मेगा-धमाके में देखिए कि कैसे कानून के रक्षक ही भक्षक बन गए हैं:

1. गुलबाई टेकरा: मौत का सामान और जिस्मफरोशी का हेडक्वार्टर!

सूत्रों से प्राप्त विश्वसनीय जानकारी के अनुसार पुलिस विभाग के इस कथित 'निजी निदेशक' के सीधे आशीर्वाद से गुलबाई टेकरा इलाका अपराध का केंद्र बन गया है: जहरीले केमिकल वाली शराब: इस इलाके में कोई साधारण-देसी शराब नहीं, बल्कि बेहद खतरनाक केमिकल वाली शराब बेची जा रही है, जो कभी भी अहमदाबाद में भयानक 'लट्ठा कांड' कर सकती है।

रातों-रात विदेशी शराब की कटाई: प्रशासक गिरी के बेखौफ वादे के तहत, इस इलाके में रातों-रात विदेशी शराब के बड़े कंटेनर डंप किए जाते हैं और पुलिस की नाक के नीचे उनकी सुरक्षित कटाई की जाती है।

पाप का स्पा: लुभावने हेल्थ और वेलनेस बोर्ड लगाकर स्पा सेंटरों के अंदर हाई-प्रोफाइल वेश्यावृत्ति खुलेआम फल-फूल रही है।

2. पी.आई. बावा के 'अनजान' होने का नाटक: जबरन वसूली या मजबूरी?

पूरे इलाके में इतना बड़ा पाप का साम्राज्य चलने के बावजूद, स्थानीय पी.आई. बावा आंखें मूंदे बैठे हैं। जब पी.आई. बावा से जब 'पाको गुजरात न्यूज़' ने फ़ोन पर बात की, तो उन्होंने पारंपरिक और शक भरे लहजे में कहा, 'मुझे कुछ पता नहीं कि इलाके में क्या चल रहा है!'

बड़ा सवाल: क्या P.I. साहब सच में अनजान हैं, या वे बस टाइम पर बड़ी किश्तों के आने के लालच में हैं? खबर छपने के बावजूद P.I. बावा का पेट नहीं मरोड़ रहा! क्या ये अफ़सर पैसे के मोह में फंसे हैं या पूरा पुलिस स्टेशन कथित एडमिनिस्ट्रेटर गिरी की तानाशाही के आगे बेबस है?

3. एजेंसियां ठंडी क्यों हैं इंतज़ाम पूरे ज़ोरों पर हैं!

एक आम पुलिस अफ़सर के लिए सरकारी दफ़्तर छोड़कर प्राइवेट दफ़्तर से इतना बड़ा क्राइम नेटवर्क चलाना बिना किसी बड़े आशीर्वाद के मुमकिन नहीं है। चर्चा है कि गिरी को बड़े पुलिस अफ़सरों और बड़े नेताओं का सीधा आशीर्वाद है। इसी इंतज़ाम की वजह से स्टेट मॉनिटरिंग सेल PCB, क्राइम ब्रांच या DCP स्क्वॉड जैसी बड़ी एजेंसियां भी इन ठिकानों पर हाथ डालने से डरती हैं! यहां होम मिनिस्टर के सख्त निर्देशों को भी नज़रअंदाज़ किया गया है।

4. सरकारी सैलरी में करोड़ों के बंगले और लग्ज़री कारें!

सालों से विवादों की काली स्याही से रंगे इस कर्मचारी गिरी की दौलत देखकर ईमानदार IPS ऑफिसर भी कन्फ्यूज़ हो जाएंगे। आम सैलरी पाने वाले कर्मचारी के पास आज करोड़ों के आलीशान बंगले, महंगी लग्ज़री कारें और बेनामी ज़मीनें कहां से आ गईं? यह बेशुमार दौलत वडाज के प्राइवेट ऑफिस में चल रही काली करतूत का जीता-जागता सबूत है।

5. 'महानगर मेट्रो' की होम डिपार्टमेंट और डिप्टी चीफ मिनिस्टर को सीधी चुनौती!

'महानगर मेट्रो' आज राज्य के डिप्टी चीफ मिनिस्टर और होम मिनिस्ट्री के बंद दरवाजों पर हाथ मारकर सीधे सवाल पूछता है

1 सरकार कब ऐसे 'काले भेड़ों' के खिलाफ सख्त डिपार्टमेंटल एक्शन लेगी जो खाकी की आड़ में बूटलेगरों और स्पा माफियाओं से लाखों की डील करते हैं और उन्हें सलाखों के पीछे डालेगी ?

2 अगर गुलबाई टेकरा से मिली इस केमिकल वाली शराब की वजह से अहमदाबाद में भयानक दंगा होता है और बेगुनाहों की जान जाती है, तो इसका ज़िम्मेदार कौन होगा पी.आई. बवानी या इस प्राइवेट ऑफिस के एडमिनिस्ट्रेटर गिरी?

जनता का गुस्सा: अहमदाबाद के लोग अब बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं कि कब सरकारी बुलडोज़र इस करप्ट सिंडिकेट, गिरी जैसे एडमिनिस्ट्रेटर और कानून को ताक पर रखने वाले वडजा के 'काले ऑफिस' पर चलेगा! क्या होम डिपार्टमेंट इस काले राज को खत्म करेगा या करप्शन का यह खेल ऐसे ही चलता रहेगा ?

गुजरात के पुलिस प्रमुख जी.एस. मलिक की ताजपोशी, कमान संभालेंगे राज्य के नए डीजीपी का पदभार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। इस वक्त की सबसे बड़ी और अहम खबर गुजरात राज्य के गृह विभाग और पुलिस प्रशासन से आ रही है. सरकार ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत और चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है. वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी जी.एस. मलिक को आधिकारिक तौर पर गुजरात राज्य का नया डीजीपी यानी पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया है। राज्य में कानून-व्यवस्था के सर्वोच्च पद पर उनकी ताजपोशी के साथ ही थाना समेत राजनीतिक गलियारों में गहमागहमी बढ़ गयी है. नए पुलिस प्रमुख के रूप में नियुक्त जी.एस. मलिक को विशाल प्रशासनिक अनुभव वाले एक अनुशासित, निडर अधिकारी के रूप में जाना जाता है। उन्होंने पहले भी प्रदेश के कई संवेदनशील

जिलों और महत्वपूर्ण पुलिस विभागों में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं देकर अपराधियों में खौफ पैदा किया है. वह विशेष रूप से प्रशासनिक मशीनरी पर अपनी पकड़ और कानूनों को सख्ती से लागू करने के लिए जाने जाते हैं। अब जब वह गुजरात पुलिस के शीर्ष पद की जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं तो उम्मीद है कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूत होगी. जी. एस. मलिक के सामने भविष्य में भी कई बड़ी चुनौतियां हैं. राज्य में बढ़ते साइबर अपराध, ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़, महिला सुरक्षा और समुद्री सीमाओं की कड़ी सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सभी की निगाहें उनके प्रदर्शन पर होंगी। इसके अलावा पुलिस प्रशासन में आधुनिकीकरण लाना और आम जनता का पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत करना भी उनकी प्राथमिकता होगी. राज्य सरकार के इस फैसले से पुलिस विभाग में एक नया उत्साह देखने को मिल रहा है. यह देखना दिलचस्प होगा कि नए डीजीपी के नेतृत्व में गुजरात पुलिस किस तरह अपराध पर नकेल कसेगी और शराब तस्करों और माफियाओं पर नकेल कसेगी. पक्को गुजरात समाचार नए डीजीपी जी.एस. उन्होंने मलिक को शीर्ष पद संभालने के लिए बधाई दी और उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में गुजरात सुरक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुएगा।

करजन पुलिस ने नबीरस की दहाड़ से वाहनों की हवा साफ की, 185 वाहनों से काली फिल्म हटाई गई.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कर्जन/वडोदरा। वड़ोदरा की कर्जन पुलिस ने कानून की धज्जियां उड़ाने वाले और अपनी लग्जरी कारों की खिड़कियों पर काली फिल्म लगाकर सड़कों पर नारे लगाने वाले नबीरों पर लाल नजर रख दी है। करजन राजमार्ग और उसके आसपास यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले मोटर चालकों को सबक सिखाने के लिए पुलिस ने एक बड़ा और आश्चर्यजनक मेगा ड्राइव अभियान चलाया। इस सख्त अभियान के दौरान पुलिस ने पुलिस बुलाकर सड़क पर चल रहे एक-दो नहीं बल्कि सभी 185 वाहनों से सार्वजनिक तौर पर काली फिल्म उतरवाई। काफी समय से कर्जन पंथक में कुछ दुष्ट नबीरा अपनी आलीशान कारों के शीशे पर प्रतिबंधित काली फिल्म लगाकर कानून का उल्लंघन करते थे। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए करजण पुलिस टीम ने अलग-अलग प्वाइंट पर लोहे की नाकेबंदी कर दी थी. जब भी काली फिल्म लगी कोई कार सामने आती, पुलिस उसे उसके सम्मान स्थान पर ले आती, मौके पर ही जुर्माना वसूल करती और शीशे से काली पट्टियां उतार देती। पुलिस की इस सिंघम मार्का कार्रवाई को देख कुछ प्रमुख वाहन चालकों ने अपने सिफारिशी फोन मिलाने का प्रयास किया, लेकिन खाकी के सख्त रुख के आगे उनकी एक न चली। काली फिल्म हटाने के साथ-साथ, पुलिस ने अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने, सीट बेल्ट न पहनने और बिना लाइसेंस के गाड़ी चलाने वाले ड्राइवरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की। करजन पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से कानून को जेब में लेकर घूमने वाले तत्वों में हड़कंप मच गया है. पाक्को गुजरात न्यूज़ तंत्र के इस साहसिक और प्रशंसनीय कार्य की सराहना करता है। सड़कों पर आम जनता की सुरक्षा के लिए ऐसी सतहों पर बार-बार बोलना चाहिए, ताकि कोई नबीरो इस भ्रम में न रहे कि वह कानून से ऊपर है।

दामाद के आंगन में जली बहू की चिता, दहेज दानवों के खिलाफ एक बेबस पिता का कांप उठा आक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। हमारे तथाकथित आधुनिक समाज को अंदर से झकझोर देने वाली और पत्थर दिल इंसान को भी रुला देने वाली एक बेहद हृदयविदारक और गंभीर घटना सामने आई है। एक बेबस और गुस्से से भरे पिता ने अपनी बेटी का अंतिम संस्कार और दाह संस्कार कहीं और नहीं, बल्कि अपने ही ससुराल यानी दामाद के घर के मुख्य द्वार पर किया है. दामाद के आँगन में यह दाह-संस्कार न केवल एक पिता के गुस्से का प्रतीक है, बल्कि इस क्रूर समाज के मुँह पर तमाचा है जहाँ बेटियों को दहेज के भूखे ससुराल वाले और घरेलू हिंसा के कारण मार डाला जाता है। दामाद के आंगन में जल रही चिता सिर्फ लकड़ी की आग नहीं है, बल्कि एक

पिता के नेक सपनों के उजड़ने और न्याय के लिए पूरी कायनात में गूंजती दर्द की चीख है। जिस बेटी को उसके पिता ने पाल-पोसकर बड़ा किया था और उसके ससुर ने उसे गोद लिया था, उसे दहेज की वेदी पर बलि चढ़ा दिया गया। दहेज के कारण अपनी लाडली बेटी को खोने वाले पिता का यह आक्रोश और बेबसी देखकर हर संवेदनशील व्यक्ति का दिल पिघल गया है। ससुराल की दहलीज पर लगी ये आग पूरी व्यवस्था और कानून पर सवाल उठा रही है. दिल दहला देने वाली यह घटना आज पूरे देश और समाज के सामने एक ज्वलंत प्रश्न खड़ा करती है कि क्या वाकई एक बेटी की जिंदगी इतनी सस्ती है कि चंद रुपयों और कार-बंगले के दहेज के लिए उसकी जान ले ली जाए? लड़कियों को दहेज और घरेलू हिंसा का शिकार बनने से रोकने के लिए अब केवल कागज पर बने कानून से काम नहीं चलेगा। यह सामाजिक प्रदूषण तब तक रुकने वाला नहीं है जब तक ऐसे दरिंदे सास-ससुर और दामादों से भरी अदालत में त्वरिततम मुकदमा चलाकर फांसी नहीं दी जाती।

हिम्मतनगर में 74 करोड़ की लागत से बने डिस्ट्रिक्ट जस्टिस मंदिर का उद्घाटन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। हिम्मतनगर में 74 करोड़ की लागत से बने डिस्ट्रिक्ट जस्टिस कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन हुआ, एक साथ 18 कोर्ट। डिप्टी चीफ मिनिस्टर हर्ष सांघवी ने वर्चुअल तरीके से हिम्मतनगर में 74 करोड़ की लागत से बने डिस्ट्रिक्ट जस्टिस मंदिर की पट्टिका का अनावरण किया। शिक्षा मंत्री और जिले के इंचार्ज मंत्री प्रद्युम्न वाजा, गुजरात हाई कोर्ट के सीनियर जज ए.वाई. कोगजे और साबरकांठा जिले के एडमिनिस्ट्रेटिव जज हेमंत प्रच्छक मौजूद थे। नई बनी बिल्डिंग में एक साथ 18 कोर्ट चल सकेंगी। डिप्टी चीफ मिनिस्टर हर्ष सांघवी ने वर्चुअल संबोधन में कहा कि राज्य के दूसरे कोर्ट के मुकाबले साबरकांठा में 10 साल से पुराने सिर्फ 55 केस पेंडिंग हैं। उन्होंने वकीलों से अपील की कि वे ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में सहयोग करें और पीड़ितों को जल्दी न्याय दिलाने के लिए अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाएं। शिक्षा मंत्री और इंचार्ज मंत्री प्रद्युम्न वाजा ने कहा कि यह स्टेट-ऑफ-द-आर्ट बिल्डिंग सोलर पैनल से लैस है जो पर्यावरण के प्रति कमिटमेंट दिखाता है। गुजरात हाई कोर्ट के सीनियर जज ए.वाई. कोगजे ने कहा कि बिल्डिंग में रोज़ाना इस्तेमाल होने वाले अनुमानित 50 से 75 हज़ार लीटर पानी को रीसायकल करके गार्डन में दोबारा इस्तेमाल करने का सुझाव दिया गया। गुजरात हाई कोर्ट के जज हेमंत प्रच्छक ने कहा कि यह नया कॉम्प्लेक्स स्टेट-ऑफ-द-आर्ट सुविधाओं जैसे शुद्ध पानी, महिलाओं के बैठने की व्यवस्था, बच्चों के लिए घोड़ों के अस्तबल और विकलांगों के लिए रैंप से लैस है। जहां धर्म है, वहां जीत पक्की है।

सरदारपुर में भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट द्वारा विशाल निःशुल्क मोतियाबिंद निवारण शिविर संपन्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सरदारपुर/धार। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट, चोइथराम नेत्रालय इंदौर एवं जिला अंधत्व निवारण समिति धार के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय सिविल अस्पताल में एक दिवसीय विशाल निःशुल्क मोतियाबिंद निवारण एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर की मुख्य विशेषताएं:

पंजीकरण: कुल 204 मरीजों की ओपीडी दर्ज कर नेत्र जांच की गई।

ऑपरेशन हेतु चयन: परीक्षण के उपरांत मोतियाबिंद से ग्रसित 56 मरीजों को निःशुल्क ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण हेतु चयनित किया गया।

पूर्ण निःशुल्क सेवा: चयनित मरीजों को विशेष बस द्वारा चोइथराम नेत्रालय, इंदौर भेजा गया, जहाँ उनके ऑपरेशन, लेंस, आवास, भोजन एवं परिवहन की व्यवस्था पूर्णतः निःशुल्क रहेगी।

तकनीकी सहयोग: नेत्र चिकित्सा सहायक श्री सतीश पाराशर द्वारा जांच की गई। संचालन में डॉ. नितिन जोशी, डॉ. अनिल पाटीदार, डॉ. प्रकाश मारु, डॉ. अरुण मोहरानी एवं डॉ. आयुषी मित्तल ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

प्रमुख उपस्थिति:

कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रेम कुमार वैद्य (राष्ट्रीय संयोजक), राजेन्द्र कुमार जैन (राष्ट्रीय सलाहकार), महेश कुमार वर्मा (प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष), प्रवीण कुमार शर्मा (संभाग विधि प्रभारी), योगेन्द्र तिवारी (धार जिला अध्यक्ष), कैलाश चंद्र बघेल (जिला सचिव), राजेन्द्र जोशी जिला संयोजक, प्रभुलाल लटियाल (जिला उपाध्यक्ष), दीपक पावेचा (जिला महामंत्री), लक्ष्मण डामेचा (जिला महामंत्री), बुद्धेसिंह पांडर (तहसील अध्यक्ष), सीता शर्मा (तहसील अध्यक्ष), साधना उपाध्याय (तहसील सचिव), रामसिंह देवड़ा (कार्यकारिणी सदस्य) एवं धर्मेंद्र उपाध्याय (कार्यकारिणी सदस्य), डॉ. आशीष वैध,कन्हैयालाल यादव सदस्य, सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। नेत्रदान और मोतियाबिंद मुक्त समाज का निर्माण हमारा मुख्य लक्ष्य है। सभी डॉक्टरों, स्वयंसेवकों और प्रशासन के सहयोग का परिणाम है। हम भविष्य में भी स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रखेंगे।'

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल अर्जुनी के नेतृत्व में पर्यावरण दिवस मनाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जम्मू। एक तरफ जहां देश के लिए अपनी जान न्यौछावर करने वाले देशभक्तों के गुण गाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ प्रशासनिक तंत्र की गंभीर निष्क्रियता और असंवेदनशीलता का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर किसी भी नागरिक का खून खौल उठता है। जम्मू के सिधरा इलाके में वन विभाग ने 60 साल पुरानी बस्ती पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया है. सरकार की इस कार्रवाई में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जो परिवार सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आतंकियों के खिलाफ लड़े, आज वे अपने ही देश में बेघर हैं और खुले आसमान के नीचे आ गए हैं. इस भयानक त्रासदी के प्रतीक 80 वर्षीय अब्दुल रजक अब बेहद असहाय और उदास अवस्था में अपने टूटे हुए घर के खंडहर के पास बैठे नजर आ रहे हैं. वर्ष 2001 में जब कश्मीर में आतंकवाद चरम पर था तो आतंकवादियों के डर और हिंसा के कारण वह अपनी जान बचाने के लिए सब कुछ छोड़कर जम्मू आ गये। उन्होंने जम्मू के सिधरा इलाके में शरण ली और एक छोटा सा घर बनाया। उन्हें यहां रहते हुए लगभग 25 वर्ष बीत गये थे। लेकिन 19 मई को, वन विभाग के अधिकारियों ने अचानक सरकारी बुलडोजर के एक बड़े बेड़े के साथ हमला किया और कुछ ही समय में अब्दुल रजक सहित लगभग 25 परिवारों के आश्रय को जमींदोज कर दिया। पूरा विवाद तब और गंभीर हो गया जब इस मामले पर सरकार के मंत्री से सवाल किया गया. मंत्री ने बेहद हैरान करने वाला बयान देते हुए कहा कि उन्हें खुद नहीं पता कि आखिर इस बस्ती को तोड़ने का आदेश किसने दिया. मंत्री के इस गैरजिम्मेदाराना बयान के बाद स्थानीय लोगों और पीड़ितों में काफी गुस्सा है. जिन लोगों ने आतंकवाद के कठिन दौर में भारतीय सेना की मदद की, आतंकवादियों से लोहा लिया, आज उन्हीं को प्रशासनिक व्यवस्था के बेढंगे आदेशों का शिकार होना पड़ रहा है। वन विभाग की इस कठोर कार्रवाई से प्रभावित परिवार सड़कों पर उतर आए हैं और न्याय की गुहार लगा रहे हैं. पक्को ने गुजरात समाचार तंत्र से सवाल पूछा कि देशभक्तों के साथ यह कैसा न्याय है?

प्रशासन चैन की नींद सो रहा है या मिलीभगत है? गणपतपुरा से कुराली चौकड़ी तक रोज़ाना गैर-कानूनी लकड़ी के काले धंधे की सर्विस!

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

करजण। एक तरफ गुजरात सरकार ग्रीन गुजरात के बड़े-बड़े दावे कर रही है और पर्यावरण बचाने के ढिंढोरा पीट रही है, वहीं दूसरी तरफ वडोदरा जिले के करजण तालुका में सरकारी अधिकारियों की नाक के नीचे प्रकृति की खुलेआम हत्या होने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। करजण तालुका में गणपतपुरा चौकड़ी से कुराली चौकड़ी तक सड़क पर रोज़ाना गैर-कानूनी लकड़ी से लदी गाड़ियों की सर्विस ऐसे चल रही है जैसे कानून का कोई डर ही न हो। लोकल सोर्स से मिली चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, गणपतपुरा से कुराली चौकड़ी तक सड़क पर हर दिन देसी बबूल और दूसरी बैन लकड़ियों से लदी गाड़ियां चलती दिखती हैं। इस इलाके में बिना परमिशन के बड़े पैमाने पर गैर-कानूनी कटाई हो रही है। इस काले धंधे में लोकल लेवल पर जशुभाई नाम के एक बड़े लकड़ी व्यापारी की भूमिका शक के घेरे में आ गई है। चर्चा है कि इस व्यापारी ने सिस्टम में मिलावट कर ली है और बिना किसी के डर के यह गैर-कानूनी काम कर रहा है।

1. क्या करजन तालुका के मामलतदार को इस गंभीर मामले की जानकारी नहीं है?

2. अगर एडमिनिस्ट्रेशन को पता है, तो आज तक कोई सख्त एक्शन क्यों नहीं लिया गया?

3. क्या लकड़ी माफिया और अधिकारियों के बीच कोई रहस्यमयी सांठगांठ है?

4. एनवायरनमेंट को नुकसान पहुंचाने वाली यह गैर-कानूनी पेड़ों की कटाई आखिर कब रुकेगी?

एडमिनिस्ट्रेशन चुप क्यों है? जनता में बहुत गुस्सा है। लकड़ी से लदी दिन-रात दौड़ती ये गाड़ियां आम लोगों को दिख रही हैं, तो फिर फॉरेस्ट डिपार्टमेंट और करजण ममलतदार एडमिनिस्ट्रेशन, जो उगाही की सुस्ती में डूबा हुआ है, उन्हें ये क्यों नहीं दिख रहे? या गाड़ियों को निकलने देने के पीछे कोई बड़ा एडमिनिस्ट्रेशन है? स्थानीय जनता में अभी बहुत गुस्सा है। अगर करजण ममलतदार और बड़े अधिकारी इस मामले में तुरंत कदम नहीं उठाते और कानूनी कार्रवाई करके जांच का आदेश नहीं देते, तो पर्यावरणविदों और स्थानीय निवासियों ने उग्र आंदोलन करने की धमकी दी है। अब देखना यह है कि ममलतदार साहब इस कुंभकर्णी नींद से कब जागेंगे और अवैध लकड़ी के व्यापारियों पर आंखें मूंद लेंगे!

हनी ट्रैप का भंडाफोड़: प्रियंका उर्फ पीयू के कई अमीर लोग जादू के जाल में फंसे,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुर/राजकोट। जेतपुर पुलिस ने सौराष्ट्र के व्यापारियों, निर्माताओं और उद्योगपतियों से लाखों रुपये की ठगी करने वाले एक शातिर हनी-ट्रैप गिरोह का भंडाफोड़ किया है। अमीर अधेड़ उम्र के पुरुषों को निशाना बनाकर उन्हें प्रेम जाल में फंसाने और रेप जैसे संगीन पुलिस केस में फंसाने की धमकी देने वाले गैंग की मास्टरमाइंड महिला को पुलिस ने सलाखों के पीछे डाल दिया है. पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से पूरे मंडल में हड़कंप मच गया है. इस पूरी चौंकाने वाली घटना के विवरण के अनुसार, इस हनी-ट्रैप गिरोह के खिलाफ कुछ दिन पहले ही जेतपुर सिटी पुलिस स्टेशन और जामकंदोराना पुलिस स्टेशन में दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए थे। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तकनीकी और मानवीय जानकारी के आधार पर जांच की झड़ी लगा दी. जिसमें पुलिस ने साजिश की मुख्य आरोपी प्रियंका उर्फ ??पीयू हंसराजभाई गिनोया (निवासी कलावड, जामनगर) को गिरफ्तार कर लिया है। इन दोनों मामलों में पुलिस को अब तक कुल 11 लोगों को हिरासत में लेने में बड़ी सफलता मिली है. इस गिरोह की कार्यप्रणाली इतनी योजनाबद्ध थी कि कोई भी आसानी से इनके जाल में फंस सकता था। गिरोह के लोग गूगल या शॉप बोर्ड से किसी भाग्यशाली व्यवसायी या निर्माता का मोबाइल नंबर प्राप्त कर लेते थे। फिर मुख्य आरोपी प्रियंका उर्फ पीयू नंबर पर कॉल कर कारोबारियों को मीठी-मीठी बातों से अपने प्यार में फंसाती थी। एक बार जब कारोबारी बातचीत में लग गए तो उसे एकांत जगह पर मिलने के लिए बुलाया गया। प्लान के मुताबिक, प्रियंका की जगह गैंग की कोई और लड़की वहां पहुंच रही थी. जैसे ही व्यवसायी वहां पहुंचा, गिरोह के चार-पांच अन्य सदस्य वहां टूट पड़े. वे व्यवसायियों के साथ बेरहमी से मारपीट कर, उन्हें समाज में बदनाम करने और बलात्कार के मामले में फंसाने की धमकी देकर लाखों रुपये वसूलते थे। यह गिरोह पहले मोरबी, राजकोट, जेतपुर, वांकानेर और जूनागढ़ के बेसन में कई व्यापारियों को अपना शिकार बना चुका है।

जन अभियोग एवं सतर्कता समिति में मनोनयन पर भाजपा नेता रमेश सोनी का भव्य स्वागत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति के सदस्य पद पर मनोनीत होने पर भाजपा नेता रमेश सोनी (पुनासा) का भाजपा भीनमाल नगर मंडल की बैठक में गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके मनोनयन पर खुशी जाहिर की।

वरिष्ठ नेताओं ने पहनाया साफा और माला

बैठक के दौरान पूर्व विधायक पूराराम चौधरी, जिला मंत्री भरतसिंह भोजाणी, जिला मंत्री महेंद्र सोलंकी, नगराध्यक्ष प्रवीण एम. दवे सहित भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने रमेश सोनी को साफा पहनाकर और माल्यार्पण कर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। क्षेत्र के विकास और जनहित को मिलेगा बल पूर्व विधायक पूराराम चौधरी बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि रमेश सोनी का इस महत्वपूर्ण समिति में मनोनयन होना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। पूर्व विधायक पूराराम चौधरी ने विश्वास जताया कि सोनी आमजन की समस्याओं के निराकरण एवं जनहित के मुद्दों को प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाने का कार्य करेंगे, जिससे क्षेत्र के लोगों को राहत मिलेगी। इस भव्य सम्मान से अभिभूत होकर रमेश सोनी ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन और सरकार ने मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन मैं पूरी निष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता से करूँगा। आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मैं सदैव तत्पर और संघर्षशील रहूँगा। इस बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

BJP ने हाईकमान स्टाइल में फिर चौंकाया, चारों राज्यसभा उम्मीदवार बिल्कुल अनजान चेहरे, तीन का RSS कनेक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

गांधीनगर/दिल्ली। इस समय की सबसे बड़ी और दूर तक असर डालने वाली पॉलिटिकल खबर गुजरात की पॉलिटिक्स से सामने आ रही है। अपने फैसलों से हमेशा पॉलिटिकल पंडितों को हैरान करने वाली भारतीय जनता पार्टी ने इस बार राज्यसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों का ऐलान करके सबको चौंका दिया है। BJP हाईकमान ने इस बार गुजरात से जिन चार राज्यसभा उम्मीदवारों का ऐलान किया है, उनके नाम आम जनता और मीडिया को बिल्कुल नहीं पता। इस पूरी लिस्ट में सबसे बड़ा शॉक यह है कि घोषित किए गए चार उम्मीदवारों में से तीन के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी RSS से बहुत गहरे कनेक्शन हैं। BJP के इस नए गठबंधन ने पार्टी के अंदरूनी हलकों में भी हलचल मचा दी है। अगर इस नई लिस्ट के जातिगत समीकरणों को देखें तो BJP ने इस बार एक बड़ा एक्सपेरिमेंट किया है। गुजरात की पॉलिटिक्स में सालों से दबदबा रखने वाले पाटीदार समुदाय का इस बार सफाया हो गया है। पाटीदारों की जगह BJP ने इस बार OBC कार्ड खेला है और OBC वोट बैंक को सेंटर में रखकर टिकट बांटे हैं। इसके अलावा, BJP ने आने वाले समय के संगठन को ध्यान में रखते हुए पूरी यूथ ब्रिगेड को मैदान में उतारा है। टिकट बंटवारे के इस पैटर्न को देखकर, हाईकमान ने 50 साल की उम्र पार कर चुके और पार्टी में खुद को सीनियर बताने वाले नेताओं को बहुत साफ और कड़ा मैसेज दिया है कि अब पार्टी में सिर्फ परफॉर्मेंस और संघ के प्रति वफादारी ही चलेगी। पॉलिटिकल एनालिस्ट का मानना है कि इस लिस्ट के पीछे BJPका बहुत बड़ा मास्टर प्लान छिपा है। यह लेटेस्ट स्ट्रैटेजी खासकर सौराष्ट्र की प्रतिष्ठित सोमनाथ विधानसभा सीट और उसके आस-पास के इलाकों में पार्टी को मजबूत करने के लिए बनाई गई है। BJP OBC चेहरों को आगे करके सोमनाथ सीट पर अपना गणित साधना चाहती है। चारों उम्मीदवारों के नाम ऐसे हैं जिनकी किसी ने कभी कल्पना भी नहीं की थी, जिससे पता चलता है कि BJP ने अब ऑफिशियली पुरानी पीढ़ी के बजाय एक नई और संघर्षशील युवा पीढ़ी को लीडरशिप सौंपना शुरू कर दिया है। पाक्को गुजरात न्यूज़ टीम इस बात पर कड़ी नज़र रखेगी कि यह हैरान करने वाला चुनाव आने वाले चुनावों पर क्या असर डालता है।

कृष्णा तिवारी, भायंदर में आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर में 90 से अधिक लोग लाभान्वित,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भायंदर / मुंबई। आंखें ईश्वर का दिया सबसे अनमोल तोहफा हैं, जिसके बिना दुनिया सिर्फ अंधेरा है। आंखों से ही हम प्रकृति की सुंदरता, अपनों का प्यार और जीवन के रंग देख पाते हैं। आंखें दिल का आईना हैं, जो बिना बोले ही मन के सारे भाव बता देती हैं। आंखों के प्रति एक पल की लापरवाही भी रोशनी छीन सकती है, इसलिए इनकी नियमित देखभाल और समय-समय पर जांच बेहद जरूरी है क्योंकि आंखें हैं तो जहान है। यह प्रेरक संदेश सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन यूथ सोशल वेलफेयर एसोसिएशन (यूथ फोरम) द्वारा भायंदर वेस्ट स्थित संगीता कॉम्प्लेक्स में आयोजित दृष्टि 'विजन फॉर ऑल' कार्यक्रम में कृष्णा तिवारी ने व्यक्त किए। इस विशेष चिकित्सा शिविर का आयोजन स्वर्गीय सोहनबाई मोहनराज बंबोरी की तृतीय पुण्यतिथि के स्मृति अवसर पर किया गया था। शिविर में भक्तिवेदांत हॉस्पिटल के सहयोग से 90 से अधिक लोगों की ओपीडी जांच की गई, जिसमें से डॉक्टरों की सलाह पर 15 जरूरतमंद मरीजों का निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किया गया। इसके साथ ही 50 लोगों की थायराइड जांच भी की गई। शिविर के दौरान कस्तूरी हॉस्पिटल द्वारा डायबिटीज व ब्लड प्रेशर तथा खुशी डेंटल द्वारा दांतों की निशुल्क जांच की गई। इस सफल आयोजन में रमेश बंबोरी, हरीश अण्णा, उषा कनोजिया, मंजुला बसाक सहित दुर्गा वडे, अमोल पाटिल, रासिका पवार और राहुल राय जैसे अनेक सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने अपनी सक्रिय सेवाएं दीं।

भरूच में स्कूल बस ड्राइवर नशे में पकड़ा गया: स्टूडेंट्स की सुरक्षा पर गंभीर सवाल, पेरेंट्स में चिंता और गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। स्थानीय संघ भीनमाल के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से एक वृहद पौध संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह भव्य आयोजन पुलिस उप अधीक्षक शंकर लाल मंसूरिया के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सैन समाज भीनमाल के भोमाराम सैन, दिनेश कुमार दवे, राजेंद्र वैष्णव, जबराराम भाटी और स्थानीय संघ के सचिव डॉ. घनश्याम व्यास विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण को बचाने के संकल्प के साथ विभिन्न प्रजातियों के पौधों का वितरण किया गया और उपस्थित आमजन को उनके संरक्षण की जिम्मेदारी सौंपते हुए शपथ दिलाई गई। भावाराम चौधरी एवं जेपाराम चौधरी धोरिया की उपस्थिति में मुख्य अतिथि पुलिस उप अधीक्षक शंकर लाल मंसूरिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी और अनिवार्य आवश्यकता है। वृक्षारोपण से न केवल प्रकृति और पर्यावरण का संतुलन बना रहता है, बल्कि यह हमारी आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण प्रदान करने का एकमात्र जरिया है। उन्होंने भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ भीनमाल, विप्र फाउंडेशन और अखिल भारतीय श्री महाकवि माघ विकास संस्थान के संयुक्त प्रयासों की सराहना करते हुए इसे जन-जागरूकता के क्षेत्र में एक अत्यंत प्रेरणादायक पहल बताया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए प्रकल्प प्रभारी दिनेश कुमार दवे के नेतृत्व में एक व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ के सचिव डॉ. घनश्याम व्यास ने बताया कि इस अभियान के तहत उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा सिंगल-यूज प्लास्टिक के प्रदूषण को कम करने के संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी राजेंद्र वैष्णव और जबराराम भाटी ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए व्यवस्थाओं को संभाला। कार्यक्रम में भगवती (आशा सहयोगिनी भीनमाल), चम्पा फुलवरिया, पुष्पा देवी, कंचन देवी, सरिता, सीता सहित बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दिल्ली संत महामंडल की बैठक में बड़ा फैसला, जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि नंद गिरि महाराज सर्वसम्मति से राष्ट्रीय महामंत्री निर्वाचित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी नई दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित ऐतिहासिक अखिल भारत हिंदू महासभा भवन में दिल्ली संत महामंडल की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और उच्च स्तरीय बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस विशेष बैठक की अध्यक्षता सिद्धपीठ श्री दूधेश्वरनाथ मठ महादेव मंदिर,जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता तथा दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूज्य श्रीमहंत नारायण गिरि जी महाराज ने की। बैठक में दिल्ली-एनसीआर सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आए शीर्ष संतों, महात्माओं और धर्माचार्यों ने हिस्सा लिया। इस दौरान सर्वसम्मति से एक बड़ा फैसला लेते हुए जगद्गुरु सनातन सम्राट परम पूज्य स्वामी चक्रपाणि नंद गिरि जी महाराज को दिल्ली संत महामंडल का नया राष्ट्रीय महामंत्री निर्वाचित किया गया। श्रीमंत नारायण गिरी जी महाराज ने बैठक में विधिवत रूप से स्वामी चक्रपाणि जी महाराज के नाम की घोषणा की, जिसके बाद उपस्थित संत समाज ने पुष्पवर्षा, माल्यार्पण और हर-हर महादेव, जय श्रीराम तथा सनातन धर्म की जय के गगनभेदी उद्घोषों के साथ उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि जी महाराज ने कहा कि स्वामी चक्रपाणि जी श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख पक्षकार रहे हैं और उनका नया दायित्व पूरे संत समाज के लिए गौरव की बात है। महामंडलेश्वर पूज्य नवल किशोर दास जी महाराज ने भी इस निर्णय को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन को एक नई वैचारिक शक्ति मिलेगी। अपने संबोधन में नवनिर्वाचित राष्ट्रीय महामंत्री जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि नंद गिरि जी महाराज ने भावुक होते हुए संगठन के 26 वर्ष पुराने सफर को याद किया। उन्होंने कहा कि संतों का कर्तव्य केवल उपदेश देना नहीं, बल्कि राष्ट्र, धर्म, गौ और संस्कृति की रक्षा के लिए जमीनी स्तर पर संगठित प्रयास करना है। बैठक के दौरान देशहित और सनातन समाज से जुड़े कई क्रांतिकारी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए और इन्हें जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजने की घोषणा की गई।

आशिक का संगठित अपराध, एकतरफा प्यार, ऑफिस में घुसकर पूर्व प्रेमिका को 35 सेकेंड में 30 बार चाकू मारा,

मोहाली/पंजाब। प्यार में ब्रेकअप के बाद 'तुम मेरे नहीं, किसी के नहीं' की विकृत और हिंसक मानसिकता वाले युवा समाज के लिए कितने खतरनाक साबित हो सकते हैं, इसका एक चौंकाने वाला मामला पंजाब के मोहाली से सामने आया है। मोहाली के फेज-11 इलाके में एक प्राइवेट कंपनी में काम करने वाली डिंपल नाम की लड़की की उसके पूर्व प्रेमी हरजिंदर ने ऑफिस में घुसकर चाकू मारकर बेरहमी से हत्या कर दी है। हमला इतना भयानक था कि आरोपी ने महज 35 सेकेंड के अंदर लड़की की गर्दन और शरीर पर 30 से ज्यादा वार किए, जिससे वह लहूलुहान हो गई. पुलिस की शुरुआती जांच और सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, मृतक डिंपल और आरोपी हरजिंदर दोनों पिछले तीन साल से एक पैकर्स एंड मूवर्स कंपनी में साथ काम कर रहे थे. साथ काम करने के साथ-साथ दोनों के बीच दोस्ती हुई और बात प्यार तक पहुंच गई। हालांकि कुछ समय पहले किसी वजह से दोनों का ब्रेकअप हो गया। ब्रेकअप के बाद आरोपी हरजिंदर मानसिक रूप से टूट गया और दोबारा डिंपल से रिश्ता सुधारने का दबाव बनाता रहा, लेकिन डिंपल ने उससे रिश्ता रखने से साफ इनकार कर दिया। इसी गुस्से और दुश्मनी में आरोपी गुरुवार देर शाम करीब 7:30 बजे ऑफिस पहुंच गया. दोनों के बीच तीखी बहस हुई और हरजिंदर ने गुस्से में आकर अपने पास छुपाकर रखा तेज चाकू निकाला और डिंपल पर जानलेवा हमला कर दिया। इससे पहले कि ऑफिस के अन्य कर्मचारी कुछ समझ पाते या बीच-बचाव कर पाते, नराधम ने डिंपल की हत्या कर दी. इस खूनी खेल को खेलने के बाद आरोपी ने अपनी गर्दन पर चाकू मारकर आत्महत्या करने की कोशिश की. घटना की सूचना मिलते ही फेज-11 थाने के स्ाह अमन बेदवान पुलिस बेड़े और फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे. दोनों को गंभीर हालत में फोर्टिस अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने लड़की को मृत घोषित कर दिया, जबकि आरोपी की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने घटनास्थल से सभी जरूरी वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं और लड़की के परिजनों का बयान दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की है. इस वीभत्स हत्या के वीडियो ने सोशल मीडिया और कानून प्रवर्तन क्षेत्र में हंगामा मचा दिया है।

आज का राशिफल

7 जून 2026 | रविवार

1 मेष (Aries)
आज का दिन आपके लिए ऊर्जा से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके विचारों की सराहना होगी और रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी, लेकिन अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

2 वृषभ (Taurus)
आर्थिक मामलों में आज आपको सावधानी बरतने की जरूरत है। किसी भी बड़े निवेश से पहले अच्छी तरह सोच-विचार कर लें। जीवनसाथी के साथ समय बिताने से आपसी रिश्ते मजबूत होंगे।

3 मिथुन (Gemini)
आज आपको कुछ नए अवसर मिल सकते हैं, जो भविष्य में लाभदायक साबित होंगे। छात्रों के लिए दिन अनुकूल है। मन को शांत रखने के लिए ध्यान या योग का सहारा लेना फायदेमंद रहेगा।

4 कर्क (Cancer)
पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने से मन प्रसन्न रहेगा। कार्यस्थल पर सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे काम का दबाव कम महसूस होगा।

5 सिंह (Leo)
आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कोई भी नया काम शुरू करने के लिए दिन शुभ है। व्यापार में तरक्की के योग बन रहे हैं। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें ताकि किसी से बेवजह का विवाद न हो।

6 कन्या (Virgo)
आज आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा। करियर में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुल सकते हैं। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है, इसलिए खान-पान पर विशेष ध्यान दें।

7 तुला (Libra)
आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहेगा। किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय को लेने से पहले अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें। रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी।

8 वृश्चिक (Scorpio)
आज कार्यक्षेत्र में आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन आप अपनी सूझबूझ से उन्हें पार कर लेंगे। दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी। अचानक धन लाभ होने के योग हैं।

9 धनु (Sagittarius)
आज आपको दिन अध्यात्म और धार्मिक कार्यों में बीत सकता है। यात्रा के योग बन रहे हैं, जो आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें और किसी भी बहस में पड़ने से बचें।

10 मकर (Capricorn)
आज आपको अपने भविष्य की योजनाओं पर काम करने का मौका मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन या शुभ समाचार मिल सकता है। परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा।

11 कुंभ (Aquarius)
सामाजिक कार्यों में आज आपकी हिस्सेदारी बढ़ेगी, जिससे मान-सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं। सेहत में सुधार देखने को मिलेगा।

12 मीन (Pisces)
आज आपके खर्चे बढ़ सकते हैं, इसलिए बजट बनाकर चलना बेहतर रहेगा। किसी पर भी आँख बंद करके भरोसा न करें। रचनात्मक सोच से आपको काम में सफलता मिलेगी।

टिप्पणी: सकारात्मक सोच और मेहनत से आज का दिन आपके लिए शुभ और फलदायक रहेगा।

मिलावट-मुक्त भारत से ही विकसित भारत संभव

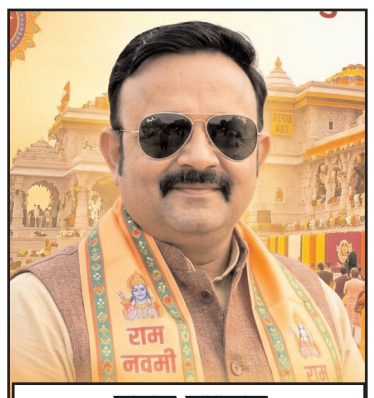

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

भारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है।

हर वर्ष 7 जून को मनाया जाने वाला विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस केवल सुरक्षित भोजन की आवश्यकता का स्मरण कराने वाला दिवस नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण, आर्थिक समृद्धि और सतत विकास के लिए एक वैश्विक संकल्प का अवसर भी है। वर्ष 2026 की थीम 'खाद्य सुरक्षाः विज्ञान की सक्रिय भूमिका' इस बात पर बल देती है कि विज्ञान, अनुसंधान, तकनीक और प्रभावी निगरानी प्रणालियों के माध्यम से ही सुरक्षित खाद्य व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन विडम्बना यह है कि भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में खाद्य पदार्थों, दवाइयों और दैनिक उपभोग की वस्तुओं में बढ़ती मिलावट इस लक्ष्य को गंभीर चुनौती दे रही है। मिलावट केवल खाद्य सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, यह राष्ट्र के स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, नैतिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ विषय है। जिस देश को विश्वगुरु और विकसित भारत बनने का सपना है, वहां यदि दूध, घी, मावा, मसाले, अनाज, मिठाइयां, फल-सब्जियां और यहां तक कि जीवनरक्षक दवाइयां भी मिलावट की शिकार हों, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है।

भारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है। पिछले वर्षों में विभिन्न राज्यों में नकली अथवा घटिया दवाओं के सेवन से अनेक लोगों की मृत्यु और गंभीर स्वास्थ्य संकट की घटनाएं सामने आईं। राजस्थान के कोटा सहित कई स्थानों पर ऐसी खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। जब जीवन बचाने वाली दवा ही मौत का कारण बनने लगे, तब यह केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

मिलावट का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। कैंसर, किडनी रोग, हृदय रोग, यकृत संबंधी विकार, हार्मोन असंतुलन, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में स्वास्थ्य समस्याएं तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी अनेक गंभीर समस्याओं का संबंध दूषित एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों से जुड़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षित भोजन के कारण हर वर्ष करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं। भारत में भी स्वास्थ्य पर पड़ने वाला यह बोझ लगातार बढ़ रहा है। किन्तु मिलावट का संकट केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रहार करता है। जब किसी देश के खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता संदिग्ध हो जाती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है। निर्यात घटता है, विदेशी निवेश प्रभावित होता है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश पिछड़ जाता है। भारत कृषि उत्पादों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का एक बड़ा केंद्र बन सकता है, लेकिन मिलावट की समस्या उसकी संभावनाओं पर ग्रहण लगा रही है।

इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि मिलावट सामाजिक मूल्यों के क्षरण का प्रतीक बनती जा रही है। कुछ लोग त्वरित लाभ और अधिक मुनाफे की लालसा में दूसरों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। यह केवल आर्थिक भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि नैतिक पतन का भी संकेत है। जब समाज में ईमानदारी और उत्तरदायित्व की भावना कमजोर पड़ती है, तब ऐसे अपराध फलने-फूलने लगते हैं। सरकारों ने समय-समय पर खाद्य सुरक्षा और मानक कानून बनाए हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) सहित अनेक संस्थाएं निगरानी और परीक्षण का कार्य करती हैं। फिर भी जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और कानूनी प्रक्रियाओं की धीमी गति मिलावट के विरुद्ध अभियान को प्रभावी नहीं बनने देती। अनेक मामलों में दोषियों को दंड मिलने में वर्षों लग जाते हैं, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं।

आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें कठोरता और पारदर्शिता के साथ लागू करने की है। खाद्य पदार्थों की नियमित जांच, आधुनिक प्रयोगशालाओं का विस्तार, डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली, त्वरित न्याय व्यवस्था और दोषियों के लिए कठोर दंड आवश्यक हैं। मिलावट को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के विरुद्ध गंभीर अपराध माना जाना चाहिए। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2026 की थीम विज्ञान की भूमिका पर जोर देती है। विज्ञान और तकनीक मिलावट के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार बन सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला, आधुनिक परीक्षण तकनीक, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब तथा उपभोक्ता जागरूकता एप्लिकेशन खाद्य सुरक्षा को नई दिशा दे सकते हैं। वैज्ञानिक निगरानी से उत्पादन से लेकर उपभोग तक हर चरण में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन केवल सरकार या विज्ञान ही इस समस्या का समाधान नहीं कर सकते। समाज और उपभोक्ताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जागरूक नागरिकों को संदिग्ध उत्पादों की शिकायत करनी चाहिए, प्रमाणित उत्पादों का उपयोग करना चाहिए तथा स्थानीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा के प्रति जनजागरण अभियान चलाने चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को भी इस विषय को सामाजिक आंदोलन का रूप देना होगा।

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर यदि हम वास्तव में एक विकसित, स्वस्थ और सम्मानित भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो 'मिलावट-मुक्त भारत' को राष्ट्रीय अभियान बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से व्यापक परिवर्तन लाया, उसी प्रकार मिलावट के विरुद्ध भी राष्ट्रीय चेतना का निर्माण आवश्यक है। भारत की पहचान योग, आयुर्वेद, शुद्ध आहार, नैतिक जीवन-मूल्यों और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की संस्कृति से रही है। यह पहचान तभी सार्थक होगी जब हमारे भोजन, दवाइयों और उपभोग की वस्तुओं में शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। एक ऐसा भारत, जहां भोजन विश्वास का प्रतीक हो, जहां दवा जीवन का संरक्षण करे, जहां व्यापार नैतिकता पर आधारित हो और जहां उपभोक्ता निश्चिंत होकर बाजार से वस्तुएं खरीद सके-वही विकसित भारत का वास्तविक स्वरूप होगा। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस हमें यह संदेश देता है कि सुरक्षित भोजन केवल स्वास्थ्य का अधिकार नहीं, बल्कि मानव गरिमा और राष्ट्रीय विकास की आधारशिला है। यदि हम आज मिलावट के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष का संकल्प लें, तो आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भारत दे सकते हैं। 'शुद्ध आहार, स्वस्थ परिवार, मिलावट-मुक्त भारत, विकसित भारत का आधार', यही 2047 के विकसित भारत की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम होगा और यही विश्व समुदाय के समक्ष भारत को एक आदर्श राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

धीमे जहर के कारोबारी

यह इंसान के पतन की पराकाष्ठा ही है कि समाज में बच्चों, वृद्धों, बीमारों व कमजोर लोगों के स्वास्थ्यवर्धन हेतु डॉक्टर दूध-घी-फल लेने को कहे, लेकिन जब उन्हें ये मिले तो उसमें भारी मिलावट पायी जाए। लोग अस्पतालों में बीमारियों से जूझते अपने परिजनों को शीघ्र ठीक करने के लिये दूध व जूस आदि देते हैं, लेकिन उनमें भी यदि घातक रसायन मिले होंगे, तो वे कैसे ठीक हो सकते हैं?

पिछले दिनों राजस्थान से अलीगढ़ लाया जा रहा सैकड़ों किलो घी बरामद हुआ। हापुड़ में करीब 22 लाख का नकली शहद पकड़ा गया। सोमनाथ में किडनी-लीवर को नुकसान पहुंचाने वाला यूरिया, डिटर्जेंट व कास्टिक सोडा मिला तीन हजार लीटर दूध बरामद होने की खबरें मीडिया में तैरती रहीं। आखिर लोभी मनुष्य के पतन की कोई सीमा भी है? चंद रुपयों के मुनाफे के लिये हम अपना दीन-ईमान बेचने के लिये कैसे तैयार हो जाते हैं? जीवन रक्षक दवा से लेकर खानपान में मिलावट की लगातार आने वाली खबरें विचलित करती हैं कि क्या खाएं और क्या न खाएं। पहले कहा जाता था कि ऊपर वाले से डर के कह रहा हूं। लोगों में नैतिकता का भाव होता था। समाज में धारणा थी कि दूसरों के लिये कुंआ खोदने वाला खुद के लिये खाई खोद रहा होता है। लेकिन आखिर समाज में ऐसा क्या हुआ कि लोगों में दुनिया की रचना करने वाले का भय व लोककल्याण का भाव खत्म हो गया। निश्चय ही ये रामराज जैसा वक्त नहीं है। हर दौर में अच्छे-बुरे लोग होते ही हैं। नकारात्मक सोच व दूसरों को कष्ट देकर खुश होने वाले रुग्ण मानसिकता के लोग हर काल खंड में पाये जाते रहे हैं। लेकिन उनका प्रतिशत कम रहा है। आज तो हर व्यक्ति मुनाफे से रातों-रात धनी हो जाना चाहता है,अब चाहे किसी की जान भी जाए, उसकी बला से। निस्संदेह, ये घटनाएं किसी सभ्य के माथे पर कलंक जैसी ही हैं। हम अक्सर सुनते हैं कि फलों को तुरत-फुरत पकाने वाले रसायनों का जमकर प्रयोग किया जा रहा है। हरी सब्जी व फलों को घातक रसायन से चमकदार बनाया जा रहा है। दरअसल, तुरंत फसल लेने के लिये ऐसे घातक रसायन प्रयोग किए जा रहे हैं, जिन पर तमाम सभ्य समाजों में पूर्ण प्रतिबंध है। लेकिन हमारे देश में ऐसा नियामक तंत्र विकसित ही नहीं हो पाया है, जो ऐसे मामलों में तुरत-फुरत जांच करे और तत्काल मिलावटखोरों को सजा दिलाए। विडंबना यह भी है कि हमारे समाज में स्वयं सेवी संगठन या जागरूक लोग इस गंभीर संकट के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। शासन-प्रशासन से पूछा जाना चाहिए कि हर शहर में मिलावटी सामान की जांच करने वाली लैब की सहज उपलब्धता क्यों नहीं है? जिन विभागों के अधिकारियों के पास जांच-पड़ताल का दायित्व होता है, वे चुप क्यों रहते हैं? दीपावली व अन्य त्योहारों पर जनाक्रोश के चलते कुछ छोटे हलवाइयों पर कार्रवाई होती है, मगर बड़ी मछलियां साफ बच निकलती हैं। क्या इन अधिकारियों की खामोशी में चांदी के जूते की चोट शामिल होती है? यह किसी से नहीं छिपा कि ये मलाईदार पोस्ट कितने लेन-देन के बाद मिलती हैं। राजनेताओं से लेकर अधिकारियों तक को लेन-देन के बाद ही उनकी पांचों उंगलियां घी में होती है। फिर वे भी नियुक्ति में किए गए निवेश की वसूली में जुट जाते हैं। निश्चय ही एक कारगर तंत्र को विकसित किए बिना इस घृणित कारोबार पर लगाम लगना संभव नहीं है। हम जानते हैं कि जब से देश में सीसीटीवी कैमरों का प्रयोग बढ़ा है, लाखों सच सामने आए हैं। अन्यथा ये सच कभी अनावृत न होते। ऐसी ही कोई कारगर तकनीक मिलावट रोकेगी। जयपुर के खाद्य सुरक्षा विभाग ने पिछले दिनों पैकेज्ड फूड आइटम्स पर लिखी एक्सपायरी डेट मिटाने वाले अत्याधुनिक उपकरण बरामद किए।

चिंतन-मन

इच्छाएं जीवात्मा को मोह से बांधे रखती हैं

इंद्रियां, मन और बुद्धि काम-वासना के निवास-स्थान कहे जाते हैं। इनके द्वारा ज्ञान को ढककर काम-वासना जीवात्मा को मोहित करती है। कामरूपी दुश्मन का नाश करने के लिए यह पता होना जरूरी है कि यह रहता कहां है। इसलिए कृष्ण कह रहे हैं कि काम-वासना किसी एक जगह नहीं रहती, बल्कि यह तो हमारे तीनों शरीरों- स्थूल, सूक्ष्म और कारण में निवास करती है। इसकी पकड़ बड़ी मजबूत होती है, इसलिए इसका नाश करना बड़ा मुश्किल है। मिसाल के तौर पर जब काम-वासना इन्द्रियों में जगती है, तब इन्द्रियां बेकाबू हो जाती हैं। जब यह मन में जगती है तो दूसरे काम करते हुए भी मन में काम-वासना के बारे में ही ख्याल चलते रहते हैं। ऐसे वक्ति में दिमाग में केवल काम ही भरी रहती है और बुद्धि दूसरा निर्णय नहीं ले पाती। इसलिए हमारी चेतना की मुख्य जगहों इन्द्रियों, मन और बुद्धि में जैसे ही काम अपना बसेरा डालता है, वहां से ज्ञान गायब हो जाता है। यही वजह है कि बड़े-बड़े ज्ञानियों में भी जब काम उपजता है तो वह उनके ज्ञान को ढक लेता है। काम का मतलब यहां केवल काम-वासना से ही नहीं, बल्कि हमारी अन्य कामनाओं से भी है। कामनाएं या इच्छाएं जीवन भर इंसान का पीछा नहीं छोड़तीं और इस वजह से जीवात्मा का संसार को लेकर मोह बना रहता है।

आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैया के चक्कर में फंसी अर्थ -व्यवस्था

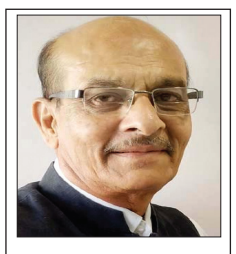

सनत जैन

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर आज देश में एक गंभीर बहस चल रही है। एक पक्ष का मानना है, कि 2004 से 2014 के बीच, विशेषकर 2011 तक, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। उस दौर में भारत की तुलना चीन, अमेरिका, रुस एवं अन्य यूरोपीय देशों के साथ वैश्विक मंचों पर होने लगी थी। सूचना प्रौद्योगिकी, सेवा क्षेत्र, विनिर्माण तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों के विस्तार ने देश को नई आर्थिक ऊँचाइयों तक पहुँचाया था। 2008 की वैश्विक आर्थिक मंदी के दौरान जब अमेरिका और यूरोप की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ संकट से जूझ रही थीं, तब भारत अपेक्षाकृत मजबूत आर्थिक स्थिति के साथ खड़ा दिखाई दिया। अनेक अर्थशास्त्रियों का मानना था, भारत के विशाल घरेलू बाजार, असंगठित क्षेत्र तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यही कारण था, उस समय भारत को वैश्विक आर्थिक क्षेत्र के केंद्र बिन्दू के रूप में देखा जाने लगा था। लेकिन 2011 के बाद भारत का राजनीतिक माहौल तेजी से बदला। भ्रष्टाचार के आरोप, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्टों तथा अन्ना हजारे के नेतृत्व में चले जनलोकपाल आंदोलन ने तत्कालीन सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया। सरकार की छवि पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा। इसमें विदेशी ताकतों का हाथ भी बताया जाता है। कारपोरेट जगत भी मनमोहन सरकार के खिलाफ खड़ा हो गया था। इस तरह से सारा विपक्ष कांग्रेस और मनमोहन के खिलाफ खड़ा हो गया था। अंततः 2014 में सत्ता परिवर्तन हुआ। आलोचकों का आरोप है कि उस समय देश की आडिट रिपोर्ट में लगाए गए कई आर्थिक नुकसान के अनुमान न्यायिक प्रक्रिया में प्रमाणित नहीं हो सके, काल्पनिक आरोपों से तब तक राजनीतिक माहौल पूरी तरह बदल चुका था।

वर्तमान आर्थिक परिदृश्य को लेकर भी गंभीर प्रश्न उठाए जा रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि पिछले एक दशक में ऐसी नीतियाँ अपनाई गईं, जिनसे बड़े कॉर्पोरेट समूहों को लाभ मिला, जबकि लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा असंगठित क्षेत्र को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। नोटबंदी, जीएसटी के प्रारंभिक क्रियान्वयन और महामारी के प्रभाव ने छोटे व्यवसायों की कमर तोड़ दी। लाखों सूक्ष्म इकाइयाँ बंद हुईं। रोजगार के अवसर सिमटते चले गए। अर्थ- व्यवस्था में एक अन्य चिंता भारत के बढ़ते आयात और घटती विनिर्माण क्षमता को लेकर है। चीन से बड़े पैमाने पर उपभोक्ता वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक उत्पादों का आयात लगातार बढ़ा है। इसके विपरीत भारत की निर्यात वृद्धि अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच पाई। इससे व्यापार घाटा बढ़ा है। जिससे आर्थिक आत्मनिर्भरता के दावों पर भी प्रश्नचिह्न लगा है। बढ़ती बेरोजगारी, महँगाई और घरेलू ऋण चिंता के विषय बने हुए हैं। किसानों को उनकी उपज का मूल्य नहीं मिल रहा है। किसान कर्जदार और खेती मंहगी होती जा रही है। आम नागरिक की क्रय-शक्ति घट गई है। शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्यान्न और आवश्यक सेवाएँ लगातार महँगी होती जा रही हैं। दूसरी ओर, शेयर बाजार में तेजी और कॉर्पोरेट मुनाफों के बावजूद आम जनता की आर्थिक स्थिति में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। इससे आर्थिक विकास और सामाजिक वास्तविकताओं के बीच का अंतर बढ़ गया है। आम आदमी की आय में आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपया की स्थिति बनी हुई है। आज आवश्यकता इस बात की है कि आर्थिक नीतियों का केंद्र केवल बड़े निवेश और कॉर्पोरेट लाभ न होकर रोजगार सृजन, लघु उद्योगों का संरक्षण, कृषि क्षेत्र की मजबूती तथा घरेलू मांग में विस्तार हो। भारत की वास्तविक शक्ति उसके करोड़ों छोटे उद्यमियों, किसानों, श्रमिकों और मध्यम वर्ग में निहित है। यदि आर्थिक विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुँचता, तो ऊँची विकास दर का सपना- सपना बनकर ही रह जायेगा।

भारत के सामने चुनौती केवल विकास दर बढ़ाने की नहीं, बल्कि समावेशी और टिकाऊ विकास सुनिश्चित करने की है। आने वाले वर्षों में यही तय करेगा कि भारत वैश्विक दौड़ में आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ता है या फिर अवसरों को खोकर नई चुनौतियों में फंसकर रह जाता है। जिस तरह के हालात वर्तमान में देखने को मिल रहे हैं वह चिंता बढ़ाने वाले हैं। संवैधानिक संस्थाएं सरकार के दबाव में काम कर रही हैं। चुनाव आयोग और न्यायपालिका के फैसलों पर आरोपों की झड़ी लग रही है। डॉलर और युआन के मुकाबले रुपए की कीमत लगातार घटती चली जा रही है। आयात और निर्यात का अंतर बढ़ता चला जा रहा है। जिसके कारण भारत एक ऐसे संकट में फंस गया है, जिससे सभी की चिंताएं बढ़ गई हैं। इस संकट से देश किस तरह से निकल पाएगा, इसको लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष की चिंताएं बढी हुई हैं। वर्तमान आर्थिक स्थिति ने भारत की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक चिंता को बढ़ा दिया है।

मालवीय नगर अग्निकांडः मुआवजे से नहीं, जवाबदेही और सुधार से बचेगी ज़िंदगी

डॉ. सत्यवान सौरभ

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में 3 जून 2026 को लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दर्दनाक हादसे में इक्कीस लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर ने न केवल राजधानी बल्कि पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। आग की लपटों से बचने के लिए लोगों को ऊँची इमारत से कूदते हुए देखा गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित हुए दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी; यह उस व्यवस्था की विफलता का भयावह प्रमाण थी जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है।

हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त करके भुला देने योग्य घटना नहीं है। यह उन गहरे संरचनात्मक दोषों की ओर संकेत करती है जो भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं। यह हादसा हमें मजबूर करता है कि हम पूछें–क्या हमारी इमारतें वास्तव में सुरक्षित हैं? क्या अग्नि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित हैं? और क्या प्रशासन की भूमिका केवल दुर्घटना के बाद राहत बांटने तक सीमित रह गई है?

किसी भी बहुमंजिला इमारत में आग लगने की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है–सुरक्षित निकास, अग्निशमन उपकरण और समय पर बचाव। यदि किसी भवन में मौजूद लोगों को अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनियों से छलांग लगानी पड़े, तो इसका अर्थ है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी थी। आग केवल भवन को नहीं जलाती, वह सुरक्षा संबंधी दावों और प्रशासनिक तैयारियों की वास्तविकता भी उजागर कर देती है। मालवीय नगर की घटना में यही हुआ।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल में कई विदेशी नागरिक भी ठहरे हुए थे। यह तथ्य इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। भारत की राजधानी दुनिया भर के पर्यटकों, व्यापारियों और निवेशकों का स्वागत करती है। ऐसे में यदि राजधानी में ही सुरक्षा मानकों की स्थिति इतनी कमजोर हो कि विदेशी नागरिक भी असुरक्षित महसूस करें, तो यह केवल स्थानीय प्रशासन की विफलता नहीं बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी प्रश्नचिह्न है। आधुनिक महानगर की पहचान केवल ऊँची इमारतों और चमकदार होटलों से नहीं होती, बल्कि वहाँ उपलब्ध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन प्रणाली से होती है।

इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोक व्यक्त किया तथा मृतकों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। ऐसी संवेदनाएं आवश्यक हैं और संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों को सहायता मिलनी भी चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि मुआवजा किसी खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकता। आर्थिक सहायता दुख की तीव्रता को कम नहीं कर सकती। किसी परिवार का सदस्य, किसी बच्चे का पिता, किसी माता-पिता की संतान या किसी व्यक्ति का जीवनसाथी एक रकम से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। इसलिए वास्तविक प्रश्न मुआवजे का नहीं, बल्कि रोकथाम का है।

दिल्ली पुलिस द्वारा होटल मालिक के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया जाना यह संकेत देता है कि जांच एजेंसियां इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं मान रही हैं। यदि सुरक्षा नियमों की अनदेखी हुई, अग्निशमन मानकों का पालन नहीं किया गया या भवन निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ, तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि आपराधिक लापरवाही है। ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि जवाबदेही के अभाव में नियम केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं।

लेकिन दोष केवल भवन मालिक का नहीं हो सकता। हमें यह भी देखना होगा कि निरीक्षण करने वाले अधिकारी कहाँ थे? क्या अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र समय-समय पर नवीनीकृत किए गए थे? क्या किसी निरीक्षण में कमियां सामने आई थीं? यदि आई थीं तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि नहीं आई थीं तो क्या निरीक्षण सही तरीके से हुए थे? इन प्रश्नों के उत्तर केवल इस मामले के लिए नहीं, बल्कि पूरे शहरी प्रशासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए आवश्यक हैं।

भारत के अधिकांश महानगर आज अव्यवस्थित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक भीड़, पार्किंग की अव्यवस्था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी लगभग हर शहर में सामान्य दृश्य बन चुके हैं। जब तक सब कुछ सामान्य रहता है, तब तक इन कमियों पर ध्यान नहीं जाता। लेकिन जैसे ही कोई आपदा आती है, यही कमियां जानलेवा साबित होती हैं। मालवीय नगर की तंग गलियों में दमकल वाहनों के पहुंचने में आई कठिनाइयों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि शहरी योजना और आपदा प्रबंधन के बीच समन्वय का गंभीर अभाव है।

दिल्ली अकेली नहीं है। मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और अन्य महानगर भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अनेक इमारतें ऐसी हैं जहां अग्निशमन यंत्र या तो मौजूद नहीं हैं या वर्षों से उनकी जांच नहीं हुई। आपातकालीन निकास मार्ग अक्सर बंद रहते हैं। कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान अतिरिक्त लाभ कमाने के लिए सुरक्षा मानकों से समझौता कर लेते हैं। दुखद यह है कि कई बार प्रशासन भी इन उल्लंघनों के प्रति उदासीन बना रहता है।नहीं:

अग्नि सुरक्षा केवल भवन निर्माण का तकनीकी विषय नहीं है; यह नागरिक जीवन की रक्षा का मूल आधार है। विकसित देशों में अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन गंभीर अपराध माना जाता है। वहां नियमित निरीक्षण, अनिवार्य मॉक ड्रिल और कठोर दंड व्यवस्था लागू होती है। भारत में भी नियम मौजूद हैं, लेकिन समस्या उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। जब तक नियमों के उल्लंघन पर त्वरित और कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक कागजी प्रावधान वास्तविक सुरक्षा में नहीं बदल सकते।

इस त्रासदी ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है–क्या आम नागरिक अग्नि सुरक्षा के प्रति पर्याप्त रूप से जागरूक हैं? अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि आग लगने पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। घबराहट, अफवाह और गलत निर्णय अक्सर जान-माल के नुकसान को बढ़ा देते हैं। विद्यालयों, कॉलेजों, कार्यालयों, होटलों और आवासीय परिसरों में नियमित अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण तथा मॉक ड्रिल अनिवार्य किए जाने चाहिए। सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी है।

आवश्यकता इस बात की है कि इस घटना को केवल एक समाचार बनाकर न छोड़ दिया जाए। सभी बहुमंजिला होटलों, गेस्ट हाउसों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का विशेष सुरक्षा ऑडिट कराया जाए। जिन भवनों में नियमों का उल्लंघन पाया जाए, उन्हें तत्काल बंद किया जाए। अग्निशमन विभाग को आधुनिक तकनीक, पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षित मानवबल उपलब्ध कराया जाए। साथ ही स्थानीय निकायों और नगर नियोजन एजेंसियों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी ताकि भविष्य में आपातकालीन वाहनों को रास्ता मिल सके।

सरकारों को यह समझना होगा कि विकास और सुरक्षा परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। केवल नई इमारतें बनाना विकास नहीं है। सुरक्षित इमारतें बनाना ही वास्तविक विकास है। केवल पर्यटन को बढ़ावा देना पर्याप्त नहीं है; पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। केवल निवेश आकर्षित करना महत्वपूर्ण नहीं है; नागरिकों और आगंतुकों के जीवन की रक्षा करना उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

मालवीय नगर अग्निकांड एक चेतावनी है। यह चेतावनी केवल दिल्ली के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए है। यदि आज भी हम नहीं चेते, तो कल किसी अन्य शहर, किसी अन्य होटल, अस्पताल, विद्यालय या आवासीय भवन में इसी तरह की त्रासदी दोहराई जा सकती है। तब फिर वही शोक संदेश होंगे, वही मुआवजे की घोषणाएं होंगी और वही प्रश्न अनुत्तरित रह जाएंगे।

मृतकों को वापस नहीं लाया जा सकता। उनके परिवारों की पीड़ा को पूरी तरह कम नहीं किया जा सकता। लेकिन यदि इस घटना से सबक लेकर सुरक्षा व्यवस्था में वास्तविक सुधार किए जाएं, जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाए और अग्नि सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए, तो भविष्य में अनेक जानें बचाई जा सकती हैं। यही इस त्रासदी के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मालवीय नगर की आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया; उसने हमारी शहरी व्यवस्था, प्रशासनिक जवाबदेही और सुरक्षा संस्कृति की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। अब समय केवल शोक व्यक्त करने का नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई करने का है। क्योंकि हर हादसे के बाद सबसे बड़ा प्रश्न यही होता है–क्या हमने उससे कुछ सीखा? यदि इस बार भी उत्तर नहीं रहा, तो अगली त्रासदी केवल समय का इंतजार कर रही होगी।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

पत्नी के साथ युवक को देख भड़का पति, बीच बाजार जमकर चले लात-घूंसे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र स्थित बरौला इलाके में उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब एक महिला अपने पुरुष मित्र के साथ शॉपिंग के लिए पहुंची थी. बताया जाता है कि इसी दौरान उसका पति भी मौके पर पहुंच गया. जिसके बाद पत्नी को दूसरे युवक के साथ देखकर पति नाराज हो गया. देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई और कुछ ही देर में मारपीट होने लगी.

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक महिला के पति और उसके पुरुष मित्र के बीच जमकर हाथापाई हुई. मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने भी बीच-बचाव के दौरान महिला के पुरुष मित्र के साथ मारपीट कर दी. घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और सड़क पर भीड़ इकट्ठा हो गई. वहीं अब इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

पुलिस ने महिला के पति और दोस्त दोनों को किया गिरफ्तार

सूचना मिलने पर थाना सेक्टर-49 पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को थाने ले गई. मामले में महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महिला के पति और उसके पुरुष मित्र दोनों को गिरफ्तार कर लिया और न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है.

नोएडा पुलिस के मीडिया सेल ने बताया 5 जून थाना सेक्टर-49 क्षेत्रांतर्गत बरौला में मारपीट की सूचना प्राप्त हुई थी. जांच में सामने आया कि एक महिला अपने पुरुष मित्र के साथ परिसर में आई थी, जहां उसका पति भी पहुंच गया.

इसी दौरान आपसी विवाद और मारपीट हुई. पीड़िता की तहरीर के आधार पर थाना सेक्टर-49 में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है. त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला के पति और पुरुष मित्र दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है. मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है.

अमेठी में दर्दनाक हादसा: कच्चे मकान की दीवार गिरने से मां और बेटी की मौत, बेटे की हालत गंभीर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के जामो थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा हो गया. यहां कच्चे मकान की दीवार गिरने से एक महिला और उसकी बेटी की मौत हो गई, जबकि बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसा देर रात उस समय हुआ, जब परिवार घर के अंदर सो रहा था. यूपी में अमेठी जिले के जामो थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात एक कच्चे मकान की दीवार गिर गई. इससे एक महिला और उसकी बेटी की मौत हो गई, जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया. इस घटना के बाद परिजनों में मातम पसर गया. गंभीर रूप से घायल बेटे को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है. डॉक्टरों की टीम लगातार उसकी देखभाल कर रही है. यह मामला जामो थाना के घाटमपुर के पूरे परमेश्वरी गांव का है. यहां रहने वाले ओमप्रकाश का परिवार रात में अपने कच्चे मकान में सो रहा था. सुबह करीब चार बजे अचानक मकान की कच्ची दीवार भरभराकर गिर गई. दीवार के मलबे में दबने से ओमप्रकाश की पत्नी 35 वर्षीय कमलेश कुमारी, 7 साल की बेटी और 8 साल का बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए. चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद मलबा हटाकर तीनों को बाहर निकाला. तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जामो पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने कमलेश कुमारी और बेटी को मृत घोषित कर दिया. दोनों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में मातम फैल गया. वहीं गंभीर रूप से घायल बेटे को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उसका इलाज जारी है. वहीं इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हुआ है. घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. इसी के साथ पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है. इस घटना को लेकर थाना प्रभारी विनोद सिंह ने बताया कि मिट्टी की दीवार गिरने से हादसा हुआ है. मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है. लगातार बारिश और नमी के कारण मकान की दीवार कमजोर हो गई थी, जिसके चलते यह हादसा हुआ. जानकारों का कहना है कि ऐसे हादसों को रोकने के लिए समय-समय पर भवनों की जांच और कमजोर ढांचों की मरम्मत बेहद जरूरी है. फिलहाल पूरे गांव में मातम है. पीड़ित परिवार गहरे सदमे में है.

सागर में CBI की बड़ी कार्रवाई: रेलवे के डिप्टी चीफ इंजीनियर नारायण सिंह बुंदेला 1 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सागर। सीबीआई ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के डिप्टी चीफ इंजीनियर-II (निर्माण) नारायण सिंह बुंदेला को 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सीबीआई की टीम ने सागर के एक होटल में जाल बिछाकर आरोपी अधिकारी को घूस की रकम के साथ दबोचा लिया।

सिक्योरिटी राशि और बिल पास करने के बदले मांगी घूस

जानकारी के अनुसार, सागर रेलखंड में गिट्टी सप्लाई करने वाले ठेकेदार अभिषेक प्यासी ने कार्य पूरा होने के बाद विभाग में जमा अपनी सिक्योरिटी राशि वापस मांगी थी। आरोप है कि डिप्टी चीफ इंजीनियर नारायण सिंह बुंदेला ने इस राशि को जारी करने और लंबित बिलों के भुगतान के एवज में 1 लाख रुपये रिश्वत की मांग की थी। ठेकेदार के मुताबिक, जब उसने रिश्वत देने से मना किया तो अधिकारी ने सिक्योरिटी राशि लौटाने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद पीड़ित ठेकेदार ने जबलपुर स्थित सीबीआई कार्यालय में मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।

1 करोड़ का था ठेकेदार का डिपॉजिट

सीबीआई के अनुसार, ठेकेदार की शिकायत का सत्यापन करने के बाद 4 जून 2026 को मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता का ठेके के कार्य से संबंधित लगभग 1 करोड़ रुपये का सिक्योरिटी डिपॉजिट, लंबित बिल और पीवीसी बकाया विभाग के पास अटका हुआ था, जिसे पास करने के लिए यह घूस मांगी गई थी। रंगे हाथों गिरफ्तारी के बाद सीबीआई की टीम ने आरोपी अधिकारी के गेस्ट हाउस के कमरे और निवास स्थान पर सघन तलाशी ली। इस दौरान 62 हजार रुपये नकद बरामद हुए, जिसका आरोपी कोई संतोषजनक हिसाब नहीं दे सका। इसके अलावा रियल एस्टेट में निवेश से जुड़े कई आपत्तिजनक दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं।

जबलपुर कोर्ट में किया पेश

सीबीआई ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी डिप्टी चीफ इंजीनियर नारायण सिंह बुंदेला को गिरफ्तार किया। इसके बाद शुक्रवार, 5 जून 2026 को आरोपी को जबलपुर की सक्षम अदालत में पेश किया गया। सीबीआई अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की विस्तृत जांच की जा रही है।

राजीव गांधी यूनिवर्सिटी पर MP सरकार के कदम से भड़की कांग्रेस, बोलीं- शहीद PM की विरासत मिटाने की कोशिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजीव। मध्य प्रदेश में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को लेकर नई सियासी बहस शुरू हो गई है. मोहन सरकार यूनिवर्सिटी के ढांचे में बदलाव करने की तैयारी में है. इसके तहत भोपाल स्थित इस विश्वविद्यालय को तीन हिस्सों में बांटने का प्रस्ताव है. साथ ही, यूनिवर्सिटी के नाम और पहचान में बदलाव की चर्चा ने राजनीति भी गरमा दी है. कांग्रेस इसे राजीव गांधी की विरासत को खत्म करने की कोशिश बता रही है, जबकि बीजेपी इसे तकनीकी शिक्षा में सुधार का कदम कह रही है. भोपाल में स्थित RGPV राज्य की तकनीकी शिक्षा का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है. सरकार का कहना है कि अभी तकनीकी शिक्षा का पूरा सिस्टम एक जगह केंद्रित है, जिससे छात्रों और संस्थानों को कई दिक्कतें होती हैं. ऐसे में अब क्षेत्र के हिसाब से अलग-अलग व्यवस्था बनाने की तैयारी है, ताकि कामकाज आसान हो सके और छात्रों को बेहतर सुविधा मिले. उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने आजतक से बातचीत में बताया कि मौजूदा RGPV को तीन अलग-अलग विश्वविद्यालयों में बांटने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है. योजना के मुताबिक, जबलपुर क्षेत्र के लिए महाकौशल प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल क्षेत्र के लिए मध्य भारत विश्वविद्यालय और उज्जैन क्षेत्र के लिए मालवा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बनाए जाएंगे. सरकार का दावा है कि इससे छात्रों को दूर-दराज के काम के लिए भोपाल नहीं आना पड़ेगा. क्षेत्रीय स्तर पर फैसले जल्दी होंगे, इससे संस्थानों की निगरानी भी बेहतर हो सकेगी. आसान भाषा में समझें तो छात्र अपने इलाके में ही ज्यादातर शैक्षणिक काम निपटा सकेंगे.

कांग्रेस ने क्यों उठाए सवाल?

247 एकड़ में फैला RGPV प्रदेश के 200 से ज्यादा इंजीनियरिंग कॉलेज, 98 फार्मेसी कॉलेज, 95 स्वशासी संस्थान, 4 आर्किटेक्चर कॉलेज और 85 पॉलीटेक्निक संस्थानों से जुड़ा है. ऐसे बड़े ढांचे में बदलाव की खबर सामने आते ही कांग्रेस हमलावर हो गई है. कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद का कहना है कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नाम को हटाना गलत संदेश देगा. उनका आरोप है कि सरकार जानबूझकर राजीव गांधी की पहचान से जुड़े संस्थानों को बदलना चाहती है. वहीं बीजेपी का कहना है कि यह फैसला किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि बेहतर प्रशासन और तकनीकी शिक्षा को मजबूत करने के लिए लिया जा रहा है. अब नजर इस बात पर है कि सरकार इस प्रस्ताव को किस रूप में आगे बढ़ाती है. क्योंकि यह मामला सिर्फ शिक्षा तक सीमित नहीं दिख रहा, बल्कि आने वाले दिनों में बड़ा राजनीतिक मुद्दा भी बन सकता है.

लड़ते-लड़ते बेड पर लेटे मासूम के ऊपर गिरीं मां और मौसी, चली गई जान, फिरोजाबाद के घर में आधी रात मची चीख-पुकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

फिरोजाबाद। उत्तरप्रदेश के फिरोजाबाद में एक ऐसी दर्दनाक घटना सामने आई है जिसे जानकर आपका मन पसीज जाएगा। बच्चे को दूध नहीं पिलाने के मुद्दे पर मां और मौसी के बीच झगड़ा हो गया। बात इतनी बढ़ी कि मां ने मौसी को थप्पड़ मार दिया। इस पर मौसी आगबबूला हो गई और दोनों बहनें एक दूसरे का बाल पकड़कर गुत्थमगुत्थी हो गईं। लड़ते-लड़ते दोनों बेड पर जा गिरीं। नीचे मासूम बच्चा मां और मौसी के बीच दब गया और दम घुटने से उसकी मौत हो गई। इसके बाद आधी रात घर में चीत्कार मच गया। घरवाले बच्चे को जिला अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत लाया घोषित कर दिया। ये पूरा मामला कृष्णा नगर में बजरंग चौराहे के पास स्थित एक मकान का है। मूलरूप से कासगंज के रहने वाले कन्हैया ने तीन साल पहले संजना से कोर्ट मैरिज की थी। संजना की बहन वंदना भी उसके साथ रहती थी। बीते बुधवार को संजना और कन्हैया मेला देखने गए थे। रात 12 बजे वे लोग मेला देखकर लौटे तो उनका बच्चा तनवीर बेड पर पड़ा रो रहा था। यह देखकर मां संजना ने बहन वंदना को डांटा कि उसने उसे दूध क्यों नहीं पिलाया। इस पर दोनों बहनों में बहस शुरू हो गई।

संजना ने वंदना को मारा तमाचा

गुस्से में आकर संजना ने वंदना को तमाचा मार दिया। इस पर वंदना संजना से भिड़ गई। लड़ते लड़ते दोनों तनवीर के ऊपर बेड पर जा गिरीं। आधी रात को चीख पुकार सुनकर घर के अन्य सदस्य आए और बीच-बचाव कर शांत कराया। पहले संजना ने कहा- वंदना ने तनवीर को जमीन पर पटका इस बीच, संजना ने देखा कि बेड पर रो रहे तनवीर के शरीर में कोई हरकत नहीं हो रही है। उसने उसे हिलाया-डुलाया और फिर चिल्लाने लगी। बच्चे को तत्काल घर वाले अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने हाथ खड़े कर दिए। बच्चे की मौत के बाद पूरे परिवार में मातम फैल गया है। पुलिस के सामने पहले संजना ने बहन वंदना पर बेटे तनवीर को जमीन पर पटकने का आरोप लगाया था। बाद में उसने तहरीर में बताया कि झगड़े के दौरान दोनों बहनें बेटे के ऊपर गिर पड़ी थीं, इसलिए उसकी जान चली गई। गुरुवार को बच्चे का पोस्टमॉर्टम हुआ। डॉक्टरों ने बताया कि बच्चे के सिर के पीछे की हड्डी टूटी पाई गई है। इसके साथ ही अंदरूनी अंगों की स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट करने के लिए डॉक्टरों ने बच्चे का विसरा सुरक्षित रख लिया है। इसे फोरेंसिंक जांच के लिए भेजा जाएगा। इस बीच, पुलिस मौसी वंदना को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। वंदना लगातार अपने बयान बदल रही है। रही थी कि बच्चा धोखे से हाथ से छूट गया।

कानपुर में बुर्का पहनकर निकला मोहित, 18 साल पुराने दोस्त को मार डाला, 5 लाख की चेन और ब्रेसलेट लूटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर । उत्तरप्रदेश के कानपुर में 18 साल पुराने दोस्त ने बुर्का पहनकर कोचिंग संचालक की हत्या कर दी. उसने पांच लाख की चेन और ब्रेसलेट उतार लिया और फरार हो गया. पुलिस ने जब सीसीटीवी चेक किया तो बुर्के में जाती एक महिला दिखी, लेकिन पुलिस को उसकी चाल पर शक हुआ. इसी के बाद सुराग मिला और पूरी कहानी सामने आ गई. आरोपी खुद कोचिंग संचालक रह चुका है. यूपी के कानपुर में 31 मई की रात कोचिंग संचालक प्रकाश चंद्र गुप्ता की हत्या कर दी गई. पुलिस इस मामले की जांच कर रही थी, इसी बीच जांच के दौरान सीसीटीवी में बुर्का पहनकर जाती एक महिला की चाल पर पुलिस को शक हुआ. इसके बाद पुलिस ने नए सिरे से जांच शुरू की तो जो सामने आया, वो हैरान कर देने वाला था. पुलिस का कहना है कि मृतक का दोस्त ही हत्या का आरोपी निकला. इन दोनों की दोस्ती 18 साल से थी. आरोपी खुद भी कोचिंग संचालक रह

चुका है. उसने अपने दोस्त के गले में करीब 5 लाख की सोने की चेन देख ली थी, जिसको लेकर उसने वारदात को अंजाम दिया. दरअसल, 31 मई को आईपीएल का फाइनल था. प्रकाश चंद्र गुप्ता क्रिकेट के शौकीन थे. वे कंप्यूटर कोचिंग चलाते थे. उन्होंने घर में कॉल कर दिया कि आज मैं घर नहीं आऊंगा, मैच देखकर कोचिंग में ही सो जाऊंगा. उनकी शादी नहीं हुई थी. जब सुबह हुई तो घरवालों ने कॉल किया तो कॉल रिसीव नहीं हुआ. इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे तो देखा कमरे में प्रकाश चंद्र का शव पड़ा था. सिर के पास से खून बह रहा था. उनके गले की चेन और ब्रेसलेट गायब था. यह सब देखकर परिजनों के होश उड़ गए. आनन-फानन में सूचना पुलिस को दी गई. जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जायजा लिया. पुलिस को पहले लगा कि शायद प्रकाश चंद्र को ब्लड प्रेशर की समस्या थी, हो सकता है कि वे मैच देखते समय गिर गए हों और इसी से चोट लगी हो. कोचिंग में कोई नहीं था, इससे उनकी मौत हो गई हो, लेकिन शव के पास से ब्रेसलेट और चेन गायब थी, परिजनों ने जब इसकी जानकारी पुलिस को दी तो पुलिस ने जांच शुरू की. पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी खंगालने शुरू किए. कोचिंग के बाहर के सीसीटीवी देखे, लेकिन वहां कोई भी क्लू नहीं मिला. एक व्यक्ति पर परिजनों शक जताया तो पुलिस उससे पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं हाथ लगा. इसके बाद पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल खुद सीसीटीवी चेक करने पहुंचे. पुलिस कमिश्नर को एक सीसीटीवी में घर के पास से बुर्का पहनकर जाती एक महिला दिखी. पुलिस ने उसको पहले भी देखा था, लेकिन पुलिस कमिश्नर का कहना है

हरिद्वार जा रहे तीन दोस्तों को ट्रक ने रौंदा, मौके पर मौत; हाईवे पर बिखरे शवों के अवशेष

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुजफ्फरनगर। दिल्ली-हरिद्वार नेशनल हाईवे पर शनिवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवकों को पीछे से टक्कर मार दी, जिसके बाद तीनों सड़क पर गिर पड़े और ट्रक का पिछला हिस्सा उनके ऊपर से गुजर गया। हादसा इतना भयावह था कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई और शवों के अवशेष हाईवे पर दूर-दूर तक बिखर गए। जानकारी के अनुसार, तीनों युवक एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर मुजफ्फरनगर से हरिद्वार की ओर जा रहे थे।

ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मारी

जब वे छपार थाना क्षेत्र में सिसौना कट के पास स्थित पूजा होटल के निकट पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों युवक सड़क पर गिर गए और संभलने का अवसर भी नहीं मिला। इसी दौरान ट्रक का पिछला हिस्सा उनके ऊपर चढ़ गया।

भीषण हादसा

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा इतना भीषण था कि शवों के अवशेष सड़क पर फैल गए। घटना के बाद कुछ अन्य वाहन भी वहां से गुजर गए, जिससे स्थिति और भयावह हो गई। सड़क पर मांस के टुकड़े और अवशेष बिखरे होने के कारण वहां मौजूद लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर रामपुर तिराहा चौकी प्रभारी तथा छपार थाना प्रभारी मोहित चौधरी पुलिस जा रही है .

'योगी के नेतृत्व में नया उत्तर प्रदेश' विषय पर बुद्धिजीवियों में परिचर्चा आयोजित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर वर्चुअल माध्यम (जूम)से देश के बुद्धिजीवियों द्वारा एक भव्य परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा का मुख्य विषय 'योगी के नेतृत्व में नया उत्तर प्रदेश' रहा, जिसमें राज्य के अभूतपूर्व विकास,सुदृढ़ कानून व्यवस्था और महिला कल्याण की योजनाएँ जैसी जन-कल्याणकारी नीतियों के माध्यम से आ रहे सामाजिक बदलावों पर विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम की संयोजक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली की प्रो. पूनम कुमारी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में हो रहे चतुर्दिक विकास की बात की। उन्होंने विशेष रूप से रेखांकित किया कि किस प्रकार राज्य में सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, व्यापक महिला शिक्षा और सुलभ रोजगार के अवसरों ने आधी आबादी का सशक्तिकरण कर उनके जीवन में एक युगांतरकारी सकारात्मक परिवर्तन का सूत्रपात किया है।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन में उत्तर प्रदेश सुदृढ़,सुरक्षित और प्रगतिशील 'नया उत्तर प्रदेश' बन चुका है।आज उत्तर प्रदेश विकसित प्रदेश बनने की ओर आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय जनता पार्टी,उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ प्रवक्ता एस.एन. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी से बाहर निकलकर विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है।उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की डबल इंजन नीति और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के विज़न को रेखांकित किया। विशेष वक्ता के रूप में बेंगलुरु से जुड़े टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स के इंजीनियर मैनेजर संजीव निश्टल ने राज्य में बुनियादी ढांचे के तेजी से हो रहे विकास,नए एक्सप्रेस-वे और औद्योगिक कॉरिडोर के द्वारा हो रहे आर्थिक परिवर्तन पर अपने विचार साझा किए। मुंबई से जुड़े कमर्शियल टेक्निकल कंसल्टिंग एलएलपी के प्रबंध निदेशक सौरभ कुमार अखौरी ने उत्तर प्रदेश में 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस'तकनीकी प्रगति और बढ़ते निवेश के अवसरों पर प्रकाश डाला।

भोपाल में बिना नंबर बाइक से CM के काफिले में घुसने की कोशिश, रोकने पर पुलिस से भिड़ा युवक, ट्रैफिक सूबेदार का कॉलर पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के पॉश इलाके श्यामला हिल्स में सुरक्षा व्यवस्था को धता बताने और पुलिसकर्मी से सरेआम बदसलूकी का एक गंभीर मामला सामने आया है। पॉलिटेक्निक चौराहे पर मुख्यमंत्री के काफिले के गुजरने के दौरान एक 26 वर्षीय बाइक सवार ने न सिर्फ वीआईपी रूट का उल्लंघन करने की कोशिश की, बल्कि रोकने पर ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक सूबेदार से हाथापाई भी की।

स्टेट हैंगर जा रहा था सीएम का काफिला

घटना बुधवार शाम करीब 4 से 5 बजे के बीच की है। मुख्यमंत्री का काफिला सीएम हाउस से स्टेट हैंगर की तरफ जा रहा था। वीआईपी मूवमेंट के चलते पॉलिटेक्निक चौराहे पर ट्रैफिक को कुछ देर के लिए रोका गया था। जैसे ही काफिला चौराहे से आगे बढ़ा, बिना रजिस्ट्रेशन नंबर

प्लेट की बाइक पर सवार दो युवकों ने काफिले के ठीक पीछे अपनी गाड़ी घुसाने का प्रयास किया।

ट्रैफिक कर्मी से की गाली-गलौज

वहां तैनात ट्रैफिक सूबेदार जितेंद्र कुमार अटेरिया ने मुस्तैदी दिखाते हुए उन्हें रोका और काफिले को थोड़ा आगे बढ़ने तक इंतजार करने को कहा। इस बात पर बाइक चालक भड़क गया और पुलिसकर्मी से बहस करने लगा। विवाद इतना बढ़ गया कि युवक ने सूबेदार का कॉलर पकड़ लिया, उनका मोबाइल फोन छीन लिया और गाली-गलौज करने लगा। मौके पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने तुरंत मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी को दबोच लिया और डायल-112 टीम की मदद से श्यामला हिल्स थाने भिजवाया।

तीन दिन में दूसरी घटना

भोपाल में पिछले तीन दिनों के भीतर पुलिसकर्मियों के साथ अभद्रता की यह दूसरी बड़ी घटना है। इससे पहले गौतम नगर के नारियलखेड़ा चौराहे पर भी बाइक हटाने को कहने पर कुछ लोगों ने पुलिस टीम के साथ बदसलूकी की थी। लगातार हो रही इन घटनाओं ने शहर में कानून-व्यवस्था और सरकारी कर्मचारियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

डीयू प्रोफेसर हत्याकांड में दो 'मास्क मैन' की एंट्री, कौन हैं ये नकाबपोश, दिल्ली पुलिस ने तेज की जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली यूनिवर्सिटी की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. देबस्मिता पॉल हत्याकांड की जांच में जुटी दिल्ली पुलिस को अब दो संदिग्ध नकाबपोश लोगों की तलाश है। सीसीटीवी फुटेज में एक पुरुष और एक महिला को बुधवार को वसुंधरा एन्क्लेव स्थित सोसायटी से अलग-अलग समय पर बाहर निकलते हुए देखा गया है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या दोनों में से कोई देबस्मिता पॉल के फ्लैट पर गया था। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास संदिग्ध समय में आने-जाने वाले करीब 180 लोगों की पहचान की थी। इनमें से 167 लोगों से पूछताछ कर उन्हें क्लीन चिट दे दी गई है, जबकि 13 लोगों की भूमिका अब भी जांच के दायरे में है। इनमें नकाबपोश पुरुष और महिला भी शामिल हैं।

जांच में अब तक क्या पता चला?

इस हत्याकांड की जांच में पता चला है हत्या बुधवार को दोपहर 1 बजे से लेकर शाम 6 बजे के बीच की गई थी। देबस्मिता पॉल ने आखिरी कॉल दोपहर 12:30 बजे मोड अपार्टमेंट में रहने वाली में को की थी। शाम करीब 6 बजे प्लंबर आया था। उस वक्त बाहर से दरवाजे पर ताला लगा हुआ था। वह ताला देखकर वापस लौट गया था। गुरुवार को उन्हें प्रमोशन इंटरव्यू के लिए जाना था। सुबह करीब 9:30 बजे उनके ड्राइवर संजय आए जो गाजीपुर में रहते हैं। 10 बजे तक जब देबोस्मिता नहीं आई तब संजय ने उन्हें फोन किया। हालांकि रिंग हो रही थी। उसके बाद वह फ्लैट में गया तो देखा कि दरवाजा पर ताला लगा हुआ है और पेपर बाहर पड़ा हुआ है। वह हर दिन पेपर पढ़ती थीं। तब संजय ने देबोस्मिता की बहन देवराती पॉल (49) को फोन कर बताया कि देबोस्मिता फोन नहीं रिसीव कर रही है और दरवाजे पर ताला लगा हुआ है। देवराती ने भी कई बार फोन किया लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

गाजीपुर में अवैध संबंध का विरोध करने पर नवविवाहिता की गला घोंटकर हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजीपुर। गाजीपुर गांव में दूसरी महिला से संबंध रखने का विरोध करने पर एक नवविवाहिता को पति ने छोटे भाई के साथ मिलकर बेरहमी से हत्या कर दी। आरोप है कि दोनों ने नवविवाहिता के मुंह पर टेप चिपकाया और फिर प्लास्टिक से गला दबाकर जान ले ली।

पुलिस ने आरोपियों को किया गिरफ्तार

हत्या के बाद दोनों आरोपी आराम से घर के बाहर बैठकर हुक्का पीते रहे। महिला के परिजनों की शिकायत के बाद पीआईए पुलिस ने दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी पहचान तरुण और सुमित के रूप में हुई है। तरुण महिला का पति है, जबकि सुमित देवर है। दोनों के खिलाफ दहेज हत्या और हत्या का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

क्या था पूरा मामला

शुक्रवार को मृतका खुशी के शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने बताया कि 4 जून को दोपहर करीब 3 बजे पीआईए पुलिस को गाजीपुर गांव की गोपाल गली स्थित एक घर में महिला का शव मिलने की सूचना मिली थी। वहां खुशी (21) चौथी मंजिल पर सोफे पर संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिली।

जांच में चला पता

प्रारंभिक जांच में पता चला कि खुशी का विवाह अक्टूबर 2025 में तरुण (26) से हुआ था। घटना के समय तरुण का भाई सुमित (23) घर में मौजूद था। एफएसएल और क्राइम टीम ने जांच की। एसडीएम के समक्ष महिला के परिजनों के बयान दर्ज कराए गए। प्राथमिक जांच में गला दबाकर हत्या किए जाने की बात सामने आई। पूछताछ में दोनों आरोपी पहले हत्या से इनकार करते रहे, लेकिन बाद में उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

दिल्ली में देर रात ठेके के बाहर खूनी संघर्ष, 28 साल के शख्स की चाकू गोदकर हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के थाना शालीमार बाग क्षेत्र स्थित शालीमार बाग गांव में गुरुवार की रात शराब के ठेके के बाहर एक खूनी वारदात को अंजाम दिया गया। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। यह पूरा मामला एक मामूली कहासुनी से शुरू हुआ और देखते ही देखते खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। मृतक व्यक्ति की पहचान 28 वर्षीय सुमित कुमार झा के रूप में हुई है, जिसकी हत्या चाकू गोदकर कर दी गई।

पैसे न होने के कारण इलाज में देरी का आरोप

दरअसल, झड़प में चाकू लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद परिजन उसे आनन-फानन में फोर्टिस अस्पताल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। घटना को लेकर परिजनों का आरोप है कि घायल को फोर्टिस अस्पताल ले जाने के बाद पैसे जमा न होने की वजह से इलाज में देरी की गई, जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, मृतक मूल रूप से बिहार के मधुबनी जिले का रहने वाला था और शालीमार बाग विलेज में परिवार के साथ रहता था।

केस दर्ज कर संदिग्धों को लिया हिरासत में

पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इसके अलावा पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ अस्पताल पर लगे आरोपों की भी जांच शुरू कर दी है। वहीं, शालीमार बाग गांव में इस वारदात के बाद लोगों में आक्रोश के साथ हत्या की इस घटना से डर का माहौल है। वहीं, मृतक के परिजनों ने प्रशासन से इंसाफ की मांग की है। बता दें कि हत्या का इसी प्रकार का एक सनसनीखेज मामला शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से सामने आया, जहां मैनाठेर थाना क्षेत्र के गांव रसूलपुर हमीर में सुबह नसीम नामक युवक ने अपनी पत्नी सना (25) के सिर पर ईंट से वार कर उसकी निर्मम हत्या कर दी।

पुणे में गैस सिलेंडर फटने से एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत, गैस लीक होने से हुआ बड़ा धमाका

महाराष्ट्र के पुणे में स्थित खांदवे नगर इलाके में शुक्रवार सुबह एलपीजी गैस सिलेंडर में रिसाव के कारण बड़ा हादसा हो गया. इस हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में स्थित खांदवे नगर इलाके में शुक्रवार सुबह एलपीजी गैस सिलेंडर में रिसाव के कारण बड़ा हादसा हो गया. गैस रिसाव के कारण हुए विस्फोट की घटना में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई है. आग लगने से 35 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था. आज इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया. विस्फोट इतना जोरदार था कि फ्लैट का पूरा हॉल जलकर खाक हो गया और घर को भारी नुकसान पहुंचा है. शुक्रवार (5 जून) सुबह करीब 9 बजकर 15 मिनट पर खांडवे नगर स्थित एक इमारत में आग लगने और सिलेंडर विस्फोट की सूचना दमकल विभाग को मिली थी. सूचना मिलते ही खराड़ी, धानोरी और येरवडा अग्निशमन केंद्रों से तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम किया. दमकल कर्मियों के पहुंचने पर ग्राउंड प्लस वन मंजिला इमारत की पहली मंजिल पर स्थित फ्लैट में आग लगी हुई थी. दमकल कर्मियों ने होज रील की मदद से पानी का छिड़काव कर आग पर काबू पाया और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया. इस हादसे में 60 वर्षीय विष्णु गीते, 50 वर्षीय रुंदीवनिका गीते और 35 वर्षीय पांडुरंग गीते गंभीर रूप से झुलस गए थे. झुलसने से पांडुरंग गीते ने पहले ही दम तोड़ दिया, जबकि उनके माता-पिता को इलाज के लिए बर्ती कराया गया था. हालांकि, विष्णु गीते और रुंदीवनिका गीते की भी इलाज के दौरान मौत हो गई है. कैसे लगी थी आग? प्राथमिक जांच में सामने आया है कि घर में पुराना एलपीजी सिलेंडर खत्म होने के बाद नया सिलेंडर जोड़ते समय गैस रिसाव हुआ. गैस पूरे घर में फैलने के बाद हुए जोरदार विस्फोट से आग लग गई. हालांकि, दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई के चलते आग को अन्य फ्लैटों तक फैलने से रोक लिया गया. आग में घर का हॉल पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया. फर्नीचर, टीवी और इलेक्ट्रिकल वायरिंग को भारी नुकसान पहुंचा है. बाथरूम और टॉयलेट के दरवाजे तथा गीजर भी जल गए, जबकि रसोई में रखा फ्रिज और अन्य सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया. धुएं के कारण पूरे फ्लैट की दीवारें काली पड़ गई हैं.

ऑनलाइन लूडो से शुरू हुई दोस्ती, 10.5 लाख लेकर भागी नाबालिग; पुलिस ने इंस्टाग्राम पोस्ट से पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। एक 17 साल की लड़की, जो कथित तौर पर एक ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म के जरिए एक आदमी के कॉन्टैक्ट में आने के बाद 10.5 लाख रुपये कैश लेकर घर से भाग गई थी, उसे मुंबई पुलिस ने बड़ी तेज और अलर्ट सर्च ऑपरेशन के बाद गुजरात में ढूंढकर बचा लिया है. लड़की ने हाल ही में स्ष्ट की परीक्षा पास की है और वह अपने परिवार के साथ JJ मार्ग पुलिस स्टेशन के इलाके में रहती है. परिवार का कपड़ों का व्यापार करता है. लड़के ने ऑनलाइन लूडो खेलने के दौरान किया शादी का वादा मामले में सामने आया कि लड़की अक्सर ऑनलाइन गेमिंग एप्लीकेशन लूडो इस्तेमाल करती थी, जिसमें चैट और वॉइस कम्युनिकेशन फीचर मिलते हैं. गेम खेलने के दौरान, वह जियान शेख नाम के एक आदमी के संपर्क में आई, जिसके साथ उसकी कथित तौर पर रेगुलर बातचीत होती थी. आरोपी शेख ने खुद को अमीर बताया, लड़की से कहा कि उसका राजस्थान के जोधपुर में एक बंगला है, और उससे शादी करने का वादा किया. उसने कथित तौर पर उसे अपने परिवार को छोड़ने और घर से कैश और ज्वेलरी लाने के लिए मनाया.

16 मई को, लड़की कथित तौर पर सुबह करीब 3 बजे अपने घर से 10.5 लाख रुपये कैश लेकर निकली. जब परिवार वाले उसे ढूंढ नहीं पाए, तो उसकी मां ने उसी दिन पुलिस से संपर्क किया. इसके बाद सर जे.जे. मार्ग पुलिस स्टेशन में शाम 5 बजे भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत शिकायत दर्ज की गई. लड़की के इंस्टाग्राम लॉगइन करने पर पता चली लोकेशन मुंबई पुलिस की टीम ने तत्परता दिखाते हुए CCTV फुटेज, डिजिटल सबूत और टेक्निकल इनपुट को एनालाइज करते हुए जांच शुरू की. इन्वेस्टिगेटर्स ने लड़की के साउथ मुंबई से ठाणे तक के मूवमेंट का पता लगाया, जहां उसने कथित तौर पर दिन भर शॉपिंग की और एक नया मोबाइल फोन खरीदा. लड़की की सोशल मीडिया एक्टिविटी से एक बड़ी कामयाबी मिली. आरोपी शेख ने लड़की से एक नया स्ट्रूरूकार्ड लेने के लिए कहा था जिसके बाद, उसने ऐसा करने की कोशिश की, लेकिन आधार कार्ड न होने के कारण वह खरीद नहीं पाई. बाद में उसने अपने नए फोन को एक दुकानदार के Wi-Fi नेटवर्क से कनेक्ट किया और उसमें इंस्टाग्राम लॉगइन कर एक फोटो अपलोड की

पुलिस को लड़की सुबह 3 बजे गुजरात के एक बस में मिली

इन्वेस्टिगेटर्स ने उस एक्टिविटी का इस्तेमाल करके उसकी लोकेशन ट्रैक की गई और बाद में पता चला कि वह गुजरात जाने वाली एक प्राइवेट बस में चढ़ी है . पुलिस की टीम गुजरात क्राइम ब्रांच के साथ कोऑर्डिनेट करते हुए गुजरात की ओर निकल पड़े. पुलिस ने सूरत-वडोदरा हाईवे पर चेकिंग की और जांच के दौरान पहचानी गई ट्रैवल कंपनी की बसों को रोका. पुलिस के मुताबिक, चार से पांच घंटे तक 30 से ज्यादा बसों की तलाशी ली गई. आखिरकार, लड़की सुबह 3 से 4 बजे के बीच गुजरात में एक बस में मिली और उसे सुरक्षित मुंबई वापस लाया गया.

मुंबई : मॉडल पर होगा बेस्ट डिपो का विकास, मुंबईकरों और कर्मचारियों के हित केंद्र में रखकर बनेगा रोडमैप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को बेस्ट बस डिपो के आधुनिकीकरण और पुनर्विकास को लेकर महत्वपूर्ण बैठक की। उन्होंने निर्देश दिया कि बेस्ट के भविष्य का खाका तैयार करते समय नागरिकों के हित, कर्मचारियों के कल्याण और मुंबई के दीर्घकालीन विकास को केंद्र में रखा जाए। बेस्ट का संचालन केवल एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मुंबई महानगरपालिका, राज्य सरकार और शहर से जुड़ी सभी एजेंसियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसलिए सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वय और संवाद आवश्यक है। बेस्ट के डिपो परिसरों का विकास दो चरणों में किया जाएगा और भविष्य में बसों की संख्या बढ़ाने की योजना भी बनाई जाएगी।

नहीं बेची जाएगी जमीन

फडणवीस ने स्पष्ट किया कि बेस्ट की किसी भी जमीन को बेचा नहीं जाएगा। सभी परियोजनाएं सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत विकसित की जाएंगी, जबकि जमीन और संपत्तियों का स्वामित्व बेस्ट के पास ही रहेगा। दीर्घकालीन लीज मॉडल के जरिए विकास कार्य किए जाएंगे। डिपो में बनेंगे म्यूजियम, आर्ट गैलरी और मराठी सिनेमा हॉल उन्होंने कहा कि डिपो के पुनर्विकास को केवल व्यावसायिक परियोजना तक सीमित नहीं रखा जाएगा। यहां संग्रहालय, खेल सुविधाएं, सांस्कृतिक केंद्र, आर्ट गैलरी, सार्वजनिक पार्किंग और अन्य सामाजिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। कुछ डिपो में 300 से 400 सीटों वाले मराठी फिल्मों के लिए समर्पित सिनेमाघरों की भी संभावना पर विचार किया जाएगा। कर्मचारियों के लिए आधुनिक आवासीय परिसर भी बनाए जाएंगे।

सिंगापुर, पेरिस, हांगकांग और लंदन की तर्ज पर होंगे बस डिपो

बैठक में बेस्ट प्रशासन ने बताया कि मुंबई के 132 एकड़ क्षेत्र में फैले 22 बस डिपो का पुनर्विकास 'डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ऑपरेट एंड ट्रांसफर' मॉडल पर किया जाएगा। इसके तहत 7,000 नई बसों की व्यवस्था, स्मार्ट ईवी चार्जिंग स्टेशन, कर्मचारियों के लिए आवास, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, रिटेल मॉल, अर्बन प्लाजा और सार्वजनिक पार्किंग सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यह परियोजना सिंगापुर, पेरिस, हांगकांग और लंदन के आधुनिक बस डिपो की तर्ज पर तैयार की जाएगी।

सरकार की 11 एकड़ जमीन अडानी के धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए आवंटित, दो BEST डिपो के ट्रांसफर को भी मंजूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट अब फिर से रफ्तार पकड़ रही है। जो कई सालों से रुकी हुई थी। इस प्रोजेक्ट में बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग के धारावी डिपो और काला किला डिपो की जमीन का इस्तेमाल किया जाएगा। बेस्ट समिति ने इन डिपो की जमीन को धारावी पुनर्विकास परियोजना और नवभारत मेगा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड को ट्रांसफर करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस काम के लिए कुल 11.58 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें से 2.35 एकड़ जमीन बेस्ट अंडरटेकिंग की है, जबकि बाकी जमीन जिला कलेक्टर के अधिकार क्षेत्र में आती है।

अस्थायी डिपो का निर्माण

BEST के धारावी और काला किला डिपो वाली 11.58 एकड़ जमीन का इस्तेमाल धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए किया जाएगा। हालांकि, बस सेवाएं बिना किसी रुकावट के चलती रहें। इसके लिए मौजूदा डिपो प्लॉट की जगह दो अलग-अलग जगहों पर अस्थायी डिपो बनाए जाएंगे। इनका कुल क्षेत्रफल 6.17 एकड़ होगा। इन अस्थायी सुविधाओं में 145 बसें खड़ी करने की क्षमता होगी। इसके बाद डेवलपर मौजूदा डिपो की जगह धारावी इलाके में ही अलग-अलग जगहों पर BEST अंडरटेकिंग के लिए दो नए बस डिपो बनाएगा। इन दो नए डिपो में कुल मिलाकर 470 बसें खड़ी करने की क्षमता होगी।

कैसा होगा नया डिपो?

नए डिपो के लिए तय किए गए प्लॉट में बस डिपो की सुविधाएं और कमर्शियल इमारतें दोनों होंगी। निचले स्तरों पर बस पार्किंग होगी, जबकि ग्राउंड फ्लोर और कुछ ऊपरी मंजिलों पर बस डिपो और उससे जुड़ी सुविधाएं होंगी। बाकी मंजिलों का इस्तेमाल नवभारत मेगा डेवलपर्स कमर्शियल कामों के लिए करेंगे। यात्रियों को होने वाली असुविधा से बचना जब BEST समिति की बैठक में मंजूरी के लिए प्रस्ताव आया, तो शिवसेना के सदस्य नितिन नंदगांवकर ने प्रोजेक्ट रिपोर्ट का अध्ययन करने के लिए समय मांगा। उन्होंने अस्थायी और स्थायी नए डिपो की सटीक जगहों के बारे में सवाल उठाए और यात्रियों को होने वाली असुविधा को रोकने के लिए किए जा रहे उपायों के बारे में पूछा। उन्होंने BESTकर्मचारियों के काम की योजना के बारे में भी पूछा। समिति के सदस्यों को इस मामले का अध्ययन करने के लिए 14 दिन का समय दिया गया। BEST समिति की अध्यक्ष तृष्णा विश्वासराव ने कहा कि यह राज्य सरकार का मामला है और इसे किसी दूसरी दिशा में नहीं मोड़ा जाना चाहिए। इस बीच BEST की जनरल मैनेजर सोनिया सेठी ने साफ किया कि धारावी प्रोजेक्ट को लेकर राज्य सरकार का एक सरकारी आदेश (तक्र) है और उन्हें इस पर जवाब देना है। इसके बाद विश्वासराव ने निर्देश दिया कि धारावी और काला किला डिपो के लिए वैकल्पिक जगहों के बीच की दूरी और यात्रियों के लिए सुविधाओं की उपलब्धता का ध्यान रखा जाए। यात्रियों को कोई परेशानी न हो, इस बात पर जोर देते हुए उन्होंने धारावी रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए दोनों डिपो की जगह बदलने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

मामूली विवाद में बेरहमी से युवक की हत्या, पत्थरों से कुचला गया सिर, बबलू-देवकरन की तलाश तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। होलांबी कला इलाके में मामूली विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया, जहां सिर पर पत्थर लगने से एक युवक की मौत हो गई. गुरुवार रात हुई इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई. पुलिस ने मामला दर्ज कर दो नामजद आरोपियों बबलू और देवकरन की तलाश तेज कर दी है. शुरुआती जांच में दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद की बात सामने आई है. दिल्ली के होलांबी कला इलाके में गुरुवार शाम एक मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और एक युवक की जान चली गई. मृतक की पहचान विकास पुत्र रमेश चंद (36) के रूप में हुई है, जो वासु विहार कॉलोनी में नाई की दुकान चलाता था. जानकारी के अनुसार, रात करीब 11.10 बजे वह घायल अवस्था में घर पहुंचा, जिसके बाद परिजनों ने उसे तुरंत MV अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. शुरुआती निरीक्षण में मृतक के घर तक जाने वाले रास्ते पर खून के निशान पाए गए. इसके अलावा एक टूटी हुई लकड़ी की डंडा, बाइक का टूटा शीशा और फुटरेस्ट भी बरामद हुआ, जिससे स्पष्ट हुआ कि रास्ते में ही उस पर हमला किया गया था. जांच के दौरान पुलिस को मुख्य सड़क से लेकर मृतक के घर तक कई जगह खून के धब्बे मिले. इससे यह साफ हुआ कि विकास पर हमला रास्ते में ही किया गया और वह घायल हालत में किसी तरह घर तक पहुंचा. मौके से मिले सबूतों के आधार पर पुलिस ने हत्या की पुष्टि करते हुए जांच तेज कर दी है. पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक और आरोपियों के बीच पहले से विवाद चल रहा था. हालांकि मामले में किसी भी तरह का सांप्रदायिक एंगल नहीं पाया गया है. पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है और इलाके में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है. मृतक के भाई की शिकायत पर पुलिस ने बबलू पुत्र नूर मोहम्मद और देवकरन पुत्र लक्ष्मण समेत अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है. दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई विशेष टीमें गठित की गई हैं. पुलिस का कहना है कि आरोपी और मृतक एक ही इलाके के रहने वाले हैं और सभी एक-दूसरे को जानते थे. फिलहाल आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है और जल्द गिरफ्तारी का दावा किया जा रहा है.

CBSE पोर्टल पर साइबर अटैक मामले में दिल्ली पुलिस का बड़ा एक्शन, FIR दर्ज, जांच शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सीबीएसई के परिणाम घोषित होने के बाद की सेवाओं से संबंधित (पोस्ट रिजल्ट सर्विसेज) पोर्टल को निशाना बनाकर किए गए साइबर हमलों को लेकर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस पोर्टल को कक्षा 12 की उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन जैसी सेवाओं के लिए दो जून को शुरू किया गया था। पुलिस के अनुसार, सीबीएसई की ओर से 'इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रेटेजिक ऑपरेशंस' (आईएफएसओ) इकाई में दर्ज कराई गई शिकायत के बाद सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 और 43(एफ) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले बोर्ड ने एक बयान में कहा कि उसके 'पोस्ट-रिजल्ट सर्विसेज पोर्टल' को निशाना बनाकर किए गए 'समन्वित और परिष्कृत साइबर हमलों की शृंखला' के संबंध में दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ इकाई के समक्ष शिकायत दर्ज कराई गई है। बोर्ड ने कहा कि पिछले तीन दिनों से परिणाम घोषित होने के बाद की सेवाओं से संबंधित उसके पोर्टल पर लगातार साइबर हमले किए जा रहे थे। इन हमलों में बड़ी मात्रा में संदिग्ध और नुकसान पहुंचाने वाले 'इंटरनेट ट्रैफिक' इस्तेमाल किया गया, जो देश के भीतर और विदेश में मौजूद कई अलग-अलग आईपी एड्रेस से आ रहा था। सीबीएसई ने कहा, 'चूंकि यह पोर्टल देश भर के लाखों छात्रों को परिणाम के बाद की सेवाएं प्रदान करता है, इसलिए इसके कामकाज में किसी भी प्रकार की बाधा से बड़ी संख्या में हितधारकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने, जनता को काफी असुविधा होने, सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित होने और बोर्ड के खिलाफ छात्रों में असंतोष पैदा होने की आशंका है।

महाराष्ट्र के पुणे में बेची जा रही 'Made in Pakistan' टैग वाली बेडशीट, महिला ने शेयर किया वीडियो

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले के पिंपरी-चिंचवड़ क्षेत्र में एक बेडशीट पर ' मेड इन पाकिस्तान ' का टैग मिलने से हड़कंप मच गया। मामला सामने आने के बाद प्रशासन और पुलिस हरकत में आ गई है। एक स्थानीय महिला ने दावा किया है कि उसने संकष्टी चतुर्थी मेले से यह बेडशीट खरीदी थी। बेडशीट को घर पर धोने के बाद उसने उस पर लगा टैग देखा। इस टैग में 'मेड इन पाकिस्तान' लिखा हुआ था। इसके बाद महिला ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर सवाल उठाया कि पाकिस्तान में निर्मित उत्पाद स्थानीय बाजारों तक कैसे पहुंच रहे हैं। जानकारी के अनुसार, महिला ने यह बेडशीट चिंचवड़ स्थित मोर्या गोसावी मंदिर परिसर के पास आयोजित संकष्टी चतुर्थी मेले से खरीदी थी। खरीदारी के समय उसे किसी प्रकार की कोई असामान्य बात नजर नहीं आई थी। लेकिन कपड़ा धोने के बाद जब उसने उसे दोबारा देखा तो उस पर लगा लेबल देखकर हैरान रह गई। महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। इसके बाद पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उत्पाद की वास्तविक उत्पत्ति, सप्लाई चैन और विक्रेता तक पहुंचने के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है। टीम यह भी जांच करेगी कि उक्त बेडशीट मेले में किस माध्यम से पहुंची और क्या इसके पीछे कोई बड़ा वितरण नेटवर्क सक्रिय है। पुलिस ने पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम को पत्र लिखकर मेले और स्थानीय बाजारों में ऐसे उत्पाद बेचने वाले विक्रेताओं की जांच करने तथा नियमों के उल्लंघन की स्थिति में उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब कुछ दिन पहले महाराष्ट्र के संभाजीनगर जिले में 'मेड इन पाकिस्तान' लेबल वाले कॉस्मेटिक उत्पाद बेचने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है

उम्मीदवार घोषित होते ही सम्राट चौधी से मिलने पहुंचे पवन सिंह

पटना (एजेंसी)। भोजपुरी सिनेमा के चर्चित अभिनेता और गायक पवन सिंह अब सक्रिय राजनीति में नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। भाजपा ने उन्हें बिहार विधान परिषद के लिए उम्मीदवार बनाया है। शनिवार को पवन सिंह ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर आगामी राजनीतिक जिम्मेदारियों पर चर्चा की। करीब 30 मिनट चली इस मुलाकात के बाद पवन सिंह ने बताया कि विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि वह 8 जून को विधान परिषद चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करेंगे। पवन सिंह ने भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसे पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निभाने का प्रयास करेंगे। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिलने से पहले उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी से भी मुलाकात की। पवन सिंह ने भाजपा को अपनी मां बताते हुए कहा कि पार्टी ने उन्हें सम्मान और जिम्मेदारी दोनों दिए हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति में आने का उनका उद्देश्य केवल जनसेवा है और वे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के समर्थन में उनके गीत जोड़ी मोदी और नीतीश जी के हिट होई को काफी लोकप्रियता मिली थी। अब जबकि वो खुद सक्रिय राजनीति में कदम रखने को तैयार हैं तो ऐसे में उनकी राजनीतिक भूमिका पर सबकी नजरें टिक गई हैं।

मंदिर जा रहे दंपति को ट्रक ने कुचला, दोनों की मौत

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार दंपति की मौत हो गई। सिद्धनाथ मंदिर दर्शन के लिए जा रहे पति-पत्नी को एक तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान चकेरी थाना क्षेत्र निवासी सेवानिवृत्त नगर निगम सफाई सुपरवाइजर लक्ष्मीकांत शर्मा और उनकी पत्नी आशा शर्मा के रूप में हुई है। परिवार के अनुसार दोनों सुबह मंदिर दर्शन के लिए निकले थे। सोलंकी धर्मकांटा के पास पीछे से आए ट्रक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोग मदद के लिए पहुंचे, लेकिन एम्बुलेंस आने से पहले ही दोनों ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद भाग रहे ट्रक चालक को लोगों ने पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी कैंट अमित चौरसिया ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तथा सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

कोटा में मायापुरी अखाड़े के महंत की हत्या से सनसनी , आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक शव लेने से इंकार

कोटा (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा जिले में मौजूद ऐतिहासिक चंद्रेसल मठ के महंत देवानंद महाराज की हत्या से संत समाज में भारी आक्रोश है। बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में स्थित करीब 1100 वर्ष पुराने मठ में शुक्रवार देर रात अज्ञात बदमाशों ने सो रहे महंत पर चाकू से हमला किया। गंभीर रूप से घायल महंत को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार घटना शुक्रवार रात करीब 12 बजे की है। ग्रामीणों को मठ परिसर में महंत गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले थे। उन्हें कोटा के महाराव भीम सिंह अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हमलावरों ने महंत पर गर्दन और पीठ सहित शरीर के कई हिस्सों पर धारदार हथियार से वार किए थे।

जानकारी के अनुसार, 35 वर्षीय देवानंद महाराज मायापुरी अखाड़े से जुड़े थे और मूल रूप से सवाई माधोपुर जिले के रजवाना क्षेत्र के निवासी थे। वह पिछले चार वर्षों से चंद्रेसल मठ में रहकर धार्मिक गतिविधियों का संचालन कर रहे थे। लोगों और संत समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि वारदात के समय मठ में एक अन्य संत नंदनवन महाराज भी मौजूद थे। आरोप है कि बदमाशों ने पहले उन्हें कमरे में बंद कर दिया और फिर महंत के कक्ष में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है और पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

युवाओं को धर्म और आध्यात्मिकता से जोड़ने का काम कर रहे प्रेमानंद महाराज : रामभद्राचार्य

लखनऊ (एजेंसी)। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा है कि प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज निश्चित रूप से युवाओं को धर्म और आध्यात्मिकता से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि आज कई चर्चित हस्तियां, जिसमें क्रिकेटर विराट कोहली भी शामिल हैं, प्रेमानंद महाराज के पास मार्गदर्शन लेने पहुंचे हैं, जिससे युवाओं में भी धर्म के प्रति रुचि बढ़ रही है।

लखनऊ में आयोजित श्रीराम कथा के दौरान रामभद्राचार्य ने सनातन धर्म, रामराज्य और संन्यासियों की भूमिका पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि किसी भी संन्यासी का मूल धर्म साधना करना और समाज को सही दिशा देना होता है। राजनीति को मार्गदर्शन देना संतों का दायित्व हो सकता है, लेकिन सक्रिय राजनीति करना उनका कार्य नहीं है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कई लोग राजनीति की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जबकि संन्यासियों को अपने आध्यात्मिक कर्तव्यों पर केंद्रित रहना चाहिए। हालांकि, उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक अपवाद बताकर कहा कि वे राजर्षि की भूमिका में कार्य कर रहे हैं और जनहित में अच्छा काम कर रहे हैं।

रामभद्राचार्य ने रामराज्य की अवधारणा पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि रामराज्य का मूल भाव आपसी प्रेम, सामाजिक समरसता और कर्तव्य पालन में निहित है। उनके अनुसार, ऐसा समाज होना चाहिए जहां कोई किसी के अधिकारों का हनन न करे और सभी अपने धर्म एवं जिम्मेदारियों का ईमानदारी से पालन करें। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से भी भारत को आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र बनना चाहिए। देश को आयात पर निर्भर रहने के बजाय निर्यातक राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ना चाहिए। यही वास्तविक अर्थों में रामराज्य की परिकल्पना है।

ऑपरेशन ब्लू स्टार बरसी पर स्वर्ण मंदिर परिसर में लगे खालिस्तान जिंदाबाद के नारे

अकाल तख्त साहिब पर भारी भीड़ जुटी, भिंडरावाले के बड़े-बड़े पोस्टर लहराए

अमृतसर (एजेंसी)। भारतीय इतिहास के सबसे संवेदनशील सैन्य अभियानों में से एक ऑपरेशन ब्लू स्टार की आज 42वीं बरसी है। इस मौके पर पंजाब के अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर परिसर में फिर अलगाववादी स्वर सुनाई दिए। सिखों की सर्वोच्च धार्मिक पीठ श्री अकाल तख्त साहिब पर भीड़ जमा हुई, जहां जरनैल सिंह भिंडरावाले के समर्थन में पोस्टर लहराए गए और खालिस्तान के समर्थन में जमकर नारेबाजी हुई। श्री अकाल तख्त साहिब के पास इकट्ठा हुए चरमपंथी और सिख संगठनों के समर्थकों ने हाथों में तख्तियां और जरनैल सिंह भिंडरावाले के बड़े-बड़े पोस्टर ले रखे थे। इस दौरान खालिस्तान जिंदाबाद के नारे गूंजते रहे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रदर्शनकारियों और कई संगठनों द्वारा हर साल 6 जून को विशेष अरदास की जाती है, जिसमें जरनैल सिंह भिंडरावाले और ऑपरेशन के दौरान मारे गए अन्य लोगों को याद किया जाता है। बरसी की संवेदनशीलता को देखते हुए हर साल की तरह पंजाब पुलिस और अर्धसैनिक बलों द्वारा अमृतसर और विशेषकर स्वर्ण मंदिर के आसपास सुरक्षा के कड़ी कर दी गई हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके और शांति कायम रहे।

बता दें ऑपरेशन ब्लू स्टार भारतीय सेना द्वारा 1 से 8 जून 1984 के बीच चलाया गया एक बड़ा

सैन्य अभियान था। तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी के निर्देश पर सेना ने अमृतसर के हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर) परिसर को जरनैल सिंह भिंडरावाले और उनके हथियारबंद समर्थकों के नियंत्रण से मुक्त कराने के लिए यह अभियान चलाया था। सेना की भारी गोलीबारी और कार्रवाई के दौरान 6 जून 1984 को भिंडरावाले की मौत हो गई थी। इस सैन्य कार्रवाई में अकाल तख्त साहिब की इमारत को नुकसान पहुंचा था। समूचे सिख समुदाय ने इसे हरमंदिर साहिब की बेअदबी माना और इंदिरा गांधी को इस कदम की कीमत अपनी जान गंवाकर चुकानी पड़ी थी। आज 42 साल बाद भी इस सैन्य ऑपरेशन की बरसी पर होने वाली यह गहमागहमी इस बात का संकेत है कि पंजाब के इतिहास का यह पन्ना आज भी संवेदनशील और भावनात्मक बना हुआ है।

बता दें जरनैल सिंह भिंडरावाले का असली नाम जरनैल सिंह बराड़ था। वह सिखों की प्रमुख रूढ़िवादी धार्मिक संस्था दमदमी टकसाल का प्रमुख और 1980 के दशक में पंजाब का एक विवादास्पद कट्टरपंथी नेता था। 1978 में सिख-निरंकारी हिंसक झड़प के बाद वह प्रमुखता से उभरा। उसने आनंदपुर साहिब प्रस्ताव का आक्रामक रूप से समर्थन किया। 80 के दशक की शुरुआत में उसके भाषणों ने पंजाब में उग्रवाद को भड़काया और उसके समर्थकों पर कई हिंसक वारदातों और हत्याओं के आरोप लगे। पुलिस कार्रवाई से बचने और अपनी गतिविधियों को चलाने के लिए भिंडरावाले ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर परिसर में हथियारों के साथ अपना मजबूत ठिकाना बना लिया था उसे और उसके सशस्त्र समर्थकों को वहां से निकालने के लिए ही भारतीय सेना ने ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाया, जिसमें 6 जून 1984 को वह मारा गया। मौत के बाद, वह अलगाववादी खालिस्तान आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा बन गया।

अन्नामलाई के नई पार्टी लॉन्च करते ही 10 घंटे में 10 लाख लोगों ने कराया रजिस्ट्रेशन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई की नई पार्टी 'इधु नम्मा इयक्कम' को शुरुआत में ही बड़ा जनसमर्थन मिलने का दावा किया गया है। अन्नामलाई के मुताबिक आंदोलन शुरू होने के 10 घंटे के अंदर 10 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। अन्नामलाई ने इसे लोगों का आंदोलन बताते हुए कहा कि यह राज्य के भविष्य को लेकर साझा सोच और मिशन का प्रतीक है। अन्नामलाई ने 2 जून को बीजेपी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसकी चिट्ठी शुक्रवार को सामने आई। अन्नामलाई के समर्थन में बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष करु नागराजन ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा- मैंने और कई बीजेपी नेताओं ने अन्नामलाई का समर्थन करने का फैसला किया है। अन्नामलाई ने बीजेपी से इस्तीफा देने के बाद 5 जून को नई पार्टी बनाने की घोषणा की। सोशल मीडिया पर वीडियो मैसेज में कहा कि आज हम अपना स्वतंत्र आंदोलन खड़ा कर रहे हैं। हमारी पार्टी तमिलनाडु में 2031 का विधानसभा चुनाव लड़ेगी। उन्होंने 'वी द लीडर्स' नाम से नया प्लेटफॉर्म और वेबसाइट भी लॉन्च की। इसके साथ ही कोयंबटूर में एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फॉर इथि ?क्स एंड पॉलिटिक्स संस्थान भी स्थापित करने की घोषणा की है। अन्नामलाई कर्नाटक कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे हैं। मेरा मकसद तमिलनाडु में बदलाव लाना और राजनीति के तौर-तरीकों को बेहतर बनाना था। जनता दशकों से चली आ रही आम राजनीति से ऊब गई है। बदलाव चाहती है। बीजेपी आलाकमान से मतभेद थे। उनके विचार हमसे नहीं मिलते रहे थे। मैं उस सोच को बदलना चाहता था, जिसके मुताबिक राजनीति रईसों और कुछ खास लोगों के लिए है, आम आदमी के लिए नहीं। मेरे आंदोलन का उद्देश्य व्यक्ति पूजा और सत्ता में परिवारवाद को खारिज कर सियासी तस्वीर बदलना है। इस आंदोलन का उद्देश्य मौजूदा पार्टियों से काम्पिटीशन किए बिना लोगों की जरूरतों को प्राथमिकता देना है। उन्होंने कहा कि यह तय करना मुश्किल था कि बीजेपी में रहूं या तमिल लोगों से जुड़ा रहूं। मैंने 4 दिसंबर 2025 को पार्टी को बताया कि मैं इस्तीफा दूंगा। राज्य की जनता कई दशकों से चली आ रही आम राजनीतिक चर्चाओं से ऊब चुकी थी और बदलाव चाहती थी। पिछले दशक में कई बार बदलाव की लहरें उठीं, लेकिन वे टिक नहीं पाईं। अन्नामलाई कर्नाटक कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे हैं।

22 सांसद टीएमसी तोड़ने को तैयार, शुभेंद्रु अधिकारी ने दिल्ली में डाला डेरा

-बंगाल बीजेपी अध्यक्ष बोले- हां, फोन आ रहे हैं, टीएमसी सांसद हमसे कर रहे संपर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता गंवाने और विधायकों की बगावत के बाद अब तृणमूल कांग्रेस के वजूद पर खतरा मंडरा रहा है। दिल्ली में टीएमसी के संसदीय दल में एक बड़ी टूट की पटकथा लिखी जा चुकी है। खबर है कि अगले हफ्ते की शुरुआत में जब ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी विपक्षी इंडिया गठबंधन की बैठक के लिए दिल्ली पहुंचेंगे तब पार्टी के कम से कम 22 सांसद बागी होकर खुद को असली टीएमसी घोषित कर सकते हैं।

खबरों के मुताबिक संसद में होने वाले इस तख्तापलट और बागी गुट का नेतृत्व बारासात से लोकसभा सांसद काकोली घोष दस्तीदार कर रही हैं। इनमें लोकसभा और राज्यसभा दोनों ही सदन के सांसद हैं। इस सियासी हलचल के बीच पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य इस वक्त दिल्ली में ही डेरा डाले हुए हैं। दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए समिक भट्टाचार्य ने कहा कि हां, फोन कॉल्स आ रहे हैं। तृणमूल के सांसद लगातार हमसे संपर्क कर रहे हैं। टीएमसी अब बीते कल की बात हो चुकी है। निकट भविष्य में यह इतिहास के पन्नों में सिमट कर रह जाएगी।

बीजेपी की राष्ट्रीय महासचिव लॉकेट चटर्जी ने भी इस कहा कि 4 मई के चुनावी नतीजों के बाद से ही कई सांसद हमारे साथ लगातार संपर्क में हैं। टेक्स्ट मैसेज, व्हाट्सएप, कॉल्स...क्या कुछ नहीं हो रहा है। वे बस पाला बदलना चाहते हैं। संसद में आधिकारिक तौर पर विभाजन को मान्यता दिलाने और दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्यता से बचने के लिए बागी धड़े को दो-तिहाई बहुमत की जरुरत होगी। हाजी नुरुल इस्लाम के निधन के बाद लोकसभा में टीएमसी के 28 सदस्य हैं, जबकि राज्यसभा में उसके 13 सदस्य हैं। कोलकाता की तर्ज पर दिल्ली में खेल करने के लिए बागियों को कम से कम 19 लोकसभा और 9 राज्यसभा सांसदों के समर्थन की जरुरत होगी। सूत्रों के मुताबिक बागी खेमे में इस वक्त दोनों सदनों को मिलाकर 22 सांसदों का आंकड़ा तैयार हो चुका है। टीएमसी के वरिष्ठ राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय ने भी इस संभावित टूट की पुष्टि करते हुए कहा कि संसदीय दल का बिखराव अब अनिवार्य है। शुक्रवार को कई सांसदों से संपर्क करने की कोशिश की गई तो 16 में से 15 सांसदों के फोन लगातार स्विच ऑफ आ रहे थे। इनमें कई मनोरंजन जगत के सितारे, पूर्व खिलाड़ी और पहली बार जीते सांसद शामिल हैं।

आप हमारी पोस्ट डिलीट कर सकते हैं, हमें इस मंच से मिटा नहीं सकते

सीजेपी संस्थापक अभिजीत ने जंतर-मंतर से भरी हुंकार, शिक्षा मंत्री से मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन में अभिजीत दीपके ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया। उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा। उन्होंने कहा कि मेरे दोस्तों, यह एक लंबा संघर्ष है। सोशल मीडिया पर प्रधान के इस्तीफे की मांग शुरू किए हुए एक महीना हो गया है, लेकिन ये लोग इतने बेशर्म हैं कि कार्रवाई करने के बजाय, वे अन्य कामों में लगे हैं, जैसे हमारे अकाउंट हैक करना और हमारी पोस्ट को डिलीट करवाना। आप हमारी पोस्ट डिलीट कर सकते हैं, लेकिन आप हमें इस मंच से मिटा नहीं सकते उन्होंने यह भी कहा कि कार्यकर्ता सोनम वांगचुक जल्द ही प्रदर्शन में शामिल होंगे और उनके समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि देश का युवा अब नहीं डरेगा। वहीं बड़ी संख्या में एकत्र हुए छात्रों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। सुबह दिल्ली पहुंचे दीपके ने समर्थकों से अनुशासन बनाए रखने और प्रदर्शन को शांतिपूर्ण रखने का आग्रह किया। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने भी इस प्रदर्शन का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि अगर दीपके को गिरफ्तार किया गया तो वह छह

सप्ताह का अनशन करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के मद्देनजर भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शनिवार को कॉकरोच जनता पार्ट के संस्थापक अभिजीत दीपके प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए जिनमें अधिकतर युवा हैं। इनमें से कई लोग कॉकरोच के मुखौटे पहने नजर आए और उनके हाथों में फूल थे। स्कूली छात्र भी अपने माता-पिता के साथ प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे। इसमें शामिल लोगों में ज्यादातर स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्रा और युवा हैं।

दीपके ने एक्स पर एक पोस्ट में जंतर-मंतर पर समर्थकों से मुलाकात को लेकर उत्सुकता व्यक्त की और उन्हें एक किताब और राष्ट्रीय ध्वज लाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रदर्शन में हिस्सा लेने आने वाले लोगों से पुलिसकर्मियों को करुणा और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में फूल देने आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि आंदोलन प्रेम और शांति के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने लिखा- मैं पहुंच गया।

बता दें यह प्रदर्शन सीजेपी द्वारा आयोजित किया जा रहा है जो युवाओं के नेतृत्व वाली एक ऑनलाइन मुहिम है। इस प्रदर्शन के जरिए सीजेपी नीट, सीबीएसई, सीयूईटी और एसएससी समेत कई भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के लिए जवाबदेही की मांग कर रहा है। प्रदर्शन के मद्देनजर कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए दिल्ली में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दिपके ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह परीक्षाओं और भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोप में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे समेत उनकी मांगों पर ध्यान देने के बजाय संगठन की सोशल मीडिया पर ज्यादा ध्यान दे रही है। कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन को सामाजिक कार्यकर्ता और पूर्व आप नेता योगेंद्र यादव ने अपना समर्थन दिया है। उन्होंने प्रदर्शनकारियों के लिए कविता पढ़कर उनका उत्साह बढ़ाया।

अंबाजी के पास रिंचडी झील में तीन बच्चे डूबे मरने वालों में दो भाई भी शामिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। रिंचडी झील में नहाने गए तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई है। मरने वालों में दो भाई भी शामिल हैं। यह घटना दोपहर में हुई। मरने वाले बच्चों की उम्र सात, आठ और दस साल थी। आदिवासी समुदाय के इन तीन छोटे बच्चों की मौत से उनके परिवार में मातम है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, दोपहर करीब 2 बजे चार बच्चे झील में नहाने गए थे। उनमें से एक

लड़की को तैरना नहीं आता था, इसलिए वह किनारे पर बैठ गई। जब बाकी तीन बच्चे काफी देर तक बाहर नहीं आए, तो लड़की ने घर जाकर बताया। घटना की सूचना मिलते ही गांव वाले झील किनारे पहुंचे। सरपंच और तलाटी समेत बड़ी संख्या में गांव वाले मौके पर मौजूद थे। गांव वालों ने इस घटना के लिए ठेकेदार की लापरवाही का बड़ा आरोप लगाया है। अभी इस झील में करोड़ों रुपये के डेवलपमेंट के काम चल रहे हैं। गांववालों के मुताबिक, कॉन्ट्रैक्टर या कंपनी ने कहीं भी कोई नोटिस बोर्ड नहीं लगाया है और न ही कोई सिक्योरिटी मौजूद है। गांववालों का कहना है कि कॉन्ट्रैक्टर ने तालाब में गहरे खोद दिए हैं, जिसकी वजह से बच्चे गहरे पानी में फंस गए और डूब गए।

नड्डा ने खड़गे पर किया पलटवार, कहा- अधूरा ज्ञान देशहित के लिए खतरनाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-6) के आंकड़ों को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा स्वास्थ्य संबंधी आंकड़े छिपाने के आरोप लगाए जाने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने तीखा जवाब देते हुए कहा कि अधूरी जानकारी के आधार पर राजनीति की जा सकती है, लेकिन देश का भला तथ्यों से होता है।

दरअसल, खड़गे ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा था, कि केंद्र सरकार महिलाओं और बच्चों से जुड़े स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी महत्वपूर्ण आंकड़े छिपा रही है। उन्होंने दावा किया कि एनएफएचएस-6 के आंकड़े सरकार की

नीतिगत विफलताओं को उजागर करते हैं और इसी कारण उन्हें सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए नड्डा ने कहा कि जनस्वास्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है और इसे केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एनएफएचएस-6 का डेटा भारत के स्वास्थ्य तंत्र में हुए व्यापक सुधारों और बदलावों को दर्शाता है। स्वास्थ्य मंत्री ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उनके अनुसार, पहली तिमाही में प्रसव-पूर्व पंजीकरण का प्रतिशत 43.9 से बढ़कर 76.2 हो गया है। वहीं संस्थागत प्रसव का आंकड़ा 38.7 प्रतिशत से बढ़कर 90.6 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। इसके अलावा प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की देखरेख में होने वाले जन्मों का प्रतिशत 46.6 से बढ़कर 91.3 तक पहुंच गया है। नड्डा ने कहा कि लाखों महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं और सुरक्षित प्रसव सेवाएं मिल रही हैं, जो देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि भारत की स्वास्थ्य यात्रा की असली कहानी प्रगति और सुधार की है, न कि निराशा की।

10 जून को पीएम मोदी रचेंगे इतिहास, जवाहरलाल नेहरू का तोड़ेंगे रिकॉर्ड

-सबसे लंबे समय तक लगातार पीएम पद पर बने रहने वाले बन जाएंगे नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी 10 जून को भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय रचने जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक दिन पर, वे स्वतंत्र भारत के इतिहास में लोकसभा चुनाव जीतकर सबसे लंबे समय तक लगातार पीएम पद पर बने रहने वाले नेता बन जाएंगे। इस उपलब्धि के साथ, नरेंद्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का 72 साल पुराना रिकॉर्ड पीछे छोड़ देंगे, जो कांग्रेस पार्टी के लिए बड़ा राजनीतिक संदेश हो सकता है।

जवाहरलाल नेहरू 13 मई, 1952 को पहले आम चुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत के बाद देश के पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने 27 मई, 1964 को अपने निधन तक लगातार पद संभाला, और इस अवधि में उनका कार्यकाल कुल 4,397 दिनों का रहा। यह रिकॉर्ड अब तक भारत के किसी भी निर्वाचित प्रधानमंत्री द्वारा लगातार पद पर बने रहने का सबसे लंबा समय था।

वहीं, नरेंद्र मोदी ने 26 मई, 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। यदि वे अपना वर्तमान कार्यकाल पूरा करते हैं, तो 9 जून, 2026 को उनका कार्यकाल भी 4,397 दिनों का हो जाएगा, जो नेहरू के रिकॉर्ड के ठीक बराबर होगा। इसके ठीक अगले दिन, यानी 10 जून, 2026 को, प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल 4,398 दिनों का हो जाएगा। इसी के साथ वे निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबे समय तक लगातार पद पर बने रहने वाले पहले नेता बन जाएंगे, एक ऐसा कीर्तिमान जो पहले कभी किसी ने नहीं बनाया।

पिछले कुछ वर्षों में, प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस काल के कई बड़े राजनीतिक रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। जुलाई 2025 में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के लगातार 4,077 दिनों तक प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया था। उस समय, वे लगातार कार्यकाल के मामले में नेहरू के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए थे, और अब वे नेहरू के इस विशिष्ट रिकॉर्ड को भी पार करने के लिए तैयार हैं।

हालांकि, कुल प्रधानमंत्री कार्यकाल के मामले में जवाहरलाल नेहरू अभी भी पहले स्थान पर बने हुए हैं। नेहरू 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री बने थे और 27 मई, 1964 तक इस पद पर रहे। इस प्रकार, उनका कुल कार्यकाल लगभग 6,131 दिनों का रहा, जो आज भी भारत में किसी भी प्रधानमंत्री का सबसे लंबा कार्यकाल है। यह महत्वपूर्ण है कि 15 अगस्त, 1947 को भारत की स्वतंत्रता के समय देश में संविधान लागू नहीं हुआ था और न ही स्वतंत्र भारत के लिए कोई आम चुनाव हुआ था। 1946 में ब्रिटिश सरकार द्वारा संविधान सभा के गठन की प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिसके बाद कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू को अपना नेता चुना।

इन ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ-साथ, पीएम मोदी ने एक और अहम कीर्तिमान अपने नाम किया है। वे लगातार तीसरी बार बहुमत से सत्ता में लौटने वाले पहले गैर-कांग्रेसी पीएम बने हैं। उन्होंने 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में लगातार जीत दर्ज कर तीसरी बार पीएम का पद संभाला, जो

स्वतंत्र भारत के इतिहास में एक अद्वितीय राजनीतिक उपलब्धि है।

ग्रामीण मांग की रफ्तार कायम, शहरी मध्य वर्ग पर दबाव : एफएमसीजी

नई दिल्ली।

नेस्ले इंडिया ने बताया कि शहरी उपभोक्ता गैर-जरूरी खर्च को टाल रहे हैं, जिससे इंतजार करो की स्थिति बन रही है। हालांकि, नेस्ले के लिए, जो एक शहरी-केंद्रित कंपनी है, वृद्धि बेहतर बनी हुई है। उन्होंने नील्सन आईक्यू के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि ग्रामीण मांग लगातार तीन वर्षों से शहरी मांग की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। बाजार के प्रीमियम हिस्से में भी मांग मजबूत बनी हुई है। मैरिको के एक अे धिकारी ने स्वीकार किया कि नए क्षेत्रीय ब्रांड बड़ी एफएमसीजी कंपनियों के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मैरिको ने तीन वर्षों में सात डी2सी ब्रांडों का अधिग्रहण किया है और नवाचार को अंतरराष्ट्रीय ब्रांड निर्माण के लिए महत्वपूर्ण बताया। यह चिंता भी जताई कि कम बारिश से ग्रामीण क्षेत्रों की मांग प्रभावित हो सकती है।

सौर क्षमता विस्तार में भारत ने अमेरिका को पछाड़ा

बीते वर्ष 37 गीगावाट सौर क्षमता जोड़कर भारत चीन के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर रहा

नई दिल्ली ।

भारत ने सालाना सौर क्षमता विस्तार के मामले में अमेरिका को पछाड़ते हुए वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को बताया कि बीते साल 37 गीगावाट (जीडब्ल्यू) सौर क्षमता जोड़कर भारत चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा क्षमता विस्तारक देश बन गया है। इस दौरान अमेरिका ने 34 जीडब्ल्यू क्षमता जोड़ी। जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि मजबूत नीतिगत समर्थन, नवाचार और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के दम पर भारत सबसे तेजी से बढ़ते प्रमुख सौर बाजारों में से एक है। अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, वर्ष 2024 में भारत सौर ऊर्जा का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक भी बन गया, जिसने जापान को पीछे छोड़ते हुए अपनी क्षमता को 98 जीडब्ल्यू से अधिक तक पहुंचाया। देश में सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की गति उल्लेखनीय रही है। भारत ने अप्रैल 2026 तक 154 जीडब्ल्यू की कुल सौर क्षमता हासिल करने का अनुमान है। भारत का महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2030 तक 500 जीडब्ल्यू नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता प्राप्त करना है। वर्तमान में, भारत की कुल स्थापित बिजली क्षमता का लगभग आधा (288 जीडब्ल्यू) गैर-जीवाश्म स्रोतों से आता है।

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच अदाणी टोटल गैस के शेयर उछले

विशेषज्ञ बोले- सरकारी नीतियां और कीमतों में बढ़ोतरी बनी वजह

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संघर्ष ने जहां वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ला दिया है और निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स को करीब 9 प्रतिशत नीचे धकेल दिया है, वहीं इस मुश्किल दौर में अदाणी टोटल गैस (एटीजीएल) ने सेक्टर में बेहतरीन प्रदर्शन कर सभी को चौंका दिया है। फरवरी 2026 से जून 2026 के बीच कंपनी के शेयर में लगभग 40 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी दर्ज की गई, जिससे यह ऑयल एंड गैस सेक्टर की शीर्ष प्रदर्शन करने वाली कंपनी बन गई। बाजार विशेषज्ञ के अनुसार, अदाणी टोटल गैस की इस शानदार तेजी के पीछे तीन मुख्य कारण हैं- सरकारी नीतियां, सीएनजी व औद्योगिक गैस की कीमतों में बढ़ोतरी, और अदाणी समूह में निवेशकों का बढ़ता भरोसा। उन्होंने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें तेल व गैस निकालने वाली कंपनियों के लिए फायदेमंद साबित होती हैं, जबकि तेल विपणन कंपनियों और रिफाइनरियों पर लागत बढ़ने का दबाव पड़ता है। इस अवधि में अदाणी टोटल गैस का शेयर 512 रुपये से बढ़कर 717.60 रुपये पर पहुंच गया। जहां एक ओर अदाणी टोटल गैस ने आसमान छुआ, वहीं चेन्नई पेट्रोलियम (24 फीसदी), एजिस लॉजिस्टिक्स (10.5 फीसदी) और ऑयल इंडिया (1.5 फीसदी) जैसी कुछ अन्य कंपनियों के शेयरों में भी मामूली बढ़त देखी गई। दूसरी ओर, पश्चिम एशिया संकट का सबसे बुरा असर सरकारी तेल विपणन कंपनियों पर पड़ा। इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल के शेयरों में 23 से 27 प्रतिशत तक की भारी गिरावट आई। इसके अलावा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, गेल, महानगर गैस और इंद्रप्रस्थ गैस सहित कई बड़ी कंपनियों के शेयरों में भी महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज की गई, जिससे पूरे सेक्टर में दबाव साफ नजर आया।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 14 अंक , निफ्टी 11 अंक उछला

मुम्बई ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच ही भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को उतार-चढ़ाव के बाद हल्की बढ़त पर बंद हुआ। एशियाई और अमेरिकी बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही आज जहां बीएसई सेंसेक्स 14 अंक ऊपर आकर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी में 11 अंकों का उछाल आया। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई 11 अंक करीब 0.01 फीसदी की तेज़ी के साथ 74,360 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 11 अंक तकरीबन 0.04 फीसदी की बढ़त के साथ 23,416 के स्तर पर बंद हुआ आज बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में ज़्यादा तेज़ी रही। निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.49 फीसदी उछाल दर्ज किया गया। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 में 0.46 फीसदी का उछाल आया।

निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा 16.50 फीसदी बढ़त क्वालिटी वॉल्स के शेयरों में आई देखने को मिली। इसके अलावा टाइटन कंपनी में 3.48 फीसदी की बढ़त, कोल इंडिया में 1.98 फीसदीकी तेज़ी और सिप्ला में 1.71 फीसदी की बढ़त रही। वहीं निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा गिरावट दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के शेयरों में 1.75 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। इसके बाद, बजाज फिनसर्व में 1.42 फीसदी की गिरावट। वहीं हिंडाल्को में 1.17 फीसदी की गिरावट आई। एसबीआई लाइफ में 1.09 फीसदी और अल्ट्राटेक सीमेंट्स में 0.94 फीसदी की गिरावट रही।

आज सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी मीडिया में 2.19 फीसदी की तेज़ी रही। निफ्टी इंडिया टूरिज्म में 1.15 फीसदी जबकि निफ्टी कैपिटल मार्केट में 1.13 फीसदी की बढ़त रही। निफ्टी एनर्जी में 0.62 फीसदी की तेज़ी। निफ्टी इंडिया डिफेंस - 0.47 फीसदीत की तेज़ी आई।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

भारतीय रुपया गुरुवार को सात पैसे की बढ़त के साथ ही 95.64 पर बंद हुआ1 अमेरिकी डॉलर के मुकाबले थोड़ी राहत की सांस ली। शुरुआती कारोबार में रुपया 1 पैसे की मामूली मजबूती के साथ 95.70 प्रति डॉलर पर खुला।

पिछले सत्र में 95.71 पर बंद होने के बाद रुपये ने दिन की शुरुआत 95.70 के स्तर पर की, जिससे डॉलर के मुकाबले इसकी स्थिति में थोड़ा सुधार आया। यह सुधार बाजार में हल्की सकारात्मकता का संकेत देता है। हालांकि, शुरुआती कारोबार के दौरान रुपया थोड़ा कमजोर होकर फिर से 95.71 पर कारोबार करता देखा गया, जो बाजार की अस्थिरता को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक बाजारों में डॉलर की स्थिति और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव रुपये के प्रदर्शन को प्रभावित करते रहेंगे।

केरल पर गंभीर वित्तीय संकट, कर्ज 5 लाख करोड़ पार

तिरुवनंतपुरम ।

केरल सरकार ने गुरुवार को विधानसभा में एक गंभीर वित्तीय स्थिति रिपोर्ट (श्वेत पत्र) पेश की, जिसमें राज्य पर 5.07 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कुल कर्ज और लगभग 49,000 करोड़ रुपये के लंबित भुगतान उजागर हुए हैं। पूर्व कैबिनेट सचिव के. एम. चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा तैयार यह रिपोर्ट बताती है कि बढ़ते कर्ज और देनदारियों के कारण विकास व बुनियादी ढांचे में निवेश की क्षमता सीमित हो गई है।

वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान कुल राजस्व प्राप्तियों का 77 फीसदी हिस्सा खर्च कर देते हैं, जबकि पूंजीगत व्यय सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का मात्र 1.3 फीसदी है, जो देश में सबसे कम है। रिपोर्ट ने केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) के लगभग 21,000 करोड़ रुपये के ऋण पर भी चिंता जताई है, जिसे अंततः राज्य सरकार को ही चुकाना होगा। यह गंभीर वित्तीय चुनौती राज्य के लिए विकास परियोजनाओं को बाधित कर रही है और दैनिक नकदी जरूरतों के लिए आरबीआई की आपात उधारी पर निर्भरता बढ़ा रही है।

भारतीय ब्रांड करेंगे अमेरिकी बाजार पर राज: ओयो

ओयो ने मोटेल 6 अधिग्रहण कर अमेरिकी होटल क्षेत्र में बनाई पैठ

न्यूयॉर्क ।

ऑनलाइन हॉस्पिटैलिटी मंच ओयो की मूल कंपनी प्रिज़्म के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा है कि भारतीय कंपनियां जल्द ही अमेरिका में बड़े ब्रांडों की मालिक बनेंगी, जिससे भारत की सॉफ्ट पावर बॉलीवुड और आईटी सेवाओं से आगे बढ़कर सीधे अमेरिकी उपभोक्ताओं तक पहुंचेगी। न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित एक चर्चा में उन्होंने यह भी बताया कि ओयो अमेरिका में तेजी से विस्तार कर रहा है। उन्होंने जोर दिया कि इसका मतलब है कि अमेरिकी उपभोक्ता पहली बार भारतीय ब्रांडों का उपयोग करेंगे। उन्होंने अपनी कंपनी का उदाहरण

देते हुए कहा कि ओयो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से बढ़ा है और अब अमेरिका में उसकी सबसे अधिक बिक्री होती है। 2024 में, ओयो ने 52.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर में जी6 हॉस्पिटैलिटी का अधिग्रहण पूरा किया, जो उत्तरी अमेरिका की सबसे बड़ी स्वामित्व एवं संचालित होटल श्रृंखला, मोटेल 6 की मूल कंपनी है। इससे ओयो अमेरिका में सबसे बड़ा इकोनॉमी होटल ब्रांड मालिक बन गया है। उन्होंने भविष्य में अमेरिकी उपभोक्ता-आधारित व्यवसायों में भारतीय कंपनियों द्वारा बड़े निवेश की संभावना जताई। कंपनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्टार्टअप प्रधानमंत्री कहते हुए देश में स्टार्टअप परिवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत ने नए स्टार्टअप के लिए करीब दो अरब डॉलर की पूंजी उपलब्ध कराई है। इस चर्चा के दौरान यह भी खबरें आईं कि प्रिज़्म को 6,650 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने की मंजूरी मिल गई है।

विमानन क्षेत्र को राहत : 10,000 करोड़ का एटीएफ मूल्य स्थिरीकरण कोष मंजूर

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच बढ़ती कीमतों से निपटने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और विमान ईंधन (एटीएफ) की बढ़ती लागत से जूझ रही भारतीय विमानन कंपनियों को बड़ी राहत प्रदान की है। सरकार ने एटीएफ मूल्य स्थिरीकरण कोष के रूप में 10,000 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य विमानन क्षेत्र को ईंधन की कीमतों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव से बचाना है। यह सहायता पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के माध्यम से तेल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) को ब्याज-मुक्त कर्ज के रूप में प्रदान की जाएगी। ओएमसी इस राशि का उपयोग घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित करने वाली भारतीय विमानन कंपनियों के लिए एटीएफ की कीमतों को स्थिर रखने में करेंगी। सरकार का मानना है कि यह तंत्र विमानन कंपनियों को ईंधन मूल्य निर्धारण में अधिक स्थिरता और पूर्वानुमान प्रदान करेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने पर तेल कंपनियों को हुए नुकसान की भरपाई करेगा। यह योजना सभी इच्छुक अनुसूचित भारतीय विमानन कंपनियों के लिए उपलब्ध होगी, जो ओएमसी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करेंगी और 3 साल तक (या जब तक सहायता राशि पूरी तरह वसूल न हो जाए) उनसे एटीएफ खरीदना जारी रखेंगी। इस कोष में एक वसूली तंत्र भी शामिल है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में एटीएफ की कीमतें निर्धारित बेंचमार्क से कम होंगी, तो

अतिरिक्त राशि तेल कंपनियों से वापस लेकर भारत के संचित निधि में जमा कर दी जाएगी, जब तक कि पूरी सहायता राशि वसूल न हो जाए।

राजेश एक्सपोर्ट्स पर राजस्व में हेराफेरी का आरोप

मुंबई ।

सोने की रिफाइनिंग और जूलरी कारोबार से जुड़ी राजेश एक्सपोर्ट्स कंपनी के शेयर में गुरुवार को 5 फीसदी का लोअर सर्किट लगा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कंपनी और उसके प्रमोटर राजेश मेहता के खिलाफ बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं और राजस्व को 97-99 फीसदी तक बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के आरोप में अंतरिम आदेश जारी किया है। सेबी ने अपने अंतरिम आदेश में कहा कि जांच और फोरेंसिक ऑडिट के दौरान कंपनी में वित्तीय अनियमितताओं के कई संकेत मिले हैं।

नियामक के अनुसार कंपनी ने अपने राजस्व को 97 से 99 प्रतिशत तक बढ़ा-चढ़ाकर दर्शाया, जिसे सेबी ने अत्यंत गंभीर और अभूतपूर्व मामला बताया है। कंपनी पर जांच में सहयोग न करने का भी आरोप है।

मार्च 2024 में बड़े ट्रेड रिसीवेबल्स को लेकर मिली शिकायत के बाद सेबी ने अप्रैल 2020 से मार्च 2024 तक की विस्तृत जांच शुरू की थी और बीडीओ इंडिया सर्विसेज को फोरेंसिक ऑडिटर नियुक्त किया था। इस खबर के बाद बीएसई पर राजेश एक्सपोर्ट्स का शेयर पिछले कारोबारी सत्र के 110.15 रुपए से गिरकर गुरुवार को 104.65 रुपए पर खुला।

खाद्य तेल पैक आकार का होगा मानकीकरण, उपभोक्ताओं को मिलेगी स्पष्टता

उद्योग ने किया स्वागत, पारदर्शिता, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और पर्यावरण को होगा लाभ

नई दिल्ली ।

सरकार जल्द ही खाद्य तेल के पैक आकार को मानकीकृत करने के लिए नए नियम पेश करने वाली है। इस कदम से उपभोक्ताओं को विभिन्न ब्रांडों की कीमतों की तुलना करने में आसानी होगी और खाद्य तेल बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी। वर्तमान में प्रचलित 850 मिलीलीटर, 900 मिलीलीटर जैसे गैर-मानक पैक आकार उपभोक्ताओं को भ्रमित करते हैं और प्रति लीटर वास्तविक लागत का आकलन करना मुश्किल बनाते हैं। केंद्र सरकार खाद्य तेल के पैक आकारों के मानकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव लाने की तैयारी में है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बाजार में बढ़ती गैर-मानक पैक आकारों की प्रवृत्ति (जैसे 850, 875, 900, 950 मिलीलीटर) से निपटना है, जिसके कारण उपभोक्ताओं के लिए अलग-अलग ब्रांड की कीमतों की तुलना करना और प्रति लीटर वास्तविक लागत समझना मुश्किल हो जाता है। उद्योग जगत ने सरकार के इस प्रस्तावित कदम का जोरदार स्वागत किया है। उनका मानना है कि यह उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में पारदर्शिता बढ़ाएगा और विनिर्माताओं के बीच समान प्रतिस्पर्धा का माहौल तैयार करेगा। पुरी ऑयल मिल्स लिमिटेड के एक अे धिकारी ने कहा कि मानकीकृत पैक आकार उपभोक्ताओं को सही निर्णय लेने में मदद करेंगे और प्रतिस्पर्धा को गुणवत्ता, शुद्धता एवं मूल्य के आधार पर सुनिश्चित करेंगे, न कि पैकेजिंग के तरीकों पर। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार इस मानकीकरण से न केवल उपभोक्ता विश्वास मजबूत होगा, बल्कि इसके पर्यावरणीय लाभ भी होंगे।

वेदांता ने पांच वर्षों में 25 लाख टन कार्बन उत्सर्जन किया कम

नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और सघन वनीकरण से हासिल की उपलब्धि

नई दिल्ली ।

वेदांता समूह के लौह अयस्क खनन और इस्पात कारोबार ने पिछले पांच वर्षों में अपनी स्थिरता पहलों के माध्यम से लगभग 25 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी या अवशोषण कर पर्यावरण संरक्षण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह कदम भारी उद्योगों के डीकार्बोनाइजेशन प्रयासों और राष्ट्रीय व वैश्विक जलवायु लक्ष्यों के अनुरूप है। कंपनी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर कम-कार्बन भविष्य के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। वेदांता के प्रयासों में स्वच्छ प्रौद्योगिकी का उपयोग प्रमुख है, जहां विद्युत चालित यात्री वाहन, लोडर और फोर्कलिफ्ट के इस्तेमाल से प्रति वर्ष लगभग 800 किलोलीटर डीजल की बचत हुई। सतत परिवहन व्यवस्था के तहत जलमार्ग पोत संचालन ने 2.1 लाख ट्रक यात्राओं को कम करके 1.08 करोड़ लीटर डीजल और लगभग 28,900 टन कार्बन डाइऑक्साइड की बचत की। ऊर्जा दक्षता में अपशिष्ट ऊष्मा पुनर्प्राप्ति के माध्यम से 100 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता विकसित की गई, जिससे 2.4 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन से बचाव हुआ। पर्यावरण पुनर्स्थापन के तहत, गोवा की पुनर्वास खदान सहित अन्य स्थानों पर कुल 11 लाख से अधिक पेड़ लगाए गए हैं, जो हर साल हजारों टन सीओ2 अवशोषित करते हैं। बोकारो इस्पात संयंत्र में एलपीजी के स्थान पर प्राकृतिक गैस का उपयोग सालाना लगभग 1,500 टन सीओ2 उत्सर्जन को कम करेगा।

कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि टिकाऊ भविष्य के लिए उद्योगों को ऊर्जा उपयोग, परिवहन और पर्यावरण के साथ अपने संबंधों पर नए सिरे से विचार करना होगा।

एसबीआई कार्ड का फैसला, फोनपे क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड पॉइंट्स में होगी कटौती

1 जुलाई से बदलेंगे नियम, पर्पल और सलेक्ट ब्लैक कार्डधारकों पर होगा असर

नई दिल्ली ।

एसबीआई कार्ड ने अपने फोनपे एसबीआई क्रे डिट पर्पल और सलेक्ट ब्लैक कार्डधारकों के लिए रिवॉर्ड पॉइंट्स सिस्टम में अहम बदलावों की घोषणा की है। ये नए नियम 1 जुलाई 2026 से लागू होंगे, जिसके तहत ग्राहकों को विभिन्न खर्चों पर मिलने वाले रिवॉर्ड पॉइंट्स में कटौती या कुछ कैटेगरी में पूरी तरह से समाप्ति का सामना करना पड़ेगा। इन बदलावों का सीधा असर उन ग्राहकों पर पड़ेगा जो क्रेडिट कार्ड से बिल पेमेंट, इंश्योरेंस, ऑनलाइन शॉपिंग और अन्य खर्चों पर रिवॉर्ड पॉइंट्स कमाते हैं। पर्पल कार्डधारकों के लिए फोनपे खर्चों पर मासिक रिवॉर्ड पॉइंट्स की सीमा घटाई गई है। अब बीमा संबंधी खर्चों पर अधिकतम 250 पॉइंट्स और अन्य फोनपे खर्चों पर 750 पॉइंट्स ही मिलेंगे। इसके अलावा, ऑनलाइन शॉपिंग पर मिलने वाले कुल पॉइंट्स को भी 1,000 से घटाकर 750 कर दिया गया है। इसी तरह सलेक्ट ब्लैक कार्डधारकों के लिए भी नियम बदले हैं। फोनपे खर्चों पर पहले जहां 2,000 पॉइंट्स मिलते थे, अब बीमा पर 500 और अन्य फोनपे ट्रांजैक्शन्स पर 1,500 पॉइंट्स की सीमा तय की गई है।

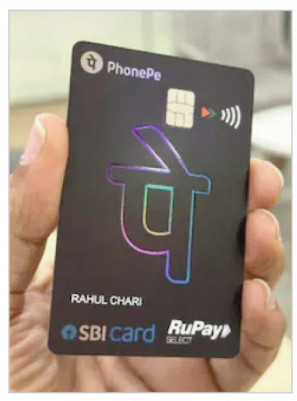

ऑनलाइन खर्चों पर मिलने वाले पॉइंट्स को भी 2,000 से घटाकर 1,000 कर दिया गया है। एसबीआई कार्ड ने कुछ कैटेगरी को रिवॉर्ड सिस्टम से बाहर कर दिया है, जिनमें टोल/ब्रिज पेमेंट, गिफ्ट, ज्वेलरी और शैक्षणिक भुगतान शामिल हैं। फोनपे ऐप के बाहर किए गए यूटिलिटी बिल, इंश्योरेंस प्रीमियम और यूपीआई ट्रांजैक्शन्स पर भी अब कोई रिवॉर्ड नहीं मिलेगा। हालांकि एसबीआई ने स्पष्ट किया है कि अन्य कार्ड सुविधाएं पहले जैसी ही रहेंगी। कार्डधारकों को सलाह दी गई है कि वे 1 जुलाई 2026 से पहले इन नए नियमों को समझकर अपने खर्चों की योजना बनाएं ताकि उन्हें किसी अप्रत्याशित नुकसान का सामना न करना पड़े।

वैश्विक दबाव से महंगी हुई दवाएं, मरीजों पर बढ़ा बोझ

नए स्टॉक 8 से 17 फीसदी तक महंगे

मुंबई ।

वैश्विक महंगाई और बाधित सप्लाई चेन का असर अब आम आदमी की सेहत पर भी दिखने लगा है। कच्चे माल, पैकेजिंग व समुद्री परिवहन लागत में उछाल से दवा कंपनियों की उत्पादन लागत बढ़ी है। इसका सीधा असर नए दवा स्टॉक पर पड़ा है, जहां कई आवश्यक दवाओं की कीमतें 8 से 17 फीसदी तक बढ़ गई हैं, जिससे मरीजों के मासिक खर्च में बढ़ोतरी की आशंका है। विशेषज्ञों के अनुसार, पैरासिटामोल, पेनिसिलिन, सेफालोस्पोरिन जैसी दवाओं के निर्माण में प्रयुक्त एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट और पेट्रोकेमिकल आधारित कच्चे माल की कीमतों में पिछले कुछ महीनों में 40 से 60 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। साथ ही, दवाओं की पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक और एल्युमीनियम भी महंगे हुए हैं। इस वृद्धि का असर पुराने स्टॉक पर सीमित है, लेकिन नए बैच की दवाएं अब अधिक कीमत पर मिल

रही हैं, खासकर एंटीबायोटिक्स और दर्द निवारक। फार्मा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे माल और परिवहन लागत में जल्द राहत नहीं मिली, तो भविष्य में कई और दवाओं की कीमतें बढ़ेंगी। इससे आम लोगों की स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च बढ़ेगा और मरीजों की जेब पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा।

अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखें

हम सभी अपने बच्चों के लिए सर्वोत्तम चाहते हैं, लेकिन माता-पिता बनना हमेशा आसान नहीं होता। हमारा मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र स्वास्थ्य और कल्याण का एक मूलभूत हिस्सा है। एक अभिभावक के रूप में, आप अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। पोषण और प्यार भरी देखभाल एक मजबूत नींव का निर्माण करती है, जिससे आपके बच्चे को एक खुशहाल, स्वस्थ और पूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक सामाजिक और भावनात्मक कौशल विकसित करने में मदद मिलती है।

यहाँ आपके बच्चे और आपके खुद के मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने में आपकी मदद करने के लिए विशेषज्ञ सुझाव और संसाधन दिए गए हैं। ये सुझाव आपको शरीर की छवि, साथियों के दबाव और बदमाशों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को बेहतर ढंग से समझाने में मदद करेंगे। अपने बच्चे को समझाएं कि मानव शरीर कैसे काम करता है और यौवन एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसका अनुभव हर कोई करता है। उनके शरीर में भी बदलाव आएगा।

सकारात्मक प्रेरणा

दूसरों में नकारात्मक शारीरिक विशेषताओं की ओर इशारा करके या किसी को अपमानजनक उपनाम देकर उदाहरण न पेश करें। बच्चे इसे समझ लेते हैं और ऐसा कर सकते हैं या अपने शरीर को लेकर असहज महसूस कर सकते हैं। इसके बजाय, अपने बच्चे और दूसरों में जो अच्छे गुण आप देखते हैं, उनकी प्रशंसा करें।

एक अच्छा उदाहरण स्थापित करें

आप अपने और दूसरों के शरीर को किस तरह महत्व देते हैं, यह आपके बच्चे के दिमाग में अंकित हो सकता है। उन्हें बताएं कि सक्रिय रहने और स्वस्थ आहार लेने का उद्देश्य सिर्फ़ बेहतर दिखना नहीं है, इसके और भी कई फायदे हैं।

सोशल मीडिया पर मौजूदगी सीमित रखें

इसमें कोई संदेह नहीं है कि बच्चे सोशल मीडिया पर जो कुछ भी देखते हैं, उससे प्रभावित हो रहे हैं। ट्रेंडी बनने की कोशिश में, बच्चे असुरक्षित और असुरक्षित हो जाते हैं, और उन्हें बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ सकता है। अपने बच्चे के लिए नियम निर्धारित करें और बताएं कि वह सोशल मीडिया का किस प्रकार उपयोग करता है तथा वह किस प्रकार की सामग्री पोस्ट करता है।

साथियों के दबाव से निपटना

माता-पिता के तौर पर, यह जानना अच्छा है कि आपका बच्चा किसके साथ दोस्त है। अपने बच्चे को अपने दोस्तों को घर पर कुछ समय बिताने के लिए लाने के लिए प्रोत्साहित करें। इस तरह, आप जान पाएंगे कि वे आपके बच्चे पर अच्छा या बुरा प्रभाव डाल रहे हैं या नहीं।

उन्हें सिखाएं कि नहीं कहना ठीक है

आपके बच्चे को यह जानना जरूरी है कि कुछ स्थितियों में नही कहना बिल्कुल ठीक है। और आप अपने निर्णयों में स्पष्ट और दृढ़ होकर उनके लिए एक उदाहरण स्थापित कर सकते हैं। यह उन्हें अपने साथियों के साथ उसी भाषा का उपयोग करने की अनुमति देता है, अगर वे किसी चीज़ के बारे में असहज या अनिश्चित हैं।

उन्हें अपने मुद्दों पर बात करने का समय दें

शांत रहें और उनकी बात सुनें। उन्हें इन मुद्दों पर बात करने में सहज महसूस कराएँ। उनके नजरिए से इसे समझें और जो कुछ हो रहा है उसके लिए उन्हें दोष न दें।

हर बच्चे को थोड़ी आजादी मिलनी चाहिए

बच्चे अपने आस-पास की दुनिया को जानने के लिए स्वतंत्र और स्वतंत्र होना चाहते हैं। माता-पिता के रूप में, आप परिभाषित कर सकते हैं कि कितना स्वीकार्य है। उनसे उन दोस्तों के बारे में बात करें जो उनके निर्णयों को प्रभावित कर रहे हैं और क्या यह सब इसके लायक है?

क्या मित्र सच्चा मित्र होता है?

अपने बच्चे को यह समझने में मदद करें कि सच्चा दोस्त क्या होता है। अगर यह दोस्त आपके बच्चे को कुछ ऐसा करने के लिए मजबूर कर रहा है जिसका उसे पछतावा हो या वह ऐसा बनने के लिए मजबूर कर रहा है जो वह नहीं है, तो क्या वह व्यक्ति वास्तव में दोस्ती के लायक है? अपने बच्चे के नजरिए से मुद्दों को समझें और जो कुछ हो रहा है उसके लिए अपने बच्चों को दोष न दें।

अपने बच्चे को सुनिए

आपको अपने बच्चे की बात ध्यान से सुननी चाहिए कि वह बदमाशी के बारे में क्या कहता है। उसे गंभीरता से लें और शांति से सहानुभूति रखें। अपने बच्चे को यह भरोसा दिलाकर उसका समर्थन करें कि जो हो रहा है वह गलत है; आप उसे समस्या से निपटने में कुछ मदद दिलवाएंगे।

उनके साथ स्पष्ट और खुली चर्चा करें

अपने बच्चे से अपने अनुभवों के बारे में बात करें। उन्हें अपने जीवन में अन्य वयस्कों से बात करने के लिए प्रोत्साहित करें जिनके साथ वे करीब हो सकते हैं। इस तरह के रिश्ते को बनाए रखने की पूरी कोशिश करें जहाँ आप संचार के रास्ते खुले रखें।

समस्या का समाधान मिलकर करें

आप अपने बच्चे की मदद कर सकते हैं, बदमाशी के बारे में समस्या-समाधान बातचीत करके और साथ मिलकर इससे निपटने की रणनीति बनाकर। सक्रिय बातचीत करना और नियमित रूप से रणनीति पर चर्चा करना डर या गुस्से में प्रतिक्रिया करने से कहीं बेहतर है।

उन्हें सिखाएं कि बदमाशों से कैसे निपटें

ऐसे हालात से निपटने के लिए दूर चले जाना और धमकाने वाले से उलझना नहीं, सबसे बढ़िया तरीका है। गुस्सा या डर न दिखाने के लिए आप रोल-प्लेइंग का अभ्यास कर सकते हैं।

जानें कि बदमाशी के खिलाफ कैसे खड़ा होना है

जब आपके बच्चे को धमकाया जा रहा हो तो 卐बंद करो卐 या बंद करो या 卐यह मजाक नहीं है卐 जैसे एक सरल वाक्यांश बहुत प्रभावी हो सकते हैं। उन्हें ऐसा कुछ कहने का तरीका खोजने के लिए प्रोत्साहित करें जो उन्हें सही लगे। उन्हें दूसरे व्यक्ति का अपमान करने की जरूरत नहीं है लेकिन बोलना शक्तिशाली है।

आम का मजा, ठंडक का एहसास जानिए आम पर्ना बनाने की रेसिपी

आम पर्ना एक स्वादिष्ट और हेल्दी ड्रिंक है, जिसे गर्मियों में खासतौर पर पीने का आनंद लिया जाता है। यह एक स्वादिष्ट आम का शरबत है, जो ना केवल स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि शरीर को ठंडक भी देता है। खासकर जब आम का मौसम होता है, तो इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। तो आइए, जानते हैं आम पर्ना बनाने की आसान सी रेसिपी :

सामग्री

1 पका हुआ आम (अल्फांसो या कोई भी मीठा आम)
1 कप ठंडा पानी
2-3 चम्मच चीनी (स्वादानुसार)
1/2 चम्मच भुना जीरा पाउडर
1/4 चम्मच काला नमक
1/4 चम्मच सादा नमक
1/2 चम्मच नींबू का रस
पुदीने की पत्तियां
बर्फ के टुकड़े

विधि

1. सबसे पहले, अच्छे से पका हुआ आम लें। आम को छीलकर उसका गूदा निकाल लें। ध्यान रखें कि आम पूरी तरह से पका हुआ हो ताकि उसका स्वाद मीठा और गाढ़ा हो।
2. अब आम के गूदे को एक मिक्सर जार में डालें। साथ ही उसमें ठंडा पानी डालें। अगर आप इसे थोड़ा पतला रखना चाहते हैं तो पानी की मात्रा बढ़ा सकते हैं।
3. मिक्सर में स्वादानुसार चीनी, भुना जीरा पाउडर, काला नमक और सादा नमक डालें। यह मसाले आम पन्ना को एक अलग ही स्वाद देंगे।
4. अगर आपको थोड़ा खट्टापन पसंद है तो नींबू का रस भी डाल सकते हैं। यह आम पन्ना को और भी ताजगी और स्वाद देगा।
5. अब सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करें, ताकि आम का गूदा और मसाले एकदम अच्छे से मिल जाएं। मिक्सर को 1-2 मिनट तक चलाएं, ताकि एक स्मूथ और गाढ़ा पेस्ट तैयार हो जाए।
6. अगर मिश्रण बहुत गाढ़ा हो, तो इसमें थोड़ा और ठंडा पानी डालें और अच्छे से मिक्स करें। अब आपका आम पन्ना तैयार है।

आम पन्ना को गिलास में डालें और ऊपर से पुदीने की पत्तियां डालकर सजाएं। आप इसे बर्फ के टुकड़ों के साथ भी सर्व कर सकते हैं, ताकि गर्मी में ठंडक मिले। इस आसान रेसिपी को ट्राई करें और अपने परिवार और दोस्तों के साथ इसका आनंद लें!

बच्चों को बनाना है संस्कारी, तो माता-पिता अपनाएं ये टिप्स

हर माता पिता अपने बच्चे से बहुत अधिक प्रेम करते हैं। अभिभावक हमेशा चाहते हैं कि उनका बच्चा स्वस्थ और सुखी रहे। बच्चे की खुशियों के लिए वह उनकी लगभग सभी मांगें भी पूरी करना चाहते हैं। इसके अलावा उनके उज्जवल भविष्य के लिए अच्छी शिक्षा दिलाना चाहते हैं। लेकिन अक्सर माता पिता बच्चे के प्रेम में कुछ ऐसी गलतियां कर जाते हैं, जो बच्चे के व्यवहार पर दुष्प्रभाव डालता है। बच्चे के पालन पोषण के दौरान उनकी हर जरूरत को पूरा करने के साथ ही बड़ी छोटी मांगों को पूरा करना, उनकी गलतियों को नजरअंदाज करना, उनके जिद्दी और गुस्सैल रवैए को बिना रोक टोक अपना लेने से बच्चा बिगड़ने लगता है और उसका भविष्य भी खराब होने लगता है। ऐसे में माता पिता को चाहिए कि वह बचपन से बच्चे को संस्कार और अनुशासन सिखाएं, ताकि बच्चा एक आदर्श इंसान, अच्छा बेटा और सफल नागरिक बन सके। चलिए जानते है कि बच्चे को संस्कारी और अनुशासित बनाने के लिए अभिभावक को क्या करना चाहिए।

बड़ों से अनुमति लेना सीखें

बच्चे अगर अपने मन मुताबिक कार्य करना चाहते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं लेकिन छोटी उम्र में उन्हें सही गलत का पता नहीं होता। ऐसे में मन मर्जी से किया हुआ कार्य गलत राह पर भी ले जा सकता है। इसलिए माता पिता को बच्चों में शुरुआत से पूछकर कार्य करने की आदत डलवानी चाहिए। भोजन करने से पहले माता पिता की अनुमति, बाहर खेलने जाने के लिए माता पिता की अनुमति लेनी चाहिए। बड़ों से पूछने की आदत डालना बच्चों को संस्कारी बना देता है। हालांकि अभिभावकों को भी बच्चों की पसंद और इच्छा का ध्यान रखना चाहिए। ऐसे में बच्चे अनुमति मांगे तो माता पिता को उनकी सलाह लेनी चाहिए कि वह क्या करना चाहते हैं।

गलती पर रोकें

अक्सर बच्चे गलती पर रोके न जानें, डांट न पड़ने और अधिक लाड प्यार के कारण बिगड़ते हैं। छोटी उम्र में जब बच्चे तोतली जुबान से बड़ों के नाम लेते हैं तो सभी को अच्छा लगता है। लेकिन बच्चे को उसी उम्र में रोकें कि वह बड़ों के नाम से नहीं बल्कि रिश्ते के संबोधन से ही बुलाएं। बच्चे की गलतियों पर हंसने या उसे इग्नोर करने के बजाय पहली बार ही अगर माता पिता बच्चे को टोंक देंगे तो वह गलती नहीं दोहराएगा।

सभी का सम्मान करें

बच्चों को संस्कार सिखाने के लिए सबसे जरूरी है कि उन्हें बड़ों और अपने से छोटों का सम्मान करना सिखाएं। अगर बच्चा सम्मानपूर्वक कोई बात न पूछे, रोए- चिल्लाए और पैर पटक कर बात करे, तो अपना फैसलना न बदलें। बल्कि उन्हें समझाएं कि इस तरह के उनकी कोई बात नहीं मानी जाएगी। किसी भी कार्य को सही तरीके से करने के लिए उन्हें सभी को सम्मान देना चाहिए। इस बात का पाठ पढ़ाने से बच्चा अपने गलत व्यवहार को बदल सकता है।

चिल्लाकर या क्रोध में बात न करें

अक्सर छोटे बच्चे अपनी बात मनवाने के लिए चिल्लाकर बात करते हैं। लाड प्यार के कारण क्रोध करना सीख जाते हैं और किसी से भी क्रोध में बात करने लगते हैं। अगर उनके चिल्लाने या गुस्सा करने से आप उनकी बातें मान लेते हैं तो बच्चा हर बार यही व्यवहार करता है। बचपन में तो इस तरह का व्यवहार संभाला जा सकता है लेकिन बड़े होने पर भी बच्चे में क्रोध और चिल्ला कर बात पूरी कराने की आदत बन सकती है। इसलिए उन्हें गुस्से पर नियंत्रण करना सिखाएं।

शेयर करना सीखें

बच्चा अपने माता पिता का प्यार किसी दूसरे से साझा नहीं करना चाहिए। कम उम्र में जब बच्चे का छोटा या बड़ा भाई- बहन या दूसरे बच्चों के साथ उन्हें रखा जाता है, तो वह अपने माता पिता को दूसरे बच्चे से लाड प्यार करते देख चिढ़ते हैं। इसके अलावा घर पर दो या दो से अधिक हमउम्र बच्चों की लड़ाई की एक वजह भी यही होती है कि वह एक दूसरे से अपनी चीजें साझा नहीं करना चाहते। ऐसे में बच्चे को शेयरिंग सिखाएं। दूसरे से अपनी चीजें बांटना, कुछ खाने पीने से पहले दूसरों से पूछना और स्वार्थ न दिखाना, यह सब बच्चों में अच्छे संस्कार के गुण बनते हैं।

किसी एक टीम से बड़ा है आईसीसी : जय शाह

टी20 विश्व कप 2026 विवाद पर पहली बार बोले शाह

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 से पहले बांग्लादेश को लेकर पैदा हुए विवाद पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आईसीसी किसी एक देश या टीम पर निर्भर नहीं है और संगठन हमेशा किसी भी सदस्य देश से बड़ा होता है। साथ ही उन्होंने टूर्नामेंट की अभूतपूर्व सफलता और रिकॉर्डतोड़ दर्शक संख्या का भी उल्लेख किया। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले एक बड़ा विवाद सामने आया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के दौरान बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम में जगह नहीं मिलने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत में खेलने को लेकर आपत्ति जताई थी। बोर्ड ने आईसीसी से अनुरोध किया था कि उसकी टीम के सभी मुकाबले केवल श्रीलंका में कराए जाएं। हालांकि आईसीसी ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया।

लॉर्ड्स टेस्ट- ओली रॉबिन्सन ने इंग्लैंड को पहली पारी में दिलाई बढ़त, न्यूजीलैंड पिछड़ी

लॉर्ड्स।

लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की पहली पारी 113 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 27 रन की अहम बढ़त मिली है। न्यूजीलैंड को पहली पारी में 113 रन पर समेटने में इंग्लैंड के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन का अहम योगदान रहा। रॉबिन्सन ने 10.5 ओवर में 39 रन देकर 5 विकेट लिए। इसके अलावा, जोश टंग ने 10 ओवर में 40 रन देकर 3 विकेट लिए। गस एटकिंसन को 5 ओवर में 9 रन खर्च कर 2 विकेट मिले। न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी पर गौर करें तो कीवी टीम पहली पारी में इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना मात्र 29.5 ओवर कर सकी और 113 रन पर सिमट गई। कीवी टीम के लिए नौवें नंबर पर आए काइल जैमिसन ने सर्वाधिक 38 रन बनाए। इसके अलावा ग्लेन फिलिप्स ने 34 रन बनाए। नाथन स्मिथ ने 15 रन बनाए। न्यूजीलैंड के शीर्ष 6 बल्लेबाज सिर्फ 20 रन का योगदान दे सके। इसके पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम टेस्ट के पहले दिन की 140 रन पर सिमट गई थी। इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक ने सर्वाधिक 56 रन बनाए थे। बेन डकेट 19 रन बनाकर दूसरे सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे।

इंग्लैंड के भी 6 बल्लेबाज 2 अंकों में नहीं पहुंच सके थे। न्यूजीलैंड के लिए काइल जैमिसन ने शानदार गेंदबाजी की थी और 14 ओवर में 62 रन देकर 5 विकेट झटके थे। नाथन स्मिथ ने 3 और विल

ओरूर्के ने 2 विकेट लिए थे। टेस्ट मैच के पहले दिन (गुरुवार) और दूसरे दिन (शुक्रवार) के पहले सत्र में विकेटों का पतझड़ देखने को मिला है। दूसरे दिन के बचे दो सत्र में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के प्रदर्शन पर नजर रहेगी।

नॉर्वे चेस चैंपियनशिप जीतने वाले पहले भारतीय बने प्रग्गनानंदा

स्टावेंजर (नॉर्वे)।

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रग्गनानंदा ने शानदार वापसी करते हुए नॉर्वे चेस चैंपियनशिप 2026 का खिताब अपने नाम कर इतिहास रच दिया। वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। अंतिम राउंड में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर प्रग्गनानंदा ने खिताबी जीत सुनिश्चित की। टूर्नामेंट के 10वें और अंतिम दौर में प्रग्गनानंदा ने सफेद मोहरों से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया। मध्य खेल में कीमर की कुछ गलतियों का पूरा फायदा उठाते हुए उन्होंने 45वीं चाल में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने कुल 18 अंक हासिल किए और खिताब पर कब्जा जमाया। पूरे टूर्नामेंट में उनके खाते में पांच जीत, दो हार और दो ड्रॉ रहे। दोनों ड्रॉ मुकाबलों के बाद खेले गए आर्मागेडन मैचों में भी उन्होंने जीत दर्ज की।टूर्नामेंट में सबसे कड़ी चुनौती अमेरिका के वेस्ली सो से मिली। अंतिम राउंड से पहले वेस्ली सो बढ़त बनाए हुए थे, लेकिन आखिरी मुकाबले में अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ ड्रॉ खेलने के कारण वह 17

अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वेस्ली सो ने पूरे टूर्नामेंट में दो जीत और आठ ड्रॉ खेले, जबकि छह आर्मागेडन मुकाबलों में जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक जुटाए। फ्रांस का प्रतिनिधित्व करने वाले अलीरेजा फिरोजा 15.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस प्रतियोगिता में विशेष अंक प्रणाली लागू थी, जिसमें जीत पर तीन अंक, ड्रॉ पर दोनों खिलाड़ियों को एक-एक अंक तथा आर्मागेडन मुकाबला जीतने वाले खिलाड़ी को एक अतिरिक्त बोनस अंक दिया जाता था।दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन अपने घरेलू टूर्नामेंट में चौथे स्थान पर रहे। कार्लसन ने अंतिम दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराया, लेकिन कुल 13 अंकों के साथ चौथे स्थान से आगे नहीं बढ़ सके। उल्लेखनीय है कि इस टूर्नामेंट में प्रग्गनानंदा ने कार्लसन को दो बार हराकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

तपती गर्मी में केएल राहुल का शतक, अफगानिस्तान के खिलाफ धैर्य और क्लास का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली।

न्यू चंडीगढ़ के मुल्लानपुर स्टेडियम में जब तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा था, तब भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में धैर्य, तकनीक और मानसिक मजबूती का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। इस कठिन परिस्थितियों वाली पारी में उन्होंने अपने टेस्ट करियर का 12वां और अंतरराष्ट्रीय करियर का 22वां शतक जड़ा। तेज गर्मी और उमस से भरे इस मुकाबले में बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। शुरुआती ओवरों में अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने अच्छी स्विंग और गति से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया, लेकिन केएल राहुल ने संयम से काम लेते हुए पारी को संभाला। उन्होंने जल्दबाजी के बजाय विकेट पर समय बिताया और धीरे-धीरे अपनी पारी को मजबूती दी।जैसे-जैसे धूप तेज होती गई, राहुल का आत्मविश्वास भी बढ़ता गया। उन्होंने स्पिन और तेज गेंदबाजी दोनों के खिलाफ शानदार डिफेंस और सटीक शॉट चयन से रन बटोरे। 98 रन पर पहुंचने के बाद पूरा स्टेडियम उनकी सेंचुरी का इंतजार कर रहा था, और 61वें ओवर में उन्होंने दो रन लेकर अपना शतक पूरा किया। हालांकि शतक पूरा करने के तुरंत बाद वह ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सके और 100 रन बनाकर आउट हो गए। उनकी इस पारी में 165 गेंदों पर 11 चौके शामिल रहे। शतक के बाद गर्मी और थकान के कारण राहुल बेहद थके हुए नजर आए।

अंडर-18 विमेंस एशिया कप- भारतीय महिला टीम ने ब्रॉन्ज मेडल पर जमाया कब्जा, कोरिया को 3-0 से दी मात

काकामिगाहारा।

अंडर-18 विमेंस एशियन कप में भारतीय टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। मलेशिया को पहले मैच में हराने के बाद भारत ने पूल ए के अपने दूसरे मैच में कोरिया के खिलाफ 3-1 से शानदार जीत दर्ज की। भारत के लिए इस मुकाबले में नौशीन नाज, श्रुति कुमारी, और किरण एक्का ने गोल दागा। मैच की शुरुआत ही भारतीय टीम के लिए शानदार रही। शुरुआती क्वार्टर में टीम को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसका पूरा फायदा नौशीन ने उठाया और मैच के चौथे ही मिनट में गोल करते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। भारतीय टीम ने गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा और दूसरे क्वार्टर में अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। 21वें मिनट में श्रुति ने शानदार गोल किया, जिससे भारत को हाफ-टाइम ब्रेक तक 2-0 की आरामदायक बढ़त मिल गई। ब्रेक के बाद कोरिया ने वापसी की कोशिश की और तीसरे क्वार्टर में स्कोर 2-1 कर दिया, जब ग्योंगमिन रयू ने 41वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया। हालांकि, भारत ने जल्द ही दो गोल की बढ़त वापस पा ली। प्लेयर ऑफ द मैच रहीं किरण एक्का ने 43वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को सफलतापूर्वक गोल में तब्दील किया, जिससे भारत की बढ़त 3-1 हो गई और मुकाबला पूरी तरह से उनके कंट्रोल में आ गया। भारतीय टीम आखिरी क्वार्टर में भी अनुशासन में रही, और कोरिया को कोई और गोल करने का मौका नहीं दिया। भारतीय टीम ने मैच के दौरान चार पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक हासिल किया, जबकि कोरिया ने दो पेनल्टी कॉर्नर जीते। मलेशिया और कोरिया के

खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच जीतने के बाद भारत अब छह पॉइंट्स के साथ पूल ए स्टैंडिंग में पहले स्थान पर आ गया है। टीम ग्रुप स्टेज के अपने आखिरी मुकाबले में 2 जून को सिंगापुर से भिड़ेगी, जहां भारतीय टीम की कोशिश अपने विजयी अभियान को लगातार तीसरे मैच में बरकरार रखने की होगी।

संक्षिप्त समाचार

अजीत अगरकर का बड़ा बयान- वैभव सूर्यवंशी को फिलहाल सिर्फ टी20 में मौका

टेस्ट करियर पर लगाई ब्रेक

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के टेस्ट करियर को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। पहली बार भारतीय टी20 टीम में शामिल किए गए वैभव को लेकर जब उनके टेस्ट भविष्य पर सवाल पूछा गया, तो अगरकर ने इसे सिरे से खारिज करते हुए कहा कि फिलहाल उनका चयन केवल छोटे प्रारूप यानी टी20 क्रिकेट के लिए किया गया है। अजीत अगरकर ने साफ कहा कि वैभव अभी बहुत युवा हैं और रेड बॉल क्रिकेट में उनका अनुभव सीमित है। उन्होंने कहा कि घरेलू क्रिकेट में अधिक मैच खेलने और लंबे प्रारूप में खुद को तैयार करने के बाद ही उनके टेस्ट करियर पर विचार किया जाएगा। अगरकर के अनुसार, ÷अभी जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं है, उन्हें धीरे-धीरे आगे बढ़ने दिया जाएगा।÷ उन्होंने आगे वैभव की प्रतिभा की जमकर सराहना की और कहा कि लगातार दो आईपीएल सीजन और अंडर-19 क्रिकेट में उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। अगरकर ने माना कि उनकी क्षमता और निरंतरता ने ही उन्हें टीम इंडिया में जगह दिलाई है।वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की थी। इस दौरान उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक लगाए और 237.30 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से सभी का ध्यान खींचा। उनके इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। टीम इंडिया को अब आयरलैंड के खिलाफ 26 और 28 जून को दो टी20 मैच खेलने हैं, जबकि इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। माना जा रहा है कि इन सीरीज में वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय डेब्यू का मौका मिल सकता है। चयनकर्ताओं का मानना है कि वैभव को सीमित ओवरों के प्रारूप में तैयार करना सही कदम होगा, जिससे वह भविष्य में लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट का हिस्सा बने रह सकें।

भारतीय टीम में जगह बनाकर सुर्खियां बटोरी तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने

आईपीएल से टीम इंडिया तक का सफर:

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को आयरलैंड, इंग्लैंड और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीमों की घोषणा कर दी है। इस चयन में सबसे बड़ा आकर्षण 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन के दम पर तीनों स्क्वॉड में जगह बनाकर इतिहास रच दिया है। वे भारतीय टीम में चुने जाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। उनके चयन ने क्रिकेट जगत में नई चर्चा छेड़ दी है। वैभव के साथ ही एक और युवा खिलाड़ी ने पहली बार भारतीय टीम में जगह बनाकर सुर्खियां बटोरी हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया में चुना गया है। आईपीएल 2026 में अपनी रफ्तार और सटीक लाइन-लेंथ से बल्लेबाजों को परेशान करने वाले प्रिंस ने चयनकर्ताओं को खासा प्रभावित किया।

आईपीएल 2026 प्रिंस यादव के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ, जहां उन्होंने 14 मैचों में 16 विकेट झटके और अपनी टीम के सबसे सफल गेंदबाज बने। मुश्किल परिस्थितियों में विकेट निकालने की उनकी क्षमता ने उन्हें राष्ट्रीय टीम तक पहुंचा दिया। प्रिंस यादव की यात्रा संघर्षों से भरी रही है। उनके पिता चाहते थे कि वह पुलिस सेवा में जाएं, लेकिन प्रिंस का सपना क्रिकेटर बनने का था। टेनिस बॉल क्रिकेट से शुरुआत

करने वाले प्रिंस ने 18 साल की उम्र में लेदर बॉल से गेंदबाजी शुरू की और धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाई।

हालांकि उनके करियर में एक बड़ा झटका तब लगा जब उम्र विवाद के चलते उन पर दो साल का प्रतिबंध लगा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। दिल्ली प्रीमियर लीग, रणजी ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें आईपीएल में मौका मिला। अब प्रिंस यादव टीम इंडिया की नीली जर्सी में अपने सपनों को साकार करने के लिए तैयार हैं, जबकि वैभव सूर्यवंशी का उदय भारतीय क्रिकेट के भविष्य की नई उम्मीद बनकर सामने आया है।

श्रीलंका ए दौरे के लिए इंडिया ए टीम घोषित, जुरेल बने कप्तान

आकिब नबी और कई युवा खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने श्रीलंका ए के खिलाफ होने वाले दो चार दिवसीय मैचों के लिए इंडिया ए टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबले 25 जून से 5 जुलाई के बीच गाले में खेले जाएंगे। टीम की कमान विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को सौंपी गई है, जबकि देवदत्त पडिक्कल को उपकप्तान बनाया गया है। इस टीम चयन में युवा और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी गई है। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को भी टीम में शामिल किया गया है। आकिब ने इस सीजन में 60 विकेट लेकर न सिर्फ अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी, बल्कि टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे थे। बल्लेबाजी क्रम में साई सुदर्शन, ऋतुराज गायकवाड़ और एन जगदीशन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ विदर्भ के अमन मोखाड़े और आंध्र प्रदेश के शेख रशीद को पहली बार इंडिया ए टीम में जगह दी गई है। चयनकर्ताओं का मानना है कि यह दौरा युवा बल्लेबाजों के लिए विदेशी परिस्थितियों में खुद को परखने का बेहतरीन अवसर होगा। गेंदबाजी विभाग में आकिब नबी के साथ यश ठाकुर, अंशुल कंबोज और गुरनूर बरार को शामिल किया गया है। गुरनूर बरार को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट टीम में नेट गेंदबाज के रूप में भी बुलाया गया था। स्पिन विभाग की जिम्मेदारी जीशान अंसारी, सारांश जैन और ऑलराउंडर आयुष बडोनी को सौंपी गई है। ये सभी खिलाड़ी स्पिन-अनुकूल परिस्थितियों में टीम की ताकत बढ़ाएंगे। कुछ खिलाड़ी पहले से ही श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए मौजूद हैं, जिससे टीम संयोजन को और मजबूती मिली है। यह दौरा भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

बीसीसीआई ने घोषित की टी20 टीम, श्रेयस अय्यर बने नए कप्तान; सूर्यकुमार यादव बाहर

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज तथा एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। इस बार चयन समिति ने बड़ा फैसला लेते हुए सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को टीम इंडिया का नया टी20 कप्तान नियुक्त किया है। वहीं, तिलक वर्मा को उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। टीम चयन के साथ कई चौंकाने वाले फैसले भी सामने आए हैं, जिन्होंने क्रिकेट प्रशंसकों का ध्यान खींचा है। श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाए जाने का फैसला उनके हालिया आईपीएल प्रदर्शन और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए लिया गया है। उन्होंने लगातार अपनी कप्तानी से प्रभावित किया है। तिलक वर्मा को उपकप्तानी देकर चयनकर्ताओं ने युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है, जबकि अक्षर पटेल को इस भूमिका से हटाया गया है। सबसे बड़ी चर्चा 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को मिली जगह को लेकर है, जिन्होंने आईपीएल 2026 में 16 मैचों में 776 रन बनाकर 237 के स्ट्राइक रेट से धमाकेदार प्रदर्शन किया था। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया।

ऋषभ पंत ने खेला 50वां टेस्ट, भारतीय विकेटकीपरों के खास क्लब में बनाई जगह

नई दिल्ली।

भारत और अफगानिस्तान के बीच न्यू चंडीगढ़ स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच के दौरान भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपने करियर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली। मैदान पर उतरते ही पंत ने अपना 50वां टेस्ट मैच खेला और भारतीय क्रिकेट के एक प्रतिष्ठित क्लब में शामिल हो गए। बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत अब भारत के लिए 50 या उससे अधिक टेस्ट मैच खेलने वाले केवल तीसरे विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज विकेटकीपरों महेंद्र सिंह धोनी और सैयद किरमानी की सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप 2026- मीनाक्षी और दीपक करेंगे टूर्नामेंट के स्टेज 2 में भारतीय टीम का नेतृत्व

नई दिल्ली।

विश्व की नंबर एक महिला मुक्केबाज मीनाक्षी और अनुभवी मुक्केबाज दीपक 15 जून से 21 जून तक चीन के गुइयांग में होने वाले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप 2026 (स्टेज 2) में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। भारत इस इवेंट में पिछले वर्ल्ड कप साइकिल में सफल प्रदर्शन के बाद उतर रहा है, जिसमें उन्होंने अलग-अलग स्टेज में कई मेडल जीते थे और फाइनल में कुल मिलाकर शानदार प्रदर्शन किया था। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने एक मजबूत भारतीय टीम का ऐलान किया है, जिसमें अनुभवी खिलाड़ियों के साथ कई युवा और उभरते हुए बॉक्सरों को भी शामिल किया गया है। विश्व रैंकिंग के अनुसार, टॉप-10 मुक्केबाजों की संख्या के मामले में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है। महिला वर्ग में भारत दूसरे और पुरुष वर्ग में चौथे स्थान पर है। सबसे बड़ी उपलब्धि महिला मुक्केबाजों की है। दुनिया के टॉप-3 खिलाड़ियों में शामिल भारतीय महिला मुक्केबाजों की संख्या सबसे अधिक है, जिसके कारण भारत इस श्रेणी में दुनिया में पहले स्थान पर है। यह उपलब्धि दिखाती है कि भारतीय मुक्केबाज, खासकर महिला खिलाड़ी, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही हैं और दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में अपनी जगह बना रही हैं। इससे यह भी साबित होता है कि भारत की मुक्केबाजी टीम विश्व स्तर पर मजबूत दावेदार बन चुकी है। यह टूर्नामेंट भारतीय मुक्केबाजों को कीमती रैंकिंग पॉइंट्स कमाने और इस जरूरी प्रतिस्पर्धी सीजन के दौरान अपनी रफ्तार बनाए रखने का एक अहम मौका देगा। स्क्वाड के बारे में बात करते हुए बीएफआई प्रेसिडेंट अजय सिंह ने कहा, ÷वर्ल्ड बॉक्सिंग कप हमारे एथलीट्स के लिए टॉप इंटरनेशनल प्रतियोगिता के खिलाफ खुद को परखने का एक अहम प्लेटफॉर्म है। हमने जो सिस्टम और स्ट्रक्चर बनाए हैं, वे अब लगातार नतीजों में बदल रहे हैं, जिसमें सभी वेट कैटेगरी में मजबूत प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। हम पहले जैसी गहराई देख रहे हैं, और यह निरंतरता भारत को दुनिया के लीडिंग बॉक्सिंग देशों में से एक के तौर

पर खुद को बनाने में मदद कर रही है।÷ महिला डिवीजन में मीनाक्षी (51 किलोग्राम) पूनम (54 किलोग्राम), प्राची (57 किलोग्राम), और माही लामा (60 किलोग्राम) के साथ एक टैलेंटेड ग्रुप की अगुवाई कर रही हैं। टीम को स्नेह (65 किलोग्राम), गीतिमोनी जी (70 किलोग्राम), सनमाचा सी (75 किलोग्राम), नैना (80 किलोग्राम), और अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (+80 किलोग्राम) ने और मजबूत किया।

चोट के चलते कोहली अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर

यशस्वी जायसवाल को मिला मौका

मुंबई।

भारतीय क्रिकेट टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ 13 जून से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले बड़ा झटका लगा है। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली चोट के कारण इस सीरीज से आधिकारिक रूप से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह चयन समिति ने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया है। विराट कोहली को आईपीएल 2026 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलते हुए दाहिनी हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। हालांकि उन्होंने उस मैच में नाबाद 75 रन की मैच विजयी पारी खेली थी, लेकिन पारी के दौरान वह फिटनेस समस्या से जूझते नजर आए थे। इसके बाद से ही उनके वनडे सीरीज में खेलने पर संशय बना हुआ था। बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कोहली की रिकवरी को लेकर अभी कोई निश्चित समयसीमा नहीं है, लेकिन उम्मीद है कि वे इंग्लैंड सीरीज तक फिट हो सकते हैं। कोहली की जगह शामिल किए गए यशस्वी जायसवाल ने अपना पिछला वनडे 6 दिसंबर 2025 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था, जिसमें उन्होंने नाबाद 116 रन की शानदार शतकीय पारी खेली थी। अब तक खेले गए 4 वनडे मैचों में वे 171 रन बना चुके हैं। टीम में रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या की उपलब्धता भी उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। दोनों खिलाड़ियों को सीरीज से पहले बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। हार्दिक पांड्या पीठ की चोट से उबर रहे हैं, जबकि रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग समस्या से जूझ रहे हैं।

इमरान के साथ काम करना किसी सपने के सच होने जैसा

सलमान खान के भांजे व अभिनेता इमरान खान अपनी आगामी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म से इमरान बतौर लीड एक्टर एक लंबे अरसे बाद वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म को लेकर फैंस तो उत्साहित हैं ही, लेकिन फैंस से भी ज्यादा उत्साहित खुद भूमि पेडनेकर हैं। यही नहीं भूमि ने इमरान खान को लेकर भी बात की और बताया कि उन्हें इमरान पर जबरदस्त क्रश था। हालिया बातचीत में भूमि पेडनेकर ने इमरान खान पर अपने क्रश के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बचपन से ही मुझे उन पर बहुत बड़ा क्रश था। उनकी सभी रोमांटिक कॉमेडी फिल्मों में वो सबसे बेहतरीन लगते थे। आजकल ऐसी रोमांटिक कॉमेडी फिल्में बनती ही नहीं हैं। भूमि के लिए इमरान के साथ काम करना किसी सपने के सच होने जैसा था। अभिनेत्री अक्सर इमरान के काम की फैन होने की बात कहती रही हैं।

15 साल बाद लीड एक्टर के तौर पर वापसी करेंगे इमरान

इमरान खान ने साल 2008 में आई फिल्म 'जाने तू या जाने ना' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो कई रोमांटिक-कॉमेडी फिल्मों में नजर आए। इमरान खान आखिरी बार साल 2015 में फिल्म 'कट्टी बट्टी' में लीड एक्टर के तौर पर नजर आए थे।

कृष्णा ने क्यों भाई टाइगर श्रॉफ को कहा साइको? सख्त लाइफस्टाइल को लेकर की खुलकर बात

टाइगर श्रॉफ अपने फिटनेस लेवल से फैंस को हमेशा हैरान करते रहते हैं। एक्टर अपनी फिल्मों में अक्सर खुद ही स्टंट करते हैं और अपनी लाइफ में बेहद सख्त रूटीन फॉलो करते हैं। उनकी बहन और रियलिटी टीवी स्टार कृष्णा श्रॉफ ने हाल ही में बताया कि टाइगर इतने डिसिप्लिन्ड हैं कि अपने बर्थडे पर भी केक नहीं खाते, सिर्फ उसे सूंघते हैं।

टाइगर को नहीं आती कुकिंग

हाल ही में एक इंटरव्यू में कृष्णा ने टाइगर की असली जिंदगी की झलक दिखाई। जब उनसे पूछा गया कि क्या टाइगर किचन में समय बिताते हैं, तो वह हंस पड़ीं और बोलीं, 'वो खाना नहीं बनाते। उन्हें तो अंडा बनाना भी नहीं आता। सच में, वो शायद मुझे ये कहने पर मार ही देंगे, लेकिन उन्हें अंडा बनाना भी नहीं आता।'

कृष्णा ने टाइगर की लाइफस्टाइल पर ये कहा

टाइगर की सख्त लाइफस्टाइल के बारे में बात करते हुए कृष्णा ने बताया कि वो कभी भी स्नैकिंग नहीं करते। उन्होंने कहा, 'देखिए, वो हर रात एक ही समय पर सोते हैं और फिर उठकर कुछ खाने-पीने या स्नैक करने का सवाल ही नहीं उठता। मैं हमेशा कहती हूं कि एक तरफ बहुत ज्यादा डिसिप्लिन होता है और दूसरी तरफ नॉर्मल लाइफ। टाइगर पहले वाले हैं, यानी बहुत ज्यादा डिसिप्लिन्ड, और मैं बीच में हूं।' कृष्णा ने एक और चौंकाने वाली बात बताई कि टाइगर अपने बर्थडे पर भी मिठाई नहीं खाते। उन्होंने कहा, 'वो अपने बर्थडे पर केक को सिर्फ सूंघते हैं, खाते नहीं हैं। मुझे तो ये थोड़ा पागलपन लगता है।'

टाइगर श्रॉफ का वर्कफ्रंट

फिलहाल टाइगर अपनी अगली फिल्म 'लग जा गले' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ जाह्नवी कपूर और लक्ष्य नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लक्ष्य के लुक में बदलाव की वजह से फिल्म की शूटिंग अब अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। पहले इस फिल्म को करण जौहर डायरेक्ट करने वाले थे, लेकिन अब वो सिर्फ इसके प्रोड्यूसर हैं।

सच को ढूंढने निकले अली फजल, 12 जून से स्ट्रीम करेगी 'राख'

अली फजल और सोनाली बेंद्रे स्टारर आगामी इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर सीरीज 'राख' की रिलीज डेट अब सामने आ गई है। घोषणा के बाद से ही फैंस इस सीरीज के बारे में हर अपडेट जानने का इंतजार कर रहे थे। अब अंततः मेकर्स ने सीरीज की रिलीज डेट जारी कर दी है।

मेकर्स की ओर से सोशल मीडिया पर सीरीज से अली फजल का एक पोस्टर साझा किया गया है। इसके साथ ही मेकर्स ने रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। पोस्टर में अली फजल पुलिस की वर्दी में नजर आ रहे हैं। उनके सामने एक लाश जैसी पड़ी मालूम हो रही। अली काफी इंटेंस और परेशान नजर आ रहे हैं। इसके साथ कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'दबे हुए सच हमेशा अपना रास्ता खोज ही लेते हैं।' 'राख' 12 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करेगी। 'राख' एक इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा सीरीज है, जो अपराधी की मानसिकता और आम जिंदगी के पीछे छिपे डार्कनेस को दिखाती है। जब दो लड़के अचानक गायब हो जाते हैं, तो एक खुशहाल परिवार टूट जाता है और पूरा शहर दहशत में आ जाता है। सच्चाई तक पहुंचने के लिए एक इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर देशभर में तलाश अभियान शुरू करता है। जैसे-जैसे वह मामले की गहराई में जाता है, यह केस उसे हिंसा और इंसानी क्रूरता की एक भयावह दुनिया में खींच लेता है। कहानी आगे बढ़ने के साथ-साथ और भी इंटेस होती जाती है।

मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं बाबिल खान

अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपनी पहली मलयालम फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने फिल्ममेकर बाबू जनार्दन कर रहे हैं। यह बाबिल खान के अभिनय करियर में एक नए दौर की शुरुआत है।

मलयालम सिनेमा से प्रभावित हैं बाबिल

अपकमिंग फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' में अपर्णा बालमुरली, दीपक परंबोल, निखिल नायर, जॉनी एंटनी, जगदीश, सुधीर करमना, आथमिया राजन और जयशंकर जैसे कलाकार होंगे। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बारे में बात करते हुए, बाबिल ने बताया कि वह हमेशा से मलयालम सिनेमा और उसकी कहानी कहने के अंदाज से प्रभावित हैं।

मलयालम सिनेमा की तारीफ की

उन्होंने कहा 'मलयालम सिनेमा ने हमेशा मेरे दिल में एक बहुत ही खास जगह बनाई है। यहां कहानियां जिस ईमानदारी, संवेदनशीलता और भावनात्मक गहराई के साथ कही जाती हैं, वह बेमिसाल है। सिलीगुड़ी में 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू करना मेरे लिए बेहद रोमांचक और रचनात्मक है।'

मेरी जिंदगी में कई पार्टनर हैं, लेकिन ये रिश्ते कैजुअल नहीं हैं

एक्ट्रेस शहाना गोस्वामी ने इंटरव्यू में शहाना ने कहा, 'फिलहाल मेरी जिंदगी में ऐसा कोई एक खास पार्टनर नहीं है। मेरी जिंदगी में कई लोग हैं, जिनसे मेरा लंबे समय से जुड़ाव है, लेकिन ये रिश्ते कैजुअल नहीं हैं। मेरे लिए कोई भी रिश्ता हल्का या टाइमपास नहीं होता।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरे लिए ओपननेस का मतलब यह है कि किसी एक इंसान के साथ तय रिश्ता जरूरी नहीं है, लेकिन लोगों के साथ जुड़ाव और अपनापन बना रहता है। कभी वह सिर्फ दोस्ती होती है, कभी रिश्ता थोड़ा और गहरा भी हो सकता है। हर चीज को किसी एक नाम या दिशा में बांधना जरूरी नहीं है। सबसे जरूरी चीज प्यार और दोस्ती है। मेरे लिए दोस्त वही है, जिसके लिए दिल में सच्चा अपनापन हो।'

ओपन रिलेशनशिप में घोस्टिंग से इनकार किया

शहाना गोस्वामी से जब ओपन रिलेशनशिप में घोस्टिंग यानी अचानक रिश्ता खत्म कर देने को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'असल में ऐसा नहीं होता। मैं लोगों को इग्नोर नहीं करती। इस तरह की जिंदगी अचानक नहीं मिलती। यहां तक पहुंचने के लिए इंसान को खुद पर बहुत काम करना पड़ता है। बाहर से यह आसान लगता है, लेकिन अपने अंदर की जलन और असुरक्षाओं का सामना करना पड़ता है।' उन्होंने कहा, 'मैं उन लोगों से अलग हूं, जिनसे वे पहले मिले हैं। मेरी वजह से कई लोगों की असुरक्षाएं बाहर आ जाती हैं। मैं जानबूझकर ऐसा नहीं करती, लेकिन मेरी आजादी लोगों को खुद के बारे में सोचने पर मजबूर करती है और हर कोई इसके लिए तैयार नहीं होता।' शहाना ने कहा कि कम उम्र में ही उन्हें ओपन रिलेशनशिप के बारे में समझ आ गई थी। एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे हमेशा लगा कि प्यार आजाद होना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि रिश्ता किसी इंसान को बांध दे या उसकी जिंदगी सीमित कर दे। इसी सोच ने मेरे रिश्तों और उन्हें निभाने के तरीके को तय किया है।' उन्होंने बताया कि उनके कई ओपन रिलेशनशिप पार्टनर्स एक-दूसरे से मिल चुके हैं। उनके मुताबिक, ऐसे रिश्ते तभी चल पाते हैं, जब उनमें ईमानदारी और खुलकर बातचीत हो। शहाना ने यह भी कहा कि लोग अक्सर यह सोच लेते हैं कि उनकी जिंदगी आसान है या उन्हें कभी मुश्किल भावनाओं का सामना नहीं करना पड़ा। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। उनके मुताबिक, आजादी का मतलब मुश्किलों से भागना नहीं होता। असली आजादी तब आती है, जब इंसान अपनी परेशानियों, डर और भावनाओं का सामना करता है और उनसे भागता नहीं। शहाना का कहना है कि बाहर से देखने वाले लोग अक्सर इसी बात को समझ नहीं पाते।

बॉबी देओल ने किया खुलासा कब रिलीज हो सकती है 'जन नायकन'

इस साल जनवरी में रिलीज होने जा रही फिल्म 'जन नायकन' कई विवादों के बाद रिलीज नहीं हो पाई। फिल्म के लीड एक्टर थलापति विजय अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। उनके फैंस अब उम्मीद लगाए बैठे हैं कि जल्द ही यह फिल्म रिलीज हो जाए। इसी बीच फिल्म में विलेन का रोल करने वाले बॉबी देओल ने अमर उजाला को दिए इंटरव्यू में बताया कि यह फिल्म कब रिलीज होने जा रही है।

लीक होने का बहुत दुख हुआ

अमर उजाला को दिए इंटरव्यू में बॉबी ने बताया कि फिल्म 'जन नायकन' कब रिलीज होगी? बॉबी ने कहा, 'यह फिल्म चुनाव से पहले विजय की आखिरी फिल्म होने वाली थी, लेकिन समझ नहीं आया कि कैसे इसकी रिलीज में देरी हो गई? फिर यह लीक भी हो गई, जिसका हम सभी को बहुत दुख हुआ। अब तो यह फिल्म कब रिलीज होगी इसकी कोई जानकारी मुझे अब तक मिली नहीं है। हो सकता है कि यह अगले महीने विजय के जन्मदिन पर रिलीज हो जाए।'

विजय जो चाहते थे हासिल किया

वहीं जब बॉबी से पूछा गया कि सेट पर विजय के साथ उनकी बॉन्डिंग कैसी थी? तो एक्टर ने कहा, 'मैं उनको इतनी अच्छी तरह से जानता नहीं। सेट पर बहुत कम बात होती थी। वो बहुत चप रहते हैं पर मैं बहुत खुश हूं कि उन्होंने वो हासिल किया, जो वो चाह रहे थे। जिस तरह वो चुनाव में जीते हैं, यह अपने आपमें बहुत बड़ी उपलब्धि है।'

कब है थलापति का जन्मदिन?

थलापित विजय इस साल 22 जून को अपना 52वां जन्मदिन मनाने वाले हैं। ऐसी खबरें हैं कि यह फिल्म उनके जन्मदिन से कुछ दिन पहले 19 जून को रिलीज हो सकती है, पर इस बारे में अब तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। अब बॉबी का यह बयान फिल्म के रिलीज होने की खबर पुख्ता करता है।

क्या है 'जन नायकन' विवाद?

एच विनोथ द्वारा निर्देशित 'जन नायकन' को अभिनेता विजय की आखिरी फिल्म बताया जा रहा है। यह फिल्म 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन सीबीएफसी से समय पर सर्टिफिकेट न मिलने के कारण इसे टाल दिया गया। फिल्म की रिलीज के समय सेंसर बोर्ड ने अचानक इसे हरी झंडी देने से इनकार कर दिया। सेंसर पैनल के अधिकांश सदस्य इसे 'U' सर्टिफिकेट देने के पक्ष में थे, लेकिन बोर्ड के एक सदस्य ने फिल्म में कथित रूप से धार्मिक सौहार्द्र बिगड़ने और भारतीय सेना के गलत चित्रण को लेकर आपत्ति जताई, जिससे फिल्म की रिलीज रोक दी गई।

कोर्ट तक पहुंचा मामला

सेंसर सर्टिफिकेट में देरी को लेकर फिल्म के निर्माताओं ने मद्रास हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। विवाद काफी लंबा खिंच गया, जिसके कारण 9 जनवरी को रिलीज होने वाली फिल्म अब पांच महीने बीत जाने के बाद भी अटकी हुई है। 'जन नायकन' में थलापति विजय के अलावा पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, मामिता बैजू और प्रकाश राज भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

5 जून को रिलीज होगी 'बंदर'

बॉबी देओल जल्द ही अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित फिल्म 'बंदर' में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी 'समर' नाम के एक ऐसे पॉप स्टार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका करियर खत्म हो चुका है। वह अपनी पुरानी लोकप्रियता को वापस पाने के लिए बेताब है। कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब एक महिला उस पर रेप का आरोप लगाती है। अब कौन सच बोल रहा है और क्या झूठ है, ये फिल्म देखने पर पता चलेगा। 'बंदर' 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें बॉबी देओल के अलावा सान्या मल्होत्रा, राज बी शेट्टी, सपना पब्बी और सबा आजाद भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

संक्षिप्त समाचार

मोजतबा खामेनेई के साथ मुलाकात के लिए ट्रंप तैयार, कहा-उनसे मिलकर सम्मानित महसूस करूंगा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्धविराम के बीच ईरान के सुप्रीम नेता मोजतबा खामेनेई के साथ मुलाकात की बात कही है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान के साथ जारी कूटनीतिक प्रयास किसी समझौते तक पहुँचते हैं, तो उन्हें ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई से मिलने में सम्मान महसूस होगा। ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, ऐसी किसी भी मुलाकात का आयोजन अत्यंत सम्मानजनक तरीके से किया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं मिलना नहीं चाहता, लेकिन अगर मुझे मिलना पड़ा, तो मुझे उनका सम्मान होगा। लेकिन अगर हम कोई समझौता करते हैं, तो यह संभव है कि मैं उनसे मिलूं। मुझे इसमें कोई आपत्ति नहीं होगी। ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि वह किसी भी मुलाकात में सम्मान के साथ पेश आएंगे और खामेनेई को शायद एक पेशेवर बताया, जिनकी कुछ हलकों में बहुत अच्छी प्रतिष्ठा है। ईरानी नेता के संबंध में अपनी टिप्पणी को स्पष्ट करते हुए ट्रंप ने कहा, कुछ लोग बुरा कहते हैं, लेकिन बहुत से लोग मेरे बारे में बुरा कहते हैं। निश्चित रूप से यह पूरी तरह से गलत है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका-ईरान समझौते का मुख्य हिस्सा यह होगा कि ईरान कोई परमाणु हथियार नहीं रख सकेगा। ट्रंप ने इस बात को दोहराया कि संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार पर नियंत्रण कर सकता है, यदि वह ऐसा करना चाहे। हालांकि, उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने आगे दावा किया कि ईरान ने यूरेनियम का संवर्धन बंद कर दिया है और अमेरिकी अधिकारी इस सामग्री की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। ट्रंप ने फिर कहा कि होर्मुज को जल्द दुनिया के लिए खोल दिया जाएगा।

क्यूबा के राष्ट्रपति पर अमेरिका ने लगाए नए प्रतिबंध, ट्रंप बोले- इस मुद्दे को हम संभालेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के बीच तनाव एक बार फिर तेज हो गया है। ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल, उनकी पत्नी और कई बड़े अधिकारियों पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिका ने यह कदम क्यूबा की सरकार पर दबाव बढ़ाने के लिए उठाया है। इन प्रतिबंधों के बाद दोनों देशों के रिश्तों में और तल्खी आ गई है। क्यूबा ने अमेरिका के इस फैसले को अपनी संप्रभुता पर हमला और खुली दखलअंदाजी बताया है। अमेरिका ने जिन लोगों पर कार्रवाई की है, उनमें पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के बेटे एलेजांद्रो कास्त्रो एस्पिन और उनके परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। अमेरिकी सरकार ने इन सभी की अमेरिका में मौजूद संपत्तियों और बैंक खातों को फ्रीज करने का फैसला किया है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इन नेताओं की अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था में बहुत कम हिस्सेदारी है। इसके बावजूद इस कदम को ट्रंप प्रशासन की कड़ी राजनीतिक चेतावनी माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार क्यूबा की सरकार पर सख्त रुख अपनाए हुए हैं। जनवरी में वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को हटाने के बाद ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा पर ऊर्जा नाकेबंदी भी लागू की थी। इससे क्यूबा में ईंधन संकट, बिजली कटौती और खाद्य संकट और गहरा गया। ट्रंप ने कहा कि क्यूबा पहले से ही लगभग टूट चुका है और अमेरिका इस मुद्दे को भी संभालेगा। उन्होंने यह भी कहा कि क्यूबा के पास सुंदर जमीन और पर्यटन की बड़ी संभावनाएं हैं।

काठमांडो कलिंग साहित्य महोत्सव में जुटेंगे भारत-नेपाल के दिग्गज

काठमांडो , एजेंसी। काठमांडो कलिंग साहित्य महोत्सव (केएलएफ) का चौथा संस्करण 6 जून से नेपाल के ललितपुर में आयोजित होगा। इसका मुख्य विषय सीमा से परे : दक्षिण एशियाई साहित्य है। उद्घाटन समारोह में नेपाल की पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की मुख्य अतिथि होंगी। दो दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में साहित्य, संस्कृति, सिनेमा और कूटनीति के दिग्गज हिस्सा लेंगे। महोत्सव में इला अरुण, प्रतिभा राय, आचार्य प्रशांत और पीयूष मिश्रा जैसी हस्तियां शामिल होंगी।

क्रोएशिया में विमान हादसा, 4 लोगों की मौत

मेडुलिन, एजेंसी। क्रोएशिया में बृहस्पतिवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से चार लोगों की मौत हो गई। हादसा इस्त्रिया प्रायद्वीप के मेडुलिन शहर के पास हुआ। सरकारी समाचार एजेंसी हिना के अनुसार, यह एक जर्मन विमान था और इसने ऑस्ट्रिया से उड़ान भरी थी। स्थानीय पायलट नियाज डेलिक ने एक समाचार पोर्टल को बताया कि विमान हवा में चक्कर खाते हुए जमीन पर आ गिरा। दुर्घटनास्थल की तस्वीरों में विमान का मलबा एक खेत में बिखरा दिख रहा है। पुलिस और दमकल विभाग की टीमें बचाव कार्य में जुटी हैं। अभी स्पष्ट नहीं है कि विमान में कुल कितने लोग सवार थे।

आवारा कुत्ते को लेकर भिड़े मेक्सिको और ब्राजील, एक देना चाहता नोट पर जगह, दूसरे ने बनाया राष्ट्रीय सम्मान

मेक्सिको, एजेंसी। भारत में आवारा कुत्तों को लेकर आए दिन विवाद सामने आता रहता है। सुप्रीम कोर्ट भी इस मुद्दे पर कई बार प्रतिक्रिया दे चुका है। लेकिन इसके बाद भी दिल्ली और तमाम भारतीय शहरों में आवारा कुत्ते दिखाई देते रहते हैं। भारत समेत हर देश के लिए उनकी देशी नस्ल के कुत्ते खास होते हैं, लेकिन कभी आपने सुना है कि दो देश आवारा कुत्ते की एक नस्ल के लिए आपस में मनमुटाव कर बैठें? जी हां, लैटिन अमेरिका के दो देश मेक्सिको और ब्राजील के बीच आवारा कुत्ते की एक नस्ल (कारोमेलो) को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। मेक्सिको ने इसे अपनी धरोहर घोषित किया है, जिसकी वजह से ब्राजील के लोगों में नाराजगी है। यह पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ, जब अप्रैल में मैक्सिको ने कुत्ते की इस नस्ल को मेक्सिकन घोषित कर दिया। ब्राजील में लोकप्रिय इस कुत्ते के बारे में जब वहाँ के लोगों ने सुना तो उन्होंने इस पर नाराजगी जाहिर की। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ब्राजील के लोगों ने सार्वजनिक तौर पर इसका विरोध किया, जबकि सरकार से अनुरोध भी किया कि वह अपने देश की धरोहर की रक्षा करें।

ब्राजील में क्यों फेमस है कारोमेलो कुत्ता : कारोमेलो नस्ल के यह कुत्ते ब्राजील के साथ-साथ मेक्सिको में भी बहुतायत में मिलते हैं। अपने भूरे रंग और फुर्तीले शरीर की वजह से दोनों ही देशों में यह काफी

लोकप्रिय हैं। लेकिन ब्राजील में इनकी लोकप्रियता को शिखर उस समय मिला, जब 2019 में इनके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होना शुरू हो गए। लोगों ने इन्हें पालना शुरू कर दिया और हद तब हो गई, जब ब्राजील के दस रियाश के नोट पर इनकी तस्वीर छपवाने को लेकर प्रयास शुरू हुआ। इस मुद्दे को लेकर एक पिटीशन बनाई गई, जिसको करीब 50 हजार लोगों ने अपना समर्थन दिया। धीरे-धीरे लोगों ने ब्राजील के इतिहास को भी कारोमेल कुत्ते से जोड़ना शुरू कर दिया और यह वायरल हो गया। इतना ही नहीं इस कुत्ते के ऊपर नेटफ्लिक्स पर एक फिल्म भी बनाई गई।

कारोमेलो : हाल ही में अप्रैल में जब मैक्सिको ने इसे अपने राष्ट्रीय प्रतीकों में हिस्सा दिया, तो ब्राजील के लोगों में नाराजगी फैल गई। कई लोगों ने मैक्सिकन सरकार को इसके लिए खूब खरी खोटी भी सुनाई। सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे 'ब्राजील मूल' का बताया।

मेक्सिको ने दिया जवाब : ब्राजील की तरफ से उठती विरोध की आवाजें मैक्सिको तक भी पहुंची। इन विरोधी की आवाजों का जवाब मैक्सिको के ह्यूमन वर्ड फॉर एनिमल्स के क्लाउडिया एडवर्ड्स ने दिया। उन्होंने न्यूयॉर्क टाइम्स से बात करते हुए कहा, 'ब्राजील पहला देश था, जिसने इस कुत्ते को सार्वजनिक रूप से मान्यता दी और दुनिया के सामने लाया। लेकिन यह भी सच है कि यह कुत्ता केवल ब्राजील की विरासत नहीं है, बल्कि पूरे लैटिन अमेरिका की विरासत है।

फिलहाल दोनों देश भले ही इस कुत्ते पर अपना दावा ठोक रहे हैं, लेकिन यह नस्ल अभी भी दोनों देशों में सड़कों पर बेसहारा घूमती हुई मिल जाती है। क्या है कारोमेल कुत्ते की कहानी ब्राजील और मेक्सिको के बीच में कारोमैल कुत्ते को लेकर यह प्रेम अहम है। क्योंकि दोनों ही देश इसे अपनी सांस्कृतिक बदलाव और कॉलोनियल काल के इतिहास के जोड़कर देखते हैं। ब्राजील की डीएनए जांच करने वाली एजेंसी के मुताबिक कारोमैल कुत्ता एशिया, अफ्रीका, अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया की कुल मिलाकर करीब 300 नस्लों का मिश्रण है। इसलिए यह और भी खास हो जाता है।

इस कुत्ते की कहानी लैटिन अमेरिका क्षेत्र में आने वाले यूरोपीय आक्रमणकारियों से शुरू होती है। यूरोप से आने वाले फ्रांसीसी और अंग्रेज अपने साथ कुत्ते भी लेकर आए। धीरे-धीरे वह एशिया, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से भी कुत्ते यहां लेकर आए। कई दशकों का इन कुत्तों के बीच में अनियंत्रित प्रजनन हुआ, जिसकी वजह से कई नई नस्ल सामने आई। यूरोपियों के जाने के बाद लोगों ने अपने घरों और खेतों की देखभाल के लिए कुत्तों को बड़ी तदाद में पालना शुरू किया। इसकी वजह से कुत्तों की बहुत ज्यादा तदाद हो गई। इसी के फलस्वरूप आज का कारोमेल कुत्ता सामने आया। ब्राजील के लोग इसे अपने इतिहास के संघर्ष और बदलाव का प्रतीक मानते हैं। वहीं, मैक्सिको भी इसे अपनी राष्ट्रीय धरोहर मानता है।

थम जाएगा रूस-यूक्रेन युद्ध? जेलेंस्की ने पुतिन को लिखा खुला पत्र

मास्को, एजेंसी। चार साल से भी ज्यादा से चल रहे रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच एक बड़ा अपडेट सामने आया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को खुला पत्र लिखकर आमने-सामने बातचीत करने का प्रस्ताव रखा है। चार साल में यह पहली बार है जब जेलेंस्की ने खुलकर पुतिन के सामने बातचीत का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा है कि किसी भी तटस्थ देश में बातचीत की जा सकती है। उन्होंने कहा है कि स्विट्जरलैंड, तुर्किए या फिर अरब का कोई भी देश बातचीत के लिए अनुकूल साबित हो सकता है।

बातचीत के लिए सुझाए देशों के नाम : जेलेंस्की ने यह भी कहा है कि बातचीत ना तो मॉस्को में होनी चाहिए और ना ही कीव में। उन्होंने कहा कि बड़े मुद्दों का समाधान दोनों देश के नेता ही कर सकते हैं। ऐसे में पुतिन को ऐसी कोई तारीख निश्चित करनी चाहिए जब बात हो सके। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि केवल अमेरिका पर निर्भर रहकर हाथ पर हाथ धरे बैठे रहने का कोई फायदा नहीं होगा। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका का ध्यान इस समय ईरान पर ज्यादा है।

रूस पर गंभीर आरोप : जेलेंस्की ने अपने पत्र में यह भी कहा कि रूस को जमीनी अभियान में सफलता नहीं मिल पाई है और ऐसे में वह बैलिस्टिक मसाइलों का इस्तेमाल ज्यादा करने लगा है। रूस चाहता है कि यह युद्ध एक दो साल और चले ताकि उसे किसी भी तरह

कुछ हासिल हो जाए। उन्होंने कहा कि पुतिन चाहते हैं कि बेलारूस भी इस संघर्ष का हिस्सा बन जाए। इसके अलावा रूस मोल्दोवा में अपने समर्थकों के जरिए ट्रांसनिस्ट्रिया के आसपास तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस इस युद्ध से त्रस्त हो चुका है और अब इसकी कीमत चुका रहा है। उन्होंने दावा किया कि यूक्रेन की तरफ से होने वाले ड्रोन हमलों, बढ़ती महंगाई और ईंधन की कमी की वजह से रूस आर्थिक दबाव में है और पस्त हो चुका है। जेलेंस्की ने दावा किया कि पिछले महीने में ही रूस के 30 हजार से ज्यादा सैनिक या तो मारे गए या फिर अपाहिज हो गए। उन्होंने इस बात से इनकार नहीं किया कि इस युद्ध में यूक्रेन को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जेलेंस्की ने कहा कि बातचीत के दौरान पूरी तरह से युद्धविराम लागू होना चाहिए। इसके अलावा युद्धबंदियों की भी अदला-बदली होनी चाहिए। जेलेंस्की ने रूस की जेल में बंद अपने नागरिकों को लौटाने की मांग की है। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि दुनिया यूक्रेन से नहीं बल्कि रूस से परेशान हो गई है। यूक्रेन को दुनियाभर के देशों का समर्थन मिल रहा हैऔर रूस पर ही अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाया जा रहा है।

गाजा में फिर भीषण हवाई हमले, महिलाओं-बच्चों समेत 10 की मौत; सीजफायर के बीच भी जारी हिंसा

गाजा , एजेंसी। पश्चिम एशिया में इस समय वार्ता और संघर्ष दोनों साथ चल रहे हैं। गाजा से लेकर लेबनान तक लगातार हवाई हमलों, जवाबी कार्रवाई और संघर्ष विराम के बावजूद हो रही मौतों ने हालात को और गंभीर बना दिया है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सीजफायर लागू होने के बाद भी अब तक 936 लोगों की मौत हो चुकी है। मंत्रालय को संयुक्त राष्ट्र और स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा विश्वसनीय माना जाता है, हालांकि यह नागरिकों और लड़ाकों का अलग-अलग आंकड़ा जारी नहीं करता। इस्त्राइल का कहना है कि हमले उन घटनाओं के जवाब में किए जाते हैं जिनमें समझौते का उल्लंघन या सुरक्षा खतरा शामिल होता है। इस्त्राइल की सेना ने दावा किया कि उत्तरी गाजा में हुए हमलों में हमास के चार लड़ाकों को मार गिराया गया है। सेना के अनुसार ये लोग हमास नेतृत्व की सुरक्षा और खुफिया जानकारी से जुड़े थे। सेना ने यह भी कहा कि हमलों से पहले नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए सटीक हथियारों और निगरानी का उपयोग किया गया। हालांकि शाम के हमले को लेकर सेना ने तत्काल कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी। गाजा पट्टी में इस्त्राइली हवाई हमलों ने एक बार फिर हालात को तनावपूर्ण बना दिया है। स्थानीय अस्पतालों के अनुसार गुरुवार को हुए अलग-अलग हमलों में कम से कम 10 फलस्तीनियों की मौत हो गई। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। यह हमले ऐसे समय में हुए हैं जब क्षेत्र में पहले से ही जारी संघर्ष और सीजफायर के बावजूद हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। गाजा सिटी में शिफा अस्पताल के अनुसार रातभर में चार अलग-अलग हमलों में नौ लोगों की मौत हुई। अस्पताल ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और दो बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, रेड क्रॉस द्वारा संचालित सराया फील्ड अस्पताल ने बताया कि गुरुवार शाम हुए एक और हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक हमले में रिहायशी इमारत की ऊपरी मंजिल पर बड़ा धमाका हुआ, जिससे दीवारें टूट गईं और घर का सामान बिखर गया। हमलों के बाद अस्पतालों में परिजनों की भीड़ उमड़ पड़ी। एक पीड़ित के रिश्तेदार वलीद शबेर ने कहा कि हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं।

चीन के लिए करता था जासूसी': अमेरिकी पत्रकार ने कोर्ट में कबूला गुनाह, शी जिनपिंग तक पहुंचती थी रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक चौंकाने वाले मामला सामने आया है। चीन में लंबे समय से रह रहे अमेरिकी पत्रकार थॉमस पाउकेन द्वितीय ने अदालत में स्वीकार किया है कि वह बिना कानूनी अनुमति के चीनी सरकार के एजेंट के रूप में काम कर रहे थे। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, पाउकेन ने चीन के लिए जानकारी जुटाने और प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करने का काम किया। दोषी करार दिए जाने के बाद उन्हें 1 सितंबर को सजा सुनाई जाएगी और उसे अधिकतम 10 साल की जेल हो सकती है।

पाउकेन 2010 से चीन में रह रहे थे और वहां कई सरकारी मीडिया संस्थानों के साथ काम कर चुके हैं। वह अपने पिता से अलग पहचान बनाने के लिए टॉम मैकग्रेगर नाम से लेख लिखते थे। उनके पिता

टेक्सास रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं।

जांच एजेंसियों ने क्या-क्या खुलासे किए : जांच एजेंसियों के मुताबिक, पाउकेन कम से कम 2019 से चीनी एजेंटों के संपर्क में था। वह कैथी नाम की एक महिला के लिए रिपोर्ट तैयार करते थे, जिसे वह चीन की सुरक्षा एजेंसियों से जुड़ा मानते थे। आरोप है कि 2019 से 2025 के बीच उसे इन रिपोर्टों के बदले करीब एक लाख डॉलर और अमेरिका की कई प्रायोजित यात्राएं मिलीं। पाउकेन का दावा था कि उनकी रिपोर्टें सीधे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग तक पहुंचती थीं। एफबीआई के अनुसार, पाउकेन ने ऐसे लोगों की तलाश की जो अमेरिकी प्रशासन में नौकरी हासिल कर सकते थे और बाद में संवेदनशील या गोपनीय जानकारी चीन तक पहुंचा सकें। फरवरी 2025 में वाशिंगटन में हुई एक बैठक के दौरान उन्होंने एक व्यक्ति को सिम कार्ड दिया और उसे हर सप्ताह रिपोर्ट तैयार करने के बदले 10,000 डॉलर देने का प्रस्ताव रखा। जांचकर्ताओं का कहना है कि इन रिपोर्टों का उद्देश्य अमेरिकी नीतियों को प्रभावित करना था।

अदालती दस्तावेजों में यह भी दावा किया गया है कि जनवरी 2025 में अमेरिका लौटने पर पाउकेन ने अधिकारियों को बताया था कि वह एक ऐसे व्यक्ति से मिलने जा रहा है जो ट्रंप प्रशासन में नौकरी पाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने माना था कि उन्हें 80 प्रतिशत यकीन है कि वह व्यक्ति नौकरी मिलने के बाद चीन को गोपनीय जानकारी दे सकते हैं।

पाउकेन किन्हें अपनी रिपोर्टें बेचीं : न्याय विभाग के अनुसार, पाउकेन ने चीन के वुहान शहर से जुड़े कुछ लोगों को भी रिपोर्टें बेचीं। ये लोग अमेरिकी तकनीक और न्याय विभाग से जुड़ी जानकारियां चाहते थे व साइबर जासूसी में मदद करने वाले विशेषज्ञों की तलाश कर रहे थे। जांच में यह भी सामने आया कि पाउकेन ने अमेरिका के विदेशी एजेंट पंजीकरण कानून के तहत खुद को कभी पंजीकृत नहीं कराया और न ही अटॉर्नी जनरल को इसकी जानकारी दी। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह मामला चीन की ओर से कथित प्रभाव संचालन और जासूसी गतिविधियों के खिलाफ चल रही व्यापक कार्रवाई का हिस्सा है।

भारत पर दबाव डालने की नीति अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए हानिकारक : पुतिन

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दबाव डालना 'अंतरराष्ट्रीय संबंधों और द्विपक्षीय रिश्तों के लिए नुकसानदायक' है। रूस के राष्ट्रपति ने गुरुवार को सेंट पीटर्सबर्ग के कॉन्स्टेंटाइन पैलेस में अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक के दौरान यह बात कही। क्रेमलिन के अनुसार, पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए पुतिन ने कहा, 'मुझे आपका सवाल थोड़ा अजीब लगा। आपने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच सहयोग की वजह से रूस और भारत के रिश्तों में दिक्कतें पैदा हो रही हैं। मुझे नहीं लगता कि ऐसा है।' उन्होंने कहा कि? आप ऐसा क्यों सोचते हैं? हम पूरी तरह तैयार हैं। हमें खुशी है कि भारत सभी देशों के साथ अपने रिश्ते विकसित कर रहा है। वह एक महान

देश है, जिसकी आबादी 1.5 अरब है, जिसकी अर्थव्यवस्था बड़ी है, और जिसे कई लोग दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहते हैं।

पुतिन ने कहा कि यह बिल्कुल स्वाभाविक है कि भारत अपने हितों के अनुसार अपनी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाए और जिन देशों के साथ जरूरी समझे, उनके साथ सहयोग करे। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, 'कुछ मामलों में अमेरिका भारत पर दबाव बनाने की कोशिश करता है। उदाहरण के लिए, रूस के साथ कुछ क्षेत्रों में सहयोग को लेकर, लेकिन अब सभी यह समझ चुके हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दबाव डालना अंतरराष्ट्रीय संबंधों और द्विपक्षीय रिश्तों के लिए नुकसानदायक है, चाहे यह दबाव कहीं से भी आए।

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी 'टास' के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ होने वाली यह वार्षिक बैठक दुनिया की प्रमुख मीडिया संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियों और पत्रकारों के साथ अंतरराष्ट्रीय घटनाओं, आर्थिक मुद्दों और रूस की विदेश नीति पर सवाल-जवाब के रूप में चर्चा करने का अवसर देती है। यह बैठक सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम के दौरान हो रही है, जो तीन जून से छह जून तक आयोजित होगी।

दिसंबर 2025 में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत की एक महत्वपूर्ण राजकीय यात्रा की थी। दो दिनों तक चली इस यात्रा के दौरान नई दिल्ली में शिखर स्तर की वार्ताएं, औपचारिक कार्यक्रम और कई द्विपक्षीय बैठकें हुई थीं। इन चर्चाओं में रक्षा सहयोग, आर्थिक साझेदारी, ऊर्जा संबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर बात हुई थी। इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ औपचारिक बातचीत भी की थी। दोनों नेताओं ने भारत-रूस साझेदारी की समीक्षा की थी, जिसे 'रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा मिले 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं।

पाकिस्तान तो भरोसे के काबिल ही नहीं, यूएस-ईरान में मध्यस्थता को लेकर भड़का इजरायल

तेलअवीव, एजेंसी। भारत में इजरायली राजदूत रूवेन अजार ने कहा कि मध्य एशिया में चल रहे तनाव को कम करने के लिए मध्यस्थता कर रहा पाकिस्तान विश्वास के काबिल नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक अविश्वसनीय और केवल परेशानी पैदा करने वाला दे है। बता दें कि पाकिस्तान बार-बार और ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में मध्यस्थता का दावा कर रहा है और अमेरिकी इसे स्वीकार भी कर रहा है।

आतंक का समर्थक है पाकिस्तान : अजार ने कहा कि मध्यस्थता करने के लिए सबसे पहले ऐसी पार्टी की जरूरत होती है जिसपर विश्वास किया जाए और वही क्वालिटी पाकिस्तान में है नहीं। बता दें कि पिछले सप्ताह अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा था कि ईरान के साथ बातचीत के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता पर भारत ने किसी तरह की आपत्ति जाहिर नहीं की है। वहीं इजरायली राजदूत ने कहा कि पाकिस्तान के पास मध्यस्थता करने की क्षमता ही नहीं है। उन्होंने कहा, अगर मध्यस्थता करने वाली पार्टी ही कट्टरपंथियों की समर्थक हो तो उसका क्या परिणाम निकलने वाला है। पाकिस्तान का झुकाव हमेशा से आतंकवाद और रूढ़िवादी ताकतों की ओर रहता है। ऐसे में अमेरिका को भी सतर्क रहने की जरूरत है और ऐसे देश के झांसे में नहीं आना चाहिए। बता दें कि पिछले महीने जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो भारत यात्रा पर आए थे तो पाकिस्तान को लेकर चर्चा तो खूब हुई लेकिन यह मुद्दा

आतंकवाद पर ही फोकस था। ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता को लेकर कोई चर्चा नहीं की गई।

पीएम मोदी और नेतन्याहू के रिश्ते पर क्या बोले राजदूत : अजार ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच किसी भी तरह की दरार की खबरों को खारिज करते हुए कहा है कि जो लोग दोनों नेताओं के बीच फूट की उम्मीद कर रहे हैं, उन्हें थोड़ा और इंतजार करना होगा। उन्होंने लेबनान में सैन्य अभियान को लेकर इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और ट्रंप के बीच कथित तीखी बहस को 'मैत्रीपूर्ण रणनीतिक मतभेद' बताया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने अपने राजनीतिक एजेंडे के तहत इन मतभेदों को वास्तविकता से कहीं अधिक बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया। अजार ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच कथित तनाव की धारणा किसी बुनियादी रणनीतिक मतभेद के कारण नहीं, बल्कि उनकी अलग-अलग कार्यशैली और व्यक्तिगत नेतृत्व शैली के कारण पैदा हुई है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि बहुत से लोग राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बीच दरार तलाशना चाहते हैं।

ईरान संघर्ष से बढ़ी महंगाई अस्थायी, जल्द कम होंगी कीमतें: अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने गुरुवार को अर्थव्यवस्था को लेकर ट्रंप प्रशासन की नीतियों का बचाव किया। बढ़ती ईंधन और उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों को लेकर हो रही आलोचना के बीच उन्होंने लॉमेकर्स से कहा कि ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण बढ़ी महंगाई अस्थायी है और स्थिति सामान्य होने पर कीमतें फिर कम हो जाएंगी। यह मुद्दा प्रतिनिधि सभा की वेज एंड मीन्स समिति की लंबी और कई बार तीखी सुनवाई के दौरान बार-बार उठा। डेमोक्रेटिक लॉमेकर्स ने आरोप लगाया कि ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण ईंधन, घरेलू खर्च और महंगाई बढ़ी है, जिससे अमेरिकी परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। बेसेंट ने माना कि इस संघर्ष का असर ऊर्जा बाजारों पर पड़ा है, लेकिन उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव स्थायी नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''ईरान संघर्ष के कारण कीमतों में अल्पकालिक बढ़ोतरी हुई है, जो समय के साथ कम हो जाएगी।''

वित्त मंत्री ने कहा कि हालिया मूल्य वृद्धि के बावजूद अमेरिकी अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत है और इसके समर्थन में रोजगार वृद्धि, निजी क्षेत्र में निवेश और वेतन बढ़ने का हवाला दिया।

हालांकि डेमोक्रेटिक प्रतिनिधियों ने इस दावे पर सवाल उठाए। समिति में शीर्ष डेमोक्रेट सदस्य रिचर्ड नील ने कहा कि परिवारों को रोजमर्रा की जरूरतों पर पहले से अधिक खर्च करना पड़ रहा है। उन्होंने बढ़ती कीमतों के लिए टैरिफ और ईरान संघर्ष दोनों को जिम्मेदार ठहराया। कई डेमोक्रेटिक लॉमेकर्स ने बढ़ती ईंधन कीमतों को खराब होती आर्थिक स्थिति का संकेत बताया। जुडी चू ने कहा कि अमेरिकी

नागरिक अब भी पेट्रोल, किराने के सामान और घरेलू वस्तुओं के लिए ज्यादा कीमत चुका रहे हैं। वहीं ब्रेंडन बॉयल ने अर्थव्यवस्था को संभालने के तरीके को लेकर जनता में बढ़ती नाराजगी का उल्लेख किया। जॉन लार्सन ने बेसेंट से पूछा कि क्या इस संघर्ष के कारण ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं। इस पर बेसेंट ने जवाब दिया, ''जी हां, संघर्ष की वजह से कीमतें बढ़ीं।'' हालांकि उन्होंने दोहराया कि यह बढ़ोतरी अस्थायी है और व्यापक महंगाई की स्थिति नियंत्रण में बनी हुई है। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप के पद संभालने के बाद से कोर महंगाई दर में 0.5 प्रतिशत की गिरावट आई है।'' बेसेंट ने ईरान संघर्ष को लेकर प्रशासन की व्यापक नीति का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना राष्ट्रीय सुरक्षा की प्राथमिकता है और इसके लिए अल्पकालिक आर्थिक परेशानियां स्वीकार की जा सकती हैं।

लॉमेकर्स के साथ चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि अगर ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने या वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को खतरे में डालने की अनुमति दी जाती, तो अमेरिकी नागरिकों को कहीं अधिक गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि ऊर्जा बाजार पहले ही खुद को नई परिस्थितियों के अनुसार ढालना शुरू कर चुके हैं। उन्होंने कहा, ''कच्चे तेल की कीमतों में 20 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है और पेट्रोल की कीमतें आमतौर पर कच्चे तेल की कीमतों का ही अनुसरण करती हैं।''

यह सुनवाई से स्पष्ट हो रहा है कि ईरान संघर्ष के आर्थिक प्रभाव अब वॉशिंगटन में एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुके हैं। रिपब्लिकन नेताओं ने राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता बताते हुए प्रशासन की नीति का समर्थन किया, जबकि डेमोक्रेटिक नेताओं का कहना है कि इसकी आर्थिक कीमत आम अमेरिकी नागरिकों को अधिक महंगाई और धीमी आर्थिक वृद्धि के रूप में चुकानी पड़ रही है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.